@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

वीरवार, 10 अक्टूबर 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 335 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

यूपी उपचुनाव: सपा ने छह उम्मीदवारों की घोषणा की

लखनऊ, 9 अक्टूबर। समाजवादी पार्टी ने यूपी में होने वाले उपचुनाव के लिए छह सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने करहल विधानसभा सीट पर तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया है। इस सीट से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव विधायक चुने गए थे पर सांसद बनने के बाद सीट खाली हो गई थी। इसी तरह सीसामऊ विधानसभा सीट से नसीम सोलंकी, फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी, मिल्कीपुर से अजीत प्रसाद, कटेहरी से शोभावती वर्मा और मंझवा विधानसभा सीट से डॉ. ज्योति बिंद को प्रत्याशी बनाया गया है। यूपी की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा जिसके लिए सभी दलों ने तैयारियां कर ली हैं। सपा के चार और सीटों पर प्रत्याशी घोषित न करने को कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात कही जा रही है। बता दें कि उपचुनाव में कांग्रेस ने सपा से पांच सीटों की मांग की थी लेकिन छह सीटों पर उम्मीदवार घोषित होने से यह साफ है कि सपा ने कांग्रेस का फॉर्मूला मानने से इनकार कर दिया है। उपचुनाव की तैयारियों के मद्देनजर सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में भाजपा कोर कमेटी की बैठक हुई थी। जिसमें नौ सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर मंथन हुआ। बैठक में सभी नौ सीटों के लिए कुल 27 नामों के पैनल को फाइनल किया गया था।

उद्योगपति रतन टाटा नहीं रहे, पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया दुख

सिम्मी कौर बब्बर

मुंबई, 9 अक्टूबर। उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर देशभर में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत देश की तमाम हस्तियों ने शोक जताया है। उद्योग जगत के एक अन्य दिग्गज आनंद महिंद्रा ने भी टाटा के निधन पर शोक प्रकट किया। उन्होंने कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था ऐतिहासिक छलांग लगाने के कगार पर खड़ी है। इस स्थिति में आने में रतन के जीवन और काम का हमारे बहुत बड़ा योगदान है। ऐसे समय में उनका मार्गदर्शन और अमूल्य होता। टाटा के निधन पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा, रतन टाटा की तरह बहुत कम लोगों ने अपनी दूरदर्शिता और ईमानदारी से इस दुनिया पर ऐसी अमिट छाप छोड़ी है। आज, हमने न केवल एक व्यवसायी दिग्गज को खो दिया है, बल्कि एक सच्चे मानवतावादी को भी खो दिया है, जिनकी विरासत औद्योगिक परिदृश्य से आगे बढ़कर हर उस दिल में बसी है, जिसे उन्होंने छुआ था। क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने भी रतन टाटा के निधन पर शोक जताया। उन्होंने टाटा के भारत का असली रत्न करार दिया। उन्होंने कहा कि आने वाली कई पीढ़ियों को इससे प्रेरणा मिलेगी। देश के उद्योग जगत के सबसे नायाब %रतन% यानी रतन टाटा नहीं रहे। उम्र से जुड़ी बीमारी के बाद 86 वर्ष की उम्र में उन्होंने मुंबई में अंतिम सांस ली। सोमवार को वे स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल में भर्ती हुए थे। बाद में उन्होंने ही आईसीयू में भर्ती होने के दावों का खंडन कर दिया था। हालांकि, बुधवार को उन्हें एक बार फिर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए हुए थे, लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी उन्हें नहीं बचाया जा सका। रतन टाटा अपनी सादगी और सरल स्वभाव की वजह से जाने जाते थे। उदारीकरण के दौर के बाद टाटा समूह आज जिस ऊंचाइयों पर है, उसे यहां तक पहुंचाने में रतन टाटा बहुत बड़ा योगदान है। इससे पहले सोमवार को खबरें आई थीं कि टाटा संस के मानद चेयरमैन को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दावा किया गया कि उनका ब्लड प्रेशर अचानक काफी गिर गया था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और आईसीयू में रखा गया। हालांकि, कुछ ही देर बाद खुद रतन टाटा ने अपने ही सोशल मीडिया हैंडल के जरिए इन अफवाहों को निराधार करार दिया। रतन टाटा ने स्कूली पढ़ाई-लिखाई मुंबई से की। इसके बाद वे कॉर्नेल यूनिवर्सिटी चले गए, जहां से उन्होंने आर्किटेक्चर में बीएस किया। रतन टाटा 1961-62 में टाटा ग्रुप जुड़े थे। इसके बाद उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एडवांस मैनेजमेंट प्रोग्राम से प्रबंधन की पढ़ाई की। 1991 में वे टाटा ग्रुप के चेयरमैन बने। साल 2012 में रिटायर हुए थे।

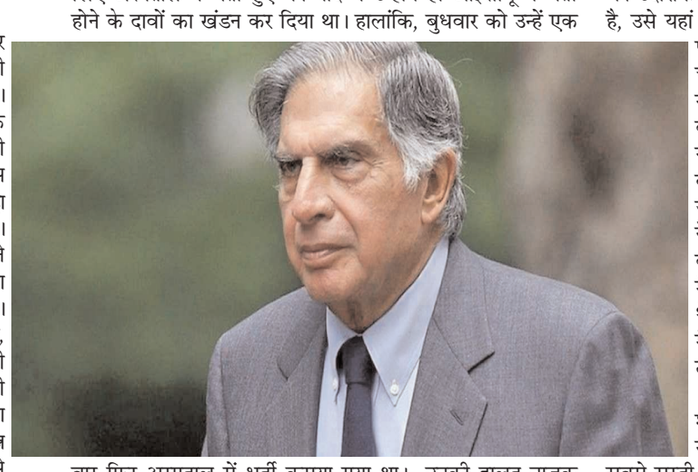

भारत में पहली बार पूर्ण रूप से बनी कार का उत्पादन शुरू करने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। इस पहली पूर्ण स्वदेश निर्मित कार का नाम था टाटा इंडिका। दुनिया की सबसे सस्ती कार टाटा नैनो बनाने की उपलब्धि भी उन्हीं के नाम है। उनके नेतृत्व में ही टाटा समूह ने लैंड रोवर और जगुआर का अधिग्रहण कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खलबली मचा दी थी। उन्हें पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया था।

चुनाव आयोग ने खरगे को लिखा पत्र

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को कांग्रेस पार्टी की तरफ से अस्वीकार्य और अप्रत्याशित बताए जाने पर चुनाव आयोग ने अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का पत्र लिखा है। आयोग ने चुनावी नतीजों पर पार्टी अध्यक्ष के बयान पर आपत्ति जताई है। चुनाव आयोग के पत्र में लिखा गया है कि आयोग ने आपके और विपक्ष के नेता के बयानों पर गौर किया है, जिसमें हरियाणा के नतीजों को अप्रत्याशित बताया गया है और कांग्रेस इसका विश्लेषण करने और अपनी शिकायतों/शिकायतों के साथ चुनाव आयोग से संपर्क करने का प्रस्ताव रखती है। इस उचित धारणा पर आगे बढ़ते हुए कि पार्टी अध्यक्ष का बयान चुनावी नतीजों पर पार्टी की औपचारिक स्थिति है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने आज शाम 6 बजे कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मिलने पर सहमति भी जताई है। इसके साथ चुनाव आयोग ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के हरियाणा के नतीजे अस्वीकार्य वाले बयान को देश की समृद्ध लोकतांत्रिक विरासत में अनसुना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के वैध हिस्से से बहुत दूर करार दिया। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि पार्टी नेताओं जयराम रमेश और पवन खेड़ा की ऐसी टिप्पणियां वैधानिक और नियामक चुनावी ढांचे के अनुसार व्यक्त की गई लोगों की इच्छा को अलोकतांत्रिक तरीके से खारिज करने की ओर ले जाती हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि उसने मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के बयानों पर भी गौर किया है, जिसमें हरियाणा के नतीजों को अप्रत्याशित बताया गया है और पार्टी इसका विश्लेषण करने और अपनी शिकायतों के साथ चुनाव आयोग से संपर्क करने का प्रस्ताव रखती है। चुनाव आयोग ने कहा कि उसे कांग्रेस के 12 सदस्यीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के लिए बैठक का समय मांगने का अनुरोध मिला है, जिसमें हरियाणा के चुनावी नतीजे अस्वीकार्य वाला बयान देने वाले लोग भी शामिल हैं। हरियाणा में चुनावी नतीजे सामने आने के बाद कांग्रेस पार्टी ने उसे अप्रत्याशित और अस्वीकार्य करने वाला नतीजा बताया था। दरअसल कांग्रेस नेताओं का आरोप था कि कई सीटों पर नतीजे ईवीएम की मदद से बदल दिए गए। कांग्रेस के अनुसार कई सीटों पर जहां ईवीएम 90 फीसदी बैटरी चार्ज था वहां नतीजे भाजपा के पक्ष में आए और जहां ईवीएम की बैटरी 70-80 फीसदी चार्ज थी वहां कांग्रेस पार्टी ने जीत हासिल की है। हरियाणा चुनाव में हार के लिए चुनाव आयोग से सवाल करने पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि विपक्षी पार्टी को जनता के फैसले का सम्मान करना और उसे स्वीकार करना सीखना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर कि विपक्षी पार्टी विधानसभा क्षेत्रों से शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएगी, किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर कहा, अब, ईवीएम और चुनाव आयोग को फिर से दोष न दें। उन्होंने कहा, लोगों के फैसले का सम्मान करना और उसे स्वीकार करना सीखें।

जम्मू-कश्मीर के लोगों का शुक्रिया: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव के परिणामों पर पहली बार प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का तहे दिल से शुक्रिया। प्रदेश में ढ्ढहृष्ठढ्ढ की जीत संविधान की जीत है, लोकतांत्रिक स्वाभिमान की जीत है। राहुल ने हरियाणा में मिली करारी हार पर कहा कि हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएंगे। सभी हरियाणा वासियों को उनके समर्थन और हमारे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए दिल से धन्यवाद। उन्होंने आगे कहा कि हक का, सामाजिक और आर्थिक न्याय का, सच्चाई का यह संघर्ष जारी रखेंगे, आपकी आवाज़ बुलंद करते रहेंगे। दरअसल, हरियाणा विधानसभा चुनाव जीतकर भाजपा ने न सिर्फ सारे एग्जिट पोल्स को झूठा साबित कर दिया, बल्कि अपने विरोधियों को भी चौंका दिया है। इसके बाद से ही कांग्रेस अपने साथियों के निशाने पर है। हालांकि, कांग्रेस इन नतीजों को मानने के लिए तैयार नहीं है। उसने नतीजों में गड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत भी की है। हरियाणा में 48 सीट जीतकर भाजपा सत्ता बरकरार रखने और लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लिए तैयार है। कांग्रेस को 37 सीट पर जीत मिली है। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने दो सीटें जीतीं, जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों को तीन सीट मिलीं। जननायक जनता पार्टी (जजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों को चुनावों में कोई सफलता नहीं मिली। जम्मू-कश्मीर में 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने बाद पहली बार कराए गए विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने शानदार जीत हासिल की। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन 90 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीट के साथ सरकार बनाने को तैयार है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 51 सीट पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से 42 पर उसे जीत मिली है, जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस ने 32 सीट पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से छह उसके खाते में गई हैं।

भाजपा ने हारी हुई लड़ाई जीती: संजय राउत

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। हरियाणा विधानसभा चुनाव जीतकर भाजपा ने न सिर्फ सारे एग्जिट पोल्स को झूठा साबित कर दिया बल्कि अपने विरोधियों को भी चौंका दिया है। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत भी भाजपा की हरियाणा में अप्रत्याशित जीत से हैरान हैं और खुद को भगवा पार्टी की तारीफ करने से भी नहीं रोक पाए। संजय राउत ने कहा कि दोनों राज्यों (हरियाणा और जम्मू कश्मीर) की अपनी अहमियत है, लेकिन जम्मू कश्मीर भाजपा के लिए ज्यादा अहम था। वे उस जगह से हार गए, जहां उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाया था। विपक्षी गठबंधन हरियाणा में नहीं जीत पाया क्योंकि कांग्रेस को लगा कि वह अपने दम पर जीत सकते हैं और उन्हें सत्ता में किसी सहयोगी की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेता हुड्डा जी को लगा कि वे जीत जाएंगे। अगर उन्होंने समाजवादी पार्टी, आप या अन्य छोटी पार्टियों के साथ

गठबंधन किया होता तो नतीजा कुछ और होता। भाजपा ने जिस तह से चुनाव लड़ा, वह काबिले तारीफ है। भाजपा ने हारी हुई लड़ाई जीती है। हरियाणा में हार के बाद विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी टीएमसी ने कांग्रेस की आलोचना की है। टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कांग्रेस का नाम लिए बिना आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि यह रवैया चुनाव में हार का कारण बना कि अगर हमें लगता है कि हम जीत रहे हैं तो हम किसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन जिन राज्यों में हम पिछड़ रहे हैं, वहां क्षेत्रीय पार्टियों को हमें जगह देनी चाहिए। गोखले ने लिखा कि अहंकार और क्षेत्रीय दलों को नीची निगाह से देखना आपदा का कारण बनता है।

अनंतनाग में आतंकियों ने टीए के जवान की अपहरण के बाद की हत्या

जम्मू, 9 अक्टूबर। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकरनाग क्षेत्र के उतरुसू जंगल से लापता टेरिटोरियल आर्मी (टीए) जवान हिलाल अहमद भट का शव बरामद कर लिया गया है। यह शव आज सुबह पुलिस और सेना द्वारा चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान मिला। जहां हिलाल अहमद भट का अपहरण आतंकियों ने किया था, जिसके बाद उनकी हत्या कर दी गई। जवान के लापता होने की सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों ने तत्काल कार्रवाई की और जंगल में खोज अभियान शुरू किया। इससे पहले, चिनार कॉर्प्स ने एक पोस्ट में कहा था कि एक खुफिया इनपुट के आधार पर, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 8 अक्टूबर को काजवान वन क्षेत्र में एक संयुक्त आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन रात भर जारी रहा, क्योंकि एक टेरिटोरियल आर्मी का जवान लापता हो गया था। सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन के दौरान जंगल में लापता जवान की तलाश में जुटे रहे। उन्हें गहनता से तलाश किया गया और जवान का शव बरामद हुआ।

नीट पीजी काउंसलिंग में देरी से हो रही परेशानी

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (ढ्ढरू) ने मंगलवार को सरकार से ऐसे अंतरिम उपाय तलाशने का आग्रह किया, जो नीट पीजी 2024 काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति दे सके, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि छात्रों और स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली दोनों के हितों की रक्षा की जा सके। आईएमए ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर नीट पीजी 2024 काउंसलिंग प्रक्रिया में देरी को लेकर बढ़ती चिंताओं और अनिश्चितता की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया है, जो वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में चल रहे एक मामले के कारण रुकी हुई है। डॉक्टरों के निकाय ने कहा, परामर्श प्रक्रिया में देरी से देश भर में हजारों नीट पीजी उम्मीदवारों को भारी परेशानी हो रही है। आईएमए ने पत्र में कहा कि ये उम्मीदवार, जिन्होंने स्नातकोत्तर मेडिकल सीटों के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए अथक परिश्रम किया है, न्यायिक कार्यवाही के कारण अपने भविष्य को लेकर लंबे समय से अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। यह स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों के कामकाज को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्नातकोत्तर छात्रों को समय पर शामिल करना महत्वपूर्ण है। यह पत्र में कहा गया है, हालांकि हम न्यायिक प्रक्रिया और कानूनी स्पष्टता की आवश्यकता का पूरा सम्मान करते हैं, आईएमए का मानना है कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए हस्तक्षेप करना और संभावित समाधान तलाशना जरूरी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों के शैक्षणिक और व्यावसायिक भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

दिल्ली में अकेले दम पर लड़ेगी चुनाव, आम आदमी पार्टी का एलान

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। हरियाणा में कांग्रेस की हार का सीधा असर दिल्ली की राजनीति पर पड़ा है। आम आदमी पार्टी ने ऐलान कर दिया है कि वह दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से कोई समझौता नहीं करेगी। पार्टी अपने काम के दम पर चुनावी मैदान में उतरेगी और जीत हासिल करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ही पार्टी कार्यकर्ताओं से अतिउत्साह में न रहने और मजबूती से चुनाव में उतरने का सुझाव दिया था। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने अमर उजाला से कहा कि पार्टी ने दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में अरविंद केजरीवाल ने जनता के लिए बहुत काम किया है और उनका काम ही दिल्ली में पार्टी को जीत दिलाने के लिए काफी है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी दूसरे दल के समर्थन या सहयोग की आवश्यकता नहीं है। जनता का सहयोग और समर्थन अरविंद केजरीवाल के साथ बना हुआ है और उनके लिए यही काफी है। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि हर राज्य का चुनाव अलग होता है और वे किसी एक राज्य के चुनाव को किसी दूसरे राज्य के चुनाव से जोड़कर नहीं देखना चाहतीं। लेकिन जिस तरह दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और अब आतिशी मारलेना की सरकार काम कर रही है, उसे देखते हुए उन्हें पूरा भरोसा है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी एक बार फिर रिकॉर्ड बहुमत से सरकार बनाएगी। विपक्षी दल यह मान रहे हैं कि कांग्रेस ने अपने अति आत्मविश्वास के कारण हरियाणा का चुनाव गंवा दिया। वह अपने नेताओं की आपसी कलह को संभाल नहीं पाई और हरियाणा में डूब गई। इसे लेकर महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक इंडिया के सहयोगी दल कांग्रेस पर आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) ने भी कांग्रेस की आलोचना की है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जब से हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम आए हैं, तभी से कांग्रेस के सभी सहयोगी पार्टियों ने उस पर हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। उनके सहयोगी दल ही कांग्रेस की पोल खोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह शिवसेना और आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस की आलोचना की है, उसी से यह साफ हो जाता है कि कांग्रेस एक परजीवी की तरह दूसरे दलों से लाभ ले रही है, लेकिन वह उन्हें कुछ देने की स्थिति में नहीं है। पूनावाला ने कहा कि इस तरह के अवसरवादी गठबंधन एक दूसरे के भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए बना था। इसे देर-सबेर टूटना ही था। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इस बार अरविंद केजरीवाल की पूरी विदाई तय है। वह किसी भी तरह चुनाव लड़े, उसको हार मिलनी तय है क्योंकि दिल्ली की जनता शराब घोटाले को अपने भाग्यविधाता के तौर पर नहीं देखना चाहती।

विकास को बढ़ावा देने के लिए अस्थिर प्रथा न अपनाएं: आरबीआई गवर्नर

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को उन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी जो वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए अस्थिर तरीके अपना रही हैं। आरबीआई गवर्नर ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए कड़े शब्दों में गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं से ईमानदार व निष्पक्ष रहने और टिकाऊ प्रथाओं का पालन करने को कहा। दास ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि एमएफआई (सूक्ष्म वित्त संस्थान) और एचएफसी (आवास वित्त कंपनियां) सहित सभी एनबीएफसी स्थायी व्यावसायिक लक्ष्यों का पालन करें; अनुपालन सर्वप्रथम संस्कृति अपनाएं; एक मजबूत जोखिम प्रबंधन ढांचा अपनाएं; निष्पक्ष व्यवहार संहिता का कड़ाई से पालन करें; और ग्राहकों की शिकायतों के प्रति ईमानदार रवैया अपनाएं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि, रिजर्व बैंक इन क्षेत्रों पर बारीकी से नजर रख रहा है और जरूरत पड़ने पर उचित कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आरबीआई चाहता है कि एनबीएफसी स्वयं सुधार करें। शक्तिकांत दास ने कहा कि एनबीएफसी क्षेत्र ने पिछले कुछ वर्षों में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, उन्होंने स्वीकार किया कि ऐसे ऋणदाताओं ने वित्तीय समावेशन के नीतिगत उद्देश्य में मदद की है।हालांकि, उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ एनबीएफसी टिकाऊ व्यावसायिक प्रथाओं और जोखिम प्रबंधन ढांचे का निर्माण किए बिना आक्रामक रूप से विकास की ओर अग्रसर हैं। गवर्नर ने कहा, किसी भी कीमत पर विकास का अविवेकपूर्ण दृष्टिकोण उनके स्वयं के स्वास्थ्य के लिए प्रतिकूल होगा। उन्होंने कहा कि घरेलू और विदेशी स्रोतों से पूंजी जुटाने के बाद कुछ संस्थाएं अपनी इक्विटी पर अत्यधिक रिटर्न की तलाश में हैं। उन्होंने बताया कि चिंता तब उत्पन्न होती है जब ब्याज दरें अत्यधिक हो जाती हैं और साथ ही अनुचित रूप से उच्च प्रसंस्करण शुल्क और तुच्छ दंड भी जुड़ जाते हैं। इसके अलावा, एक धकेलने वाला प्रभाव भी है, जिसमें व्यावसायिक लक्ष्य वास्तविक मांग के बजाय खुदरा ऋण वृद्धि को बढ़ावा देते हैं, दास ने कहा, उन्होंने आशंका जताई कि उच्च लागत और उच्च ऋणग्रस्तता के कारण इससे वित्तीय स्थिरता का जोखिम भी उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने संस्थाओं से अपने कर्मचारियों के पारिश्रमिक प्रथाओं, परिवर्तनीय वेतन और प्रोत्साहन संरचनाओं की समीक्षा करने को भी कहा, क्योंकि उनका मानना है कि इनमें से कुछ विशुद्ध रूप से लक्ष्य-आधारित प्रतीत होते हैं और इनके परिणामस्वरूप प्रतिकूल कार्य संस्कृति और खराब ग्राहक सेवा हो सकती है।

नेता-पत्रकार किसी को नहीं छोड़ेंगे: तेजस्वी

पटना, 9 अक्टूबर। बिहार में 5 देशरत्न मार्ग स्थित बंगला को लेकर छिड़ी सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। भारतीय जनता पार्टी ने नेता प्रतिपक्ष पर जो गंभीर आरोप लगाए थे, अब वह मामला तूल पकड़ चुका है। पहले राष्ट्रीय जनता दल ने इन आरोपी को खारिज किया था। अब तेजस्वी यादव ने इसपर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। इतना ही नहीं तेजस्वी यादव ने यहां तक कह दिया कि जिन जिन लोगों के मेरे ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनको मैं लीगल नोटिस भेजूंगा। चाहे वो नेता हो या पत्रकार, किसी नहीं छोड़ूंगा। सरकारी बंगले से सामान ले जाने ने सवाल पर तेजस्वी यादव ने स्पष्ट कहा है कि भाजपा उनकी छवि धूमिल करना चाहती है और जनता उनके साथ है। मेरे ऊपर लगाए गए सारे आरोप बेबुनाद हैं। मैं तो कहता हूं कि भाजपा इसकी जांच ईडी और सीबीआई से करवा लें। मेरे पास सारे वीडियो और सबूत हैं। बता दें कि दो दिन पहले भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता दानिश इकबाल ने आरोप लगाया कि उप मुख्यमंत्री के रूप में तेजस्वी यादव को 5 देशरत्न मार्ग का जो बंगला आवंटित किया गया था, उससे निकलते समय वह सोफा-कुर्सी, एसी और यहां तक कि नल की टोंटी तक उखाड़ ले गए।

बंगलादेश के पांच मछुआरों का अपहरण

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश के दक्षिणी शहर टेकनाफ के निकट नाफ नदी में मछली पकड़ते समय म्यांमार की अराकान सेना के संदिग्ध सदस्यों ने पांच मछुआरों का अपहरण कर लिया है। स्थानीय अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' ने बुधवार को बताया कि यह घटना कॉक्स बाजार जिले के नयापारा इलाके में सोमवार अपराह्न तब हुई, जब मछुआरे नाफ नदी में मछली पकड़ने गये। रिपोर्ट के मुताबिक अभी तक मछुआरों को वापस नहीं किया गया है। टेकनाफ में बॉर्डर गार्ड बंगलादेश (बीजीबी) के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल मोहिउद्दीन अहमद ने पुष्टि की कि बीजीबी मछुआरों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए म्यांमार के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है। सुब्रंग यूनियन परिषद के सदस्य अब्दुस सलाम ने कहा, इस क्षेत्र के पांच मछुआरों को म्यांमार के नागरिकों ने तब पकड़ लिया, जब वे नाफ नदी में मछली पकड़ रहे थे। फिलहाल, इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि उन्हें किसने पकड़ा है, लेकिन देश में चल रहे संघर्ष को देखते हुए, यह संदेह है कि अराकान सेना के सदस्य इसमें शामिल हैं। स्थानीय मछुआरों के अनुसार, जलियापारा के अब्दुल मजीद की तीन नावें मंगलवार की सुबह नाफ नदी में मछली पकड़ने के लिए निकली थीं। उस समय म्यांमार के कुछ हथियारबंद लोगों ने मछुआरों का पीछा किया। उन्होंने बताया कि दो नावें भागने में सफल रहीं, जबकि मजीद की नाव के पांच मछुआरों को पकड़ लिया गया।

फ्रांस में मिशेल बार्नियर हासिल किया विश्वास मत

पेरिस। फ्रांस की नेशनल असेंबली ने वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट ब्लॉक की ओर से प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर की सरकार के खिलाफ पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया।नेशनल असेंबली में 289 में से कुल 197 सांसदों ने विश्वास मत के पक्ष में मतदान किया। यह नयी सरकार में विश्वास का पहला मत था।

लेबनान पर पिछले 24 घंटे में हुए इजरायली हवाई हमलों में 36 की मौत, 150 घायलः मंत्रालय

बेरूत। लेबनान के विभिन्न क्षेत्रों पर पिछले 24 घंटों में हुए इजरायली हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या 36 हो गई है, जबकि 150 लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। इसने कहा

कि बेका क्षेत्र में छह लोग मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए, जबकि नबातीह प्रांत में 30 मौतें हुईं और 121 घायल हो गए। मंत्रालय ने कहा कि माउंट लेबनान में 20 लोग घायल हो गए, जबकि बालबेक हर्मेल जिले में एक व्यक्ति घायल हुआ। लेबनानी अधिकारियों के अनुसार, इज़रायली हमलों की शुरुआत के बाद से लेबनान में मरने वालों की कुल संख्या 2,100 से अधिक हो गई है, जबकि 10,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

नेतन्याहू ने हिजबुल्ला के वरिष्ठ नेता के मारे जाने की पुष्टि की

यरूशलम। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने हिजबुल्लाह के हजारों सदस्यों को मार डाला है, जिसमें समूह के मारे गए नेता हसन नसरल्लाह का संभावित उत्तराधिकारी हाशेम सफीद्दीन भी शामिल है। यह बयान लेबनान के लोगों के लिए नेतन्याहू के कार्यालय द्वारा जारी एक वीडियो संदेश में दिया गया, जिसमें उन्होंने हिजबुल्लाह समूह को देश में चल रहे वित्तीय संकट का कारण होने का आरोप लगा. और हिजबुल्लाह से लेबनान को मुक्त करने का आग्रह किया। नेतन्याहू ने कहा कि हमने हिजबुल्लाह की क्षमताओं को कम कर दिया है। हमने हजारों आतंकवादियों को मार गिराया है, जिनमें खुद नसरल्लाह, उसके उत्तराधिकारी और उसके उत्तराधिकारी के उत्तराधिकारी भी शामिल हैं। नेतन्याहू ने कहा कि आज हिज़्बुल्लाह कई वर्षों की तुलना में कमज़ोर है। नेतन्याहू ने इस बात पर बल दिया कि इजरायल हिजबुल्लाह के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

शेख हसीना के बेटे जॉय और पूर्व मंत्री पलक समेत 19 के खिलाफ एनआईडी डेटा लीक का आरोप, केस दर्ज

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, अवामी लीग नेता और पूर्व आईसीटी राज्यमंत्री जुनैद अहमद पलक समेत 19 लोगों पर राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) डेटा लीक का कथित आरोप लगा है। इन सभी के खिलाफ कफरूल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, जॉय और अन्य पर कथित तौर पर संगठित सिंडिकेट के माध्यम से एनआईडी जानकारी की बिक्री की सुविधा प्रदान करने का आरोप है। कहा गया है कि जॉय व अन्य ने डिजिकॉन को व्यावसायिक लेनदेन के लिए एनआईडी जानकारी का उपयोग करने की अनुमति दी। 39 वर्षीय एनामुल हक ने बुधवार तड़के ढाका के कफरूल पुलिस स्टेशन में साइबर सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया है। कफरुल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी काजी गोलाम मुस्तफा ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक,

शिकायकर्ता ने आरोप लगाया है कि सजीब वाजेद जॉय और जुनैद अहमद पलक ने सिंडिकेट के माध्यम से एनआईडी जानकारी की बिक्री की सुविधा के लिए अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया। आरोपितों ने राष्ट्रीय और व्यक्तिगत सुरक्षा से समझौता कर डिजिकॉन ग्लोबल सर्विसेज लिमिटेड को विभिन्न संगठनों के साथ व्यावसायिक लेनदेन के लिए एनआईडी जानकारी का उपयोग करने की अनुमति दी। यह संवेदनशील जानकारी लगभग 182 संगठनों को बेची गई। इस बिक्री से लगभग 20,000 करोड़ रुपये जुटाए गए। उल्लेखनीय है कि जुनैद अहमद पलक को कई मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है। वर्तमान में उन्हें कई अन्य मामलों के सिलसिले में पुलिस रिमांड पर लिया जा रहा है।

पाकिस्तान ने लेबनान में फंसे अपने 67 नागरिक सुरक्षित निकाले

एजेंसी

कराची। पाकिस्ताान ने लेबनान में रह रहे अपने 67 नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है। यह सभी विमान से स्वदेश लाए जा रहे हैं। विमान के अब से कुछ देरबाद कराची पहुंचने की संभावना है। पाकिस्तान के चैनल एआरवाई न्यूज के अनुसार, उड़ान में लेबनान से वापस लाए गए 67 नागरिक सवार हैं। यह लेबनान से सड़क मार्ग से सीरिया की राजधानी दमिश्क पहुंचे। वहां से इनको विमान से कराची लाया जा रहा है।

लेबनान और सीरिया के पाकिस्तान दूतावास ने नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित की। सभी के लिए परिवहन और भोजन की व्यवस्था की। इससे पहले, नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के महानिदेशक (डीजीसीएए) ने लेबनान में फंसे पाकिस्तान के नागरिकों को वापस लाने के लिए चाम विंग्स एयरलाइंस की विशेष उड़ान भेजने की अनुमति दी। डीजीसीएए के अनुसार, आगामी 48

घंटों के भीतर लेबनान से कुल 180 नागरिकों को वापस पाकिस्तान ले जाने के लिए एयरबस ए320 का उपयोग किया जाएगा। डीजीसीएए ने लेबनान में पाकिस्तान के राजदूत को इसकी सूचना दी है।

बांग्लादेश में नौ सदस्यीय संविधान सुधार आयोग की घोषणा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने नौ सदस्यीय संविधान सुधार आयोग की घोषणा की है। आयोग देश के संविधान की समीक्षा और मूल्यांकन कर अपनी रिपोर्ट अंतरिम सरकार को सौंपेगा। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, प्रमुख बांग्लादेशी-अमेरिकी प्रोफेसर अली रियाज के नेतृत्व में आयोग तीन माह के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप देगा। प्रो. अली रियाज को 18 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के वकील शाहदीन मलिक के स्थान पर संविधान सुधार आयोग का प्रमुख नामित किया गया था। अली रियाज संयुक्त राज्य अमेरिका में इलिनोइस स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर और अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ बांग्लादेश स्टडीज के अध्यक्ष हैं। बीएसएस के अनुसार, अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रो. डॉ. मोहम्मद यूनुस ने 11 सितंबर को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में न्यायपालिका, चुनाव आयोग, प्रशासन, पुलिस, भ्रष्टाचार विरोधी आयोग (एसीसी) में सुधार लाने के लिए छह अलग-अलग आयोगों के गठन की घोषणा की थी। आयोग के अन्य सदस्यों में ढाका विश्वविद्यालय (डीयू) कानून विभाग के प्रोफेसर सुमैया खैर, बैरिस्टर इमरान सिद्दीकी, डीयू कानून विभाग के प्रोफेसर मुहम्मद

एकरामुल हक, सुप्रीम कोर्ट के वकील एडवोकेट डॉ. शरीफ भुइयां, बैरिस्टर एम मोइन आलम फिरोजी, लेखक फिरोज अहमद शामिल हैं। मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक एमडी मुस्तैन बिल्लाह और छात्र प्रतिनिधि महफूज आलम को भी आयोग का सदस्य मनोनीत किया गया है। आयोग 90 दिन के भीतर अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगा।

बिलावल ने सरकार की मंशा पर किया सवाल-25 अक्टूबर से पहले संवैधानिक संशोधन पारित कराना अपरिहार्य नहीं

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सरकार 25 अक्टूबर से पहले संवैधानिक संशोधन पारित करना चाहती है। बिलावल ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि लेकिन इस तारीख से पहले ऐसा करना न तो आवश्यक है और न ही अपरिहार्य। जियो न्यूज चैनल ने द न्यूज की रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि पूर्व विदेशमंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक निजी टीवी चैनल से कहा कि संसदीय विधायी प्रक्रिया उनकी मौजूदा सरकार को न्यायपालिका में सुधार लाने के लिए संविधान में संशोधन करने का अधिकार देती है। इतिहास में पहली बार, एक मुख्य न्यायाधीश ने दूसरे न्यायाधीश के साथ अपने अधिकार साझा किए। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा के कार्यकाल में हुआ। उन्होंने कहा, वह जस्टिस काजी फैज ईसा और जस्टिस मंसूर अली शाह का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ

न्यायाधीशों ने कई बार अपने राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी संवैधानिक सीमाओं से परे जाने का प्रयास किया। बिलावल ने कहा कि इसलिए सरकार और उसके गठबंधन सहयोगी यह सुनिश्चित करेंगे कि संवैधानिक संशोधन प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो। उन्होंने कहा की कि राजनीति में कोई आदर्श स्थिति नहीं है, लेकिन उनकी पार्टी का पहले दिन से यही रुख रहा है कि संशोधन को सभी राजनीतिक दलों के बीच सर्वसम्मति से अपनाया जाना चाहिए।

पीपीपी अध्यक्ष ने कहा कि न्यायपालिका हर संस्था में अपनी भूमिका निभा सकती है, लेकिन संसद से कहा गया कि वह न्यायपालिका में हस्तक्षेप न करे। बिलावल ने कहा कि जब सरकार ने संवैधानिक संशोधन के लिए संसदीय समिति का गठन किया, तब पीटीआई संस्थापक इमरान खान ने जेल में एक विवादास्पद बयान दिया, लेकिन पीटीआई के लिए सरकार के दरवाजे अभी भी खुले हैं। उन्होंने पीटीआई से संवैधानिक संशोधन पर अपनी स्थिति, यदि कोई हो, साझा करने को कहा। हालांकि, बिलावल ने कहा कि पीटीआई का राजनीतिक उद्देश्य पाकिस्तान को विफल करना है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन को विवादास्पद बनाने के लिए हर हथकंडा अपना रहा है। पीटीआई संस्थापक ने एक पत्र के माध्यम से न्यायपालिका और प्रतिष्ठान को विवादास्पद बनाने की कोशिश की।

उत्तरपूर्वी सीरिया में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला

एजेंसी

दमिश्क। उत्तरपूर्वी सीरिया के डेयर एज़-ज़ोर प्रांत में कोनिको गैस क्षेत्र के पास एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर कई मिसाइलों से हमला किया गया। यह जानकारी एक सूत्र ने स्पुतनिक को दी। सूत्र ने कहा, कोनिको में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर चार मिसाइलें दागी गईं, जिसके कारण शक्तिशाली विस्फोट हुए।

सूत्र ने कहा कि गोलाबारी के बाद सैन्य अड्डे पर भीषण आग लग गई, जिसके बदले में अमेरिकी सेना ने तोपखाने से गोलीबारी की। अक्टूबर 2023 में गाजा पट्टी में संघर्ष बढ़ने के बाद से, इराक और सीरिया में अमेरिका और गठबंधन सेना पर मिसाइलों और ड्रोन से बार-बार हमले किए गए हैं, इराक में इस्लामी प्रतिरोध (आईआरआई) के सशस्त्र समूहों ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है। मिलिशिया का

कहना है कि अमेरिकी ठिकानों पर हमला गाजा में इजरायली सेना की कार्रवाई और वाशिंगटन द्वारा उसका समर्थन करने के जवाब में हैं।

पोखरा और भैरहवा विमानस्थल संचालन के लिए नया नियम, विदेशी एयरलाइंस कंपनियों पर दबाव बना रही नेपाल सरकार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की केपी शर्मा ओली सरकार ने चीन की सीमा से सटकर बनाए गए पोखरा और भैरहवा अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल को संचालित करने के लिए नए नियम बनाए हैं। उद्घाटन के दो साल बाद भी इन दोनों विमानस्थल पर एक भी विदेशी एयरलाइंस के उड़ान नहीं भर पाने के बाद अब नेपाल सरकार ने एयरलाइंस कंपनियों पर नया नियम थोपने जा रही है। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण की तरफ से एक नोटिस जारी करते हुए नेपाल में अवतरण करने वाले और नेपाल से उड़ान भरने वाले सभी विदेशी एयरलाइंस को एक बार पोखरा या भैरहवा में अवतरण करने को अनिवार्य बनाया गया है। प्राधिकरण के तरफ से नोटिस जारी करते हुए

सभी एयरलाइंस कंपनियों को काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर अवतरण करने से पहले पोखरा या भैरहवा के विमानस्थल पर अवतरण को अनिवार्य करने की जानकारी दी गई है। इस बारे में प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक प्रदीप अधिकारी ने कहा कि पोखरा और भैरहवा के अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल को प्रोत्साहित करने के लिए यह नियम लागू किया जा रहा है। अधिकारी का कहना है कि यदि इन दोनों विमानस्थलों के संचालन के लिए अनिवार्य नियम नहीं बनाया गया तो यह कभी संचालित नहीं हो सकेगा। उनका यह भी कहना है कि दोनों विमानस्थल के निर्माण के लिए भारी ब्याज पर सरकार ने ऋण लिया है।पोखरा विमानस्थल निर्माण के लिए नेपाल सरकार ने चीन से 22 अरब रुपये ऋण लिया है, जिसका मासिक ब्याज ही 33 करोड़ रुपये है। इस विमानस्थल का संचालन नहीं होने से आमदनी न्यून है, जबकि चीन जनवरी 2024 से हर महीने ब्याज की किस्त देने के लिए मजबूर है। भैरहवा विमानस्थल का भी कुछ इसी तरह की कहानी है। चीन की ठेकेदार कंपनी द्वारा बनाए गए इस विमानस्थल पर भी ब्याज देने का पैसा नहीं उठ पा रहा है।

पाकिस्तान की पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी करेगी जेल में बंद इमरान खान की हिफाजत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सक्रिय पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (पीकेएमएपी) के अध्यक्ष महमूद खान अचकजई ने कानूनी उलझनों में फंसे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की हिफाजत करने का ऐलान किया है। उल्लेखनीय है कि सेंट्रल जेल रावलपिंडी में कैद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक (पीटीआई) इमरान खान गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं।

डॉन अखबार के अनुसार, पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के अध्यक्ष अचकजई ने सोमवार को घोषणा की कि जुल्फिकार अली भुट्टो के साथ हुए दुखद दुर्व्यवहार को इमरान खान के साथ दोहराया नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने सरकार को यह चेतावनी लोकतंत्र के शहीदों के सम्मान में किला सैफुल्लाह में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में दी। अचकजई ने कहा कि अगर राजनीति में सेना का कथित हस्तक्षेप

जारी रहा, तो पाकिस्तान राजनीतिक अस्थिरता का सामना करता रहेगा और इसका भविष्य अनिश्चितता से भरा रहेगा।उन्होंने संशोधन के नाम पर संविधान को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का विरोध करने की शपथ ली। अचकजई ने सात अक्टूबर, 1983 की घटनाओं को याद किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने क्वेटा में जुलूस निकाला था। इस दौरान तत्कालीन तानाशाह जनरल जिया से संविधान और लोकतंत्र को बहाल करने का आह्वान किया गया था। इस दौरान मार्शल लॉ अधिकारियों की प्रतिक्रिया क्रूर रही। जुलूस पर की गई गोलीबारी में पार्टी के चार कार्यकर्ता मारे गए और कई घायल हो गए। सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों को हिरासत में लिया गया।

पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के नेता अचकजई ने कहा कि इमरान खान का जीवन में संकट में है। डर है जेल में बंद इमरान खान के साथ वही व्यवहार किया जा सकता है जो भुट्टो के साथ किया गया था। मुल्क की हुकूमत इमरान खान की रिहाई की मांग करने पर पीटीआई कार्यकर्ताओं पर जुल्म ढा रही है। उन्होंने मांग की है कि खान और अन्य राजनीतिक कैदियों को तुरंत रिहा किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं किया जाता तो देश को नागरिक अशांति का सामना करना पड़ सकता है। अचकजई ने पश्तून तहफुज आंदोलन पर प्रतिबंध लगाने के लिए भी सरकार की आलोचना की।

इजराइल ने सीरिया में हिजबुल्लाह कमांडर को बनाया निशाना, सात की मौत

एजेंसी

दमिश्क। इजराइल ने सीरिया में हिजबुल्लाह के एक कुख्यात कमांडर को निशाना बनाया। इजराइल के दो अधिकारियों के अनुसार, सीरिया की राजधानी दमिश्क में इजराइल के सुरक्षाबलों ने एक आवासीय इमारत पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। यह हमला ईरानी दूतावास के पास किया गया। सुरक्षाबलों ने हथियारों की तस्करी में शामिल हिजबुल्लाह के कमांडर को निशाना बनाया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में इसका उल्लेख करते हुए कहा गया है कि सीरिया की राज्य समाचार एजेंसी ने एक सैन्य स्रोत का हवाला देते हुए कहा कि रॉकेटों ने महिलाओं और बच्चों सहित सात नागरिकों की जान ले ली। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि है हमले में हिजबुल्लाह कमांडर मारा गया या नहीं। ईरानी दूतावास ने कहा कि हमले में कोई भी ईरानी नागरिक नहीं मारा गया। ना ही घायल हुआ।

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में और सैनिक भेजे

द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल ने कल दक्षिणी लेबनान में और अधिक सैनिक भेजे हैं। इससे संकेत मिलता है कि इजराइल के सुरक्षा बल जमीनी आक्रमण को और तेज कर सकते हैं।

गाजा हो गया खंडहर

अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल के सैन्य अभियान के बाद गाजा का अधिकांश क्षेत्र खंडहर हो गया है। यह पहचान करना मुश्किल है कि गाजा की यह कौन सी बस्ती है।

ईरान के परमाणु स्थलों पर हमले के आसार

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

'अमेरिका और भारत एक दूसरे के हाइड्रोजन मिशन को समर्थन दे रहे', यूएसआईएसपीएफ प्रमुख का बयान

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के भारत केंद्रित समूह के प्रमुख का कहना है कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के लिए भारत और अमेरिका ध्वजवाहक देशों के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की प्राथमिकता में हाइड्रोजन मिशन है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और व्यवसायिक सहयोग के लिए बने समूह यूएसआईएसपीएफ के सीईओ मुकेश अघी ने ये बात कही।

हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था के विकास के लिए मिलकर काम कर रहे भारत-अमेरिका

हाइड्रोजन दिवस के मौके पर उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के ध्वजवाहक देशों के रूप में उभर रहे हैं। इसके तहत दोनों देश रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी को बढ़ा रहे हैं। साथ ही अक्षय ऊर्जा सप्लाई चेन, वित्त, निवेश और अनुसंधान के जरिए सहयोग को बढ़ाया जा रहा है। भारत और अमेरिका का मानना है कि स्वच्छ ऊर्जा और दुनिया से कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था की भूमिका अहम है।

हाइड्रोजन दिवस पर भारत सरकार ने आयोजित किया कार्यक्रम

अघी ने कहा कि 'दोनों देशों ने हाइड्रोजन को अपनी प्राथमिकता बना लिया है। दोनों देश सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के सहयोग से हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे।' भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के संयुक्त सचिव अजय यादव ने कहा कि हाइड्रोजन दिवस समारोह नई दिल्ली में आयोजित हुआ, जिसमें अमेरिका एक भागीदार देश रहा।

उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक आयोजन में वैश्विक ग्रीन हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई गई। हम भारत को ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और प्रौद्योगिकी के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं। हम कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

क्या काम करता है यूएसआईएसपीएफ

जून 2021 में, अमेरिकी ऊर्जा विभाग और भारत के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम के साथ मिलकर यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक क्लीन एनर्जी पार्टनरशिप के तहत यूएस-इंडिया हाइड्रोजन टास्क फोर्स की शुरुआत की। ये टास्क फोर्स दोनों देशों के पचास से अधिक प्रमुख उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों और शिक्षाविदों को एक साथ लाता है और इसका उद्देश्य स्वच्छ हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाना है। पिछले महीने, एमएनआरई ने दिल्ली में दूसरा अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें यूएस डीओई एक प्रमुख भागीदार था - 8,500 से अधिक उपस्थित लोगों ने भाग लिया, और इसमें टास्क फोर्स ने चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाकर मणिरत्नम के आभारी हैं ए.आर. रहमान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा जगत के दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान ने कहा है कि वह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किये जाने के लिये फिल्म निर्देशक मणिरत्नम और पूरी टीम के आभारी हैं। ए.आर. रहमान

को मणिरत्नम निर्देशित फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन: भाग 1' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का पुरस्कार मिला।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय राजधानी के विज्ञान भवन में 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में एआर रहमान को प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया।

गडकरी ने किया 'वसुधैव कुटुंबकम: वैश्विक शांति के लिए आगे का मार्ग' का विमोचन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यहां 'वसुधैव कुटुंबकम: वैश्विक शांति के लिए आगे का मार्ग' नामक पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर पुस्तक के सह-लेखक डॉ. मारकंडेय राय, डॉ. प्रभास चंद्र सिन्हा और डॉ. सुरेंद्र कुमार पाठक के साथ सामाजिक नेता सुनील जोशी और गणेश वर्मा भी उपस्थित रहे।

यह पुस्तक भारतीय प्राचीन दर्शन वसुधैव कुटुंबकम ('संपूर्ण विश्व एक परिवार है') के सिद्धांत पर आधारित है और वैश्विक शांति को बढ़ावा देने के संदर्भ में इसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डालती है। इस पुस्तक में शोध और विचारों की गहराई के साथ-साथ समकालीन संदर्भों में इस सिद्धांत के व्यावहारिक अनुप्रयोगों का भी विश्लेषण किया गया है। यह पुस्तक एकता, समावेशिता और स्थिरता के सिद्धांतों पर आधारित समाधान प्रस्तुत करती है, जो आज की वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सहायक हो सकते हैं।

लेखकों ने 500 से अधिक

संदर्भों और 1,000 से अधिक वेब स्रोतों का गहन विश्लेषण करके वसुधैव कुटुंबकम का एक व्यापक अध्ययन प्रस्तुत किया है। इस पुस्तक में न केवल इस दर्शन के दार्शनिक मूल्यों को उजागर किया गया है, बल्कि इसका समकालीन शासन, नीति-निर्माण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में व्यावहारिक महत्व भी बताया गया है। ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोणों को समाहित करते हुए लेखक यह दर्शन जी-20, संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लागू करने के ठोस रणनीतिक सुझाव देते हैं, जिससे एक न्यायपूर्ण, समावेशी और शांतिपूर्ण विश्व की स्थापना हो सके। पुस्तक के प्रधान अन्वेषक डॉ. सुरेंद्र कुमार पाठक हैं, जिन्होंने इस प्रकाशन के शोध और सामग्री के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. पाठक ने बताया कि यह पुस्तक समकालीन वैश्विक संदर्भों में वसुधैव कुटुंबकम के दर्शन को कैसे लागू किया जा सकता है, इस पर एक विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करती है।पुस्तक को ज्ञानदा प्रकाशन (पी एंड डी), नयी दिल्ली द्वारा प्रकाशित किया गया है और इसका प्रकाशन में कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, नयी दिल्ली और भारतीय शांति एवं वैश्विक सुरक्षा संस्थान, नयी दिल्ली के सहयोग से हुआ है। यह पुस्तक न केवल विद्वानों और नीति-निर्माताओं के लिए उपयोगी साबित हो सकती है, बल्कि उन सभी के लिए भी है जो वैश्विक शांति, एकता और समावेशिता के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारना चाहते हैं।

ऋषभ शेट्टी ने कांतारा के लिये मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को कर्नाटक के लोगों को समर्पित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने कांतारा के लिये मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को कर्नाटक के लोगों को समर्पित किया है। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में ऋषभ शेट्टी को फिल्म कांतारा के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला है।राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर ऋषभ शेट्टी ने खुशी जताई है।ऋषभ शेट्टी ने कहा कि यह मेरी पूरी टीम की वजह से संभव हो पाया है। मैं सिर्फ़ फ़िल्म का चेहरा हूं, यह सब उनकी कड़ी मेहनत की वजह से है। प्रोडक्शन हाउस, डीओपी, तकनीशियन, यह सब उनकी वजह से है। मैं कर्नाटक के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं।मैं फ़िल्म कांतारा को मान्यता देने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पैनल को धन्यवाद देना चाहता हूं। लोगों ने इस फ़िल्म को हिट बनाया है, मैं बहुत खुश हूं। मैं इस जीत को कर्नाटक के लोगों को समर्पित करना चाहता हूं। ऋषभ शेट्टी ने कहा कि हर फिल्म का प्रभाव होता है। हमारा उद्देश्य ऐसी फिल्में बनाना है जो समाज में बदलाव या प्रभाव लाएं। मैं दर्शकों का आभार व्यक्त करता हूं। राष्ट्रीय पुरस्कार एक कलाकार के लिए बहुत ही प्रतिष्ठित पुरस्कार है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों का आभार, हरियाणा में हार का करेंगे आकलन : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू-कश्मीर में इंडिया समूह को मिली जीत के लिए वहां के लोगों का आभार जताया है लेकिन हरियाणा में पार्टी की हार को अप्रत्याशित बताते हुए कहा है कि हार के कारणों का आकलन किया जाएगा। श्री खरगे ने यहां जारी बयान में कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने कांग्रेस पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेन्स गठबंधन को सेवा का मौक़ा देने के लिए हृदय से धन्यवाद। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष एवं गठबंधन सरकार के मुखिया उमर अब्दुल्ला को शानदार जीत की बधाई।उन्होंने कहा,यह जनमत जम्मू-कश्मीर के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के जनविरोधी नीतियों, जनता के अधिकारों का हनन और उत्पीड़न तथा संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के ख़िलाफ़ दिया है। हमारे गठबंधन सरकार आपकी आकांक्षाओं पर पूरी तरह से खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेगी। आपकी ख़ुशहाली और संवैधानिक हक़ों की रक्षा के लिए इंडिया समूह पूरी तरह संकल्पित है। श्री खरगे ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम को अप्रत्याशित बताया और कहा, हरियाणा का परिणाम अप्रत्याशित है। पार्टी इस जनमत का आकलन कर रही है।

दिल्ली में भाजपा अब मुख्यमंत्री आवास पर करना चाहती हैं कब्जा - आप

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कहा कि पिछले 27 सालों से भाजपा दिल्ली में वनवास काट रही और अपना मुख्यमंत्री नहीं बना पाई तो अब मुख्यमंत्री आवास पर कब्जा करना चाहती है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को कहा कि कुछ दिनों से भाजपा झूठ और भ्रम फैलाने के काम में लगी हुई है। भाजपा ने दिल्ली में सत्ता हड़पने के कई हथकंडे अपनाए और आम आदमी पार्टी को तोड़ने का प्रयास किया। भाजपा दिल्ली में बार-बार चुनाव लड़ती है और हार जाती है। भाजपा दिल्ली में पिछले 27 साल से लगातार चुनाव हार रही है।

संजय सिंह ने कहा कि जब भाजपा दिल्ली में चुनाव नहीं जीत पाई, तो उसने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को खत्म करने का प्रयास किया। 'आप' के विधायकों और नेताओं को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन भाजपा उसमें भी विफल हो गई। जब भाजपा के लोग दिल्ली में किसी भी तरह से

जीत नहीं पा रहे हैं, तो अब वह मुख्यमंत्री आवास पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। अब भाजपा के अंदर मुख्यमंत्री के आवास पर कब्जा करने की नई लालसा पैदा हो गई है, क्योंकि 27 साल से लगातार हारने के बाद ये अपना खुद का मुख्यमंत्री बना नहीं पा रहे हैं। 27 साल का वनवास बहुत बड़ा होता है। आप नेता ने कहा ने अरविंद केजरीवाल से आवास खाली कर दिया है। मुख्यमंत्री के तौर पर अब आतिशी को उस आवास में जाना था, लेकिन कहने के बावजूद आतिशी को मुख्यमंत्री का आवास अलॉट नहीं किया जा रहा है, जबकि वह दिल्ली की मुख्यमंत्री हैं। संजय सिंह ने कहा कि आतिशी ने वहां मुख्यमंत्री का कार्यालय बनाकर बैठक शुरू की, लेकिन बैठक करने के बावजूद वहां के स्टाफ को खाली करवा दिया गया। कैंप कार्यालय भी वहां नहीं चलेगा। भाजपा दिल्ली में चुनाव नहीं जीत पाती है और अपना मुख्यमंत्री नहीं बना पाती है, तो अब मुख्यमंत्री के आवास पर कब्जा करना चाहती है। इन लोगों ने यह भी झूठ फैलाने की कोशिश की कि चाभी नहीं दी गई। भाजपाई उसका भी प्रचार कर रहे हैं। इनका नाम ही भारतीय झूठा पार्टी है। इनके पास झूठ बोलने के अलावा कोई काम नहीं है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने मोदी से की मुलाकात, हरियाणा में जीत के लिए दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की और हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली ऐतिहासिक जीत के लिए उन्हें बधाई दी। धामी ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जब सब भाजपा की बड़ी हार का अनुमान लगा रहे थे तो इन सब विपरीत स्थितियों में भी वहां भाजपा ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है और यह जीत मोदी के नेतृत्व में आमजन के विश्वास को प्रदर्शित करती है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति और बाबा केदारनाथ जी का प्रसाद भी भेंट किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के विकास में मोदी का उन्हें हमेशा मार्गदर्शन और सहयोग मिलता रहा है और इसके लिए वह उनका आभार व्यक्त करते हैं। मुख्यमंत्री ने मोदी से विशेषज्ञ समिति से संस्तुत 21 जल परियोजना के विकास एवं निर्माण की अनुमति प्रदान किए जाने का अनुरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने तीन रोपवे परियोजनाओं

सोनप्रयाग-गौरीकुंड केदारनाथ, गोविंद घाट-हेमकुंड साहिब और काठगोदाम-नैनीताल को राज्य सरकार द्वारा विकास और संचालन के लिए हस्तांतरित करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने केंद्र सरकार की क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत देहरादून-गौचर-देहरादून और देहरादून-चिन्यालीसौड़-देहरादून की हवाई सेवा पुनःसंचालित करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय को आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध करने के साथ ही कुमाऊं और गढ़वाल को जोड़ने के लिये दो मार्गों, खैरना-रानीखेत-बंगीधार-बैजरों मोटरमार्ग 256.9 किमी और काठगोदाम-भीमताल लोहाघाट-पंचेश्वर मोटर मार्ग 189 किमी को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री आतिशी ने दिल्ली सोलर पॉलिसी के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री आतिशी ने बिजली विभाग और दिल्ली के तीनों बिजली कंपनियों के उच्चाधिकारियों के साथ 'दिल्ली सोलर पॉलिसी 2023' के क्रियान्वयन पर समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री आतिशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिल्ली सोलर पॉलिसी के तहत रूफटॉप सोलर लगवाने वाले उपभोक्ताओं को उनकी जनरेशन बेस्ड इंसेंटिव और कैपिटल सब्सिडी महीनेभर में जारी की जाए।

साथ ही आतिशी ने निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को सब्सिडी देने के गाइडलाइंस भी एक हफ्ते में जारी की जाए। आतिशी ने कहा कि दिल्ली सोलर पॉलिसी के तहत दिल्ली को देश का सोलर कैपिटल बनाएंगे। पहला, दिल्ली को पूरे भारत में सौर ऊर्जा अपनाने के मामले में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करना है। जिससे दिल्ली के वायु प्रदूषण को कम किया जा सके। दूसरा, गैर-सब्सिडी वाले आवासीय उपभोक्ताओं के बिजली बिलों को जीरो और कमर्शियल व औद्योगिक उपभोक्ताओं का बिजली का बिल 50 फीसद तक कम करना है। इसके अलावा, मार्च 2027 तक दिल्ली की कुल स्थापित सौर क्षमता को मौजूदा क्षमता 1500 मेगावाट से तीन गुना बढ़ाकर 4,500 मेगावाट करना है। इससे 2027 तक दिल्ली की बिजली खपत का लगभग 20 फीसद सौर ऊर्जा से आएगा, जो भारत में सबसे अधिक होगा।

छात्रा ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। केशवपुरम थाना पुलिस को सुबह सूचना मिली कि त्रिनगर के चंदन नगर गली नंबर 234 में चौथी मंजिल पर एक आठवीं क्लास की 14 वर्षीय छात्रा ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली है। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है।

पुलिस ने क्राइम टीम को मौके पर बुलाया और पूरी घटना की वीडियोग्राफी भी कराई। पड़ोसियों की मानें तो बच्ची अपने भैया भाभी के साथ इस मकान पर किराए पर रहती थी और करीब 8 महीने पहले इस मकान में वह रहने आए थे। बच्ची के भैया भाभी जॉब करते हैं और वह घर में भैया भाभी की 3 साल की बेटी को संभालती थी। वहीं मृतक बच्चे की बड़ी बहन ने आरोप लगाया है कि मेरे भैया भाभी अक्सर उसके साथ मारपीट किया करते थे और उसे लगातार परेशान कर रहे थे। आज भी सुबह सुसाइड करने से पहले उसने अपने जीजा को फोन कर कहा कि मैं सुसाइड करने जा रही हूं और सुसाइड नोट गद्दे के नीचे रख दिया है। हालांकि पुलिस को अभी तक मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

शिखर सम्मेलनों में हिस्सा लेने मोदी आज होंगे लाओस रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिन की यात्रा पर कल लाओस जाएंगे। विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'प्रधानमंत्री श्री मोदी 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के लिए लाओ पीडीआर के प्रधानमंत्री, सोनेक्से सिफांडोन के निमंत्रण पर लाओ पीडीआर में वियनतियाने की यात्रा करेंगे। यह यात्रा 10 और 11 अक्टूबर को होगी। श्री मोदी कल सुबह 7.30 बजे रवाना होकर दोपहर में वियनतियाने पहुंचेंगे जहां उनका

शाम 4 बजे प्रधानमंत्री भारत आसियान शिखर-सम्मेलन में भाग लेंगे और रात में लाओस के प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित रात्रि भोज में शामिल होंगे।

पारंपरिक रूप से स्वागत किया जायगा। प्रधानमंत्री सबसे पहले लाओस की रामायण (फलक-फलम या फ्रा लाक फ्रा राम) का शो देखेंगे। रामायण (यह दक्षिण पूर्व एशिया में जो रामकियेन के नाम से लोकप्रिय है) का लाओ रूपांतर है जिसे लुआंग प्रबांग के रॉयल बैले थियेटर की मंडली प्रस्तुत करेगी। शाम 4 बजे प्रधानमंत्री भारत आसियान शिखर-सम्मेलन में भाग लेंगे और रात में लाओस के प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित रात्रि भोज में शामिल होंगे। श्री मजूमदार ने कहा, हम आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की दसवीं उपस्थिति को बहुत महत्व देते व्यक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि वर्ष के अंत से पहले, हम 2 और आसियान देशों के साथ सीधी उड़ान शुरू कर के हवाई कनेक्टिविटी स्थापित कर लेंगे। श्री मजूमदार ने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में 10 आसियान देश और 8 भागीदार, ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, कोरिया गणराज्य, न्यूजीलैंड, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल होंगे।

NAME CHANGE
BALRAM KRISHAN SOOD, SAVITA SOOD, JEEVARAM SOOD, YOGEETA SOOD Owner of this property A-2690 IIND FLOOR, GREEN FIELD, FARIDABAD, HARYANA. YOGEETA SOOD expired on 25th July 2022. The property will passed to her legal heirs VISHNU SOOD, DEV SOOD. If any person objection contact with in 10 days. Mob.No (8287266890)

NAME CHANGE
I LALIT SONI S/O KHEM CHAND R/O HOUSE NO-RZ-10 MANAS KUNJ VIKAS VIHAR UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 HAVE CHANGED NAME OF MY MINOR DAUGHTER FROM ALICE TO ALICE SONI FOR ALL IN FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I hitherto known as Om Vati W/O Dharam Singh, R/O H. NO.- 319, BAZAR PANNA, Karala, North West Delhi, Delhi, 110081,have changed my name and shall hereafter be known as FULWATI DEVI.

NAME CHANGE
I, Lalit Kumar S/o- Lekhraj Gill R/o D-12 T/F Flat no.9 back portion, Khanpur extn Dr.ambedkar Nagar, South Delhi -110062 have changed my name from Lalit Kumar to Lalit Gill for all future purposes.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD USMAN S/O BASHIR LAL R/O C-454 GALI NO-44 MAHAVIR ENCLAVE PART-3 UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 declares that I have changed my name from USMAN to MOHAMMAD USMAN for all in further purpose.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD ZIYAULLAH S/O ABDUL AHAD R/O H.N0-1502 JAMIAT BUILDING QASIM JAN STREET, BALLIMARAN DELHI-110006 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHAMMAD ZIAULLAH FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, NO-15825808K Rank-L/NK Name-NAVEEN KUMAR R/o VILL-BURUGUPALLY, PO-KALLUR, TEH-NARSAPUR, DIST-NIRMAL, TELANGANA-504109 have changed my name from for all future purposes NAVEEN KUMAR to THAMMARASHI NAVEEN KUMAR vide affidavit dated 09/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PAWAN KUMAR GUPTA Alias PAWAN GUPTA S/O MUNNA LAL GUPTA R/O C-19, RANA PRATAP BAGH, MALKA GANJ, NORTH DELHI, DELHI-110007 have changed my name and shall hereafter be known as PAWAN KUMAR GUPTA.

PUBLIC NOTICE
This is to inform that (1) Smt. Meera Verma (2) Sh. Ankur Verma has agreed to create mortgage the described property in favour of my client Aadhar Housing Finance Limited, Uttam Nagar Branch, Delhi, after execution of sale deed in Their favour. Seller(s) Namely Sh. Mohd. Sirajul Ansari has agreed to sell their property "Free hold rights, Eastern Side, Plot bearing OLD no. 95-A, and NEW no. -544- A, area measuring 25 sq. Yds; Khasra no.116/2, Gali no. 45/3, Situated in the area of village Mirzapur, abadi known as Mahavir Enclave in Block-B-2, New Delhi-110045". Hence any other co-sharer(s) namely Sh. Mahinder Singh, Sh. Randhir Singh, Sh.Mohd. Sahabuddin Ansar, Sh. Rajinder Kumar or any previous owners of the property, having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, falling which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and / or abandoned any my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the property.

Dated : 09-10-2024
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE
I, Samreen Islam D/o Mohd Islam R/o 1417, Gali Madarsa Inayatullah, Gali Qasim Jan, Ballimaran, Delhi-110006 have changed my name to Samreen

NAME CHANGE
I, hitherto known as GAZAL SINGHAL D/O ANIL KUMAR SINGHAL R/O A-112, GUJRANWALA TOWN PART-1, NORTH WEST DELHI, DELHI-110009 have changed my name and shall hereafter be known as GAZALLE SINGHAL.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHEELA KANT JHA alias SHEELAKANT JHA S/O ARUN JHA R/O H.No. O-244, G/F, Gali No.-8, Saurabh Vihar, Hari Nagar Extn., Badarpur, South Delhi, Delhi-110044 have changed my name and shall hereafter be known as SHEELA KANT JHA.

NAME CHANGE
I, PALLVI W/O SAURABH SAINI residing at A-102, FIRST FLOOR DEFENCE COLONY -110024 have changed my minor daughter's name from PARTHAVI to PARTHAVI SAINI for all future purpose

NAME CHANGE
I, Nidhi Deepaware W/o- Adarsh Kumar Sahu R/O P1/01,5th and 6th floor, Tower 01Purvanchal Silver City Sector 93, Noida, Uttar Pradesh - 201304 have change my name from Nidhi Deepaware to Nidhi Deepaware Sahu for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shashi W/o-Yashpal Gumber R/o Flat no.104,ugf, plot no.26 and 27,Gahlan Residency -II, Block -A, Kakrola Chandra Park, Dwarka Sector 15, po: Kakrola south west Delhi -110078 have change my name from Shashi to Shashi Gumber for all future purposes.

नाम परिवर्तन
मैं, स्वाति कुमार पत्नी अश्वनी कुमार निवासी मकान नं. E-77, WZ-4B गुरुनानक पुरा जेल रोड, नई दिल्ली- 1100587 घोषणा करती हूं की भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए मैंने अपना नाम स्वाति नगर मोतला से बदलकर स्वाति कुमार कर लिया है।

NAME CHANGE
I,SHAMA W/O NAVED KHAN R/O 215 CHHABRA GALI NO 5 AMBEDKAR BASTI MAUJPUR DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME SAMA KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I MD IMAMUDDIN ANSARI S/O MOHMAD ALAUDDIN R/O Near Baikatpur masjid, village Baikatpur,Post-Jalalpur,P.S-Mushahri,Muzaffarpur Bihar-843119 Have changed my name to MD IMAMUDDIN for All future purposes.

NAME CHANGE
I, NIRAJ DEVI wife of NO-16120537X Rank-SPR Name-NETRAPAL R/o KHEDA BHAGAUR, MANKENDA, AGRA, UTTAR PRADESH-283102 have changed my name from NIRAJ DEVI to NEERAJ DEVI for all future purposes vide affidavit dated 09/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-333748A, Rank-SUB, Name-SABLE SANJIV TEJRAO S/o TEJRAO NAMDEO SABLE residing at VILL-PREMNAGAR KRISHNAPURI, TEH-PACHORA, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-424201 have changed my mother's name from SUREKHA to SURYAKALABAI TEJRAO SABLE for all future purposes vide Affidavit Dated 09/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAM TIRATH PAL S/o LAKSHMAN PRASAD PAL R/o 342/7, CVD LINE, NEAR SADAR BAZAR, DELHI CANTT-110010, have changed my name from RAM TIRATH PAL to RAM TIRTH PAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NO-16021352N Rank-NK Name-RAJENDRA PRASAD residing at VILL-PRITAMPURI, PO-PRITAMPURI, TEH-NEEM KA THANA, DIST-SIKAR, RAJASTHAN-332708 have changed my father's name from ROHITASHAWA KUMAR to ROHITASH RAM for all future purposes vide affidavit dated 09/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-15423853K, Rank-NK, Name-ILAYARAJA AM S/o T MURUGESAN Residing at VILL-THOPPADI KUPPAM, TEH-POCHAM PALLI, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635206 have changed my mother's name from C AMUDHU to AMUDHA for all future purposes vide Affidavit dated 09/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NILAM DEVI Wife of No. 14645450X Rank-NK Name-SAROJ KUMAR GUPTA Presently residing at VILL-SHIKAR PUR, PO-SHIKAR PUR (SONPUR), PS-SONPUR, DIST-CHHAPRA (SARAN), BIHAR-841101 have changed my name from NILAM DEVI to NEELAM DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 09/10/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE
My Clients (1) PAWAN KUMAR S/O LAXMAN SINGH (2) VEENA DEVI W/O PAWAN KUMAR, R/o Q-76, Vikas Vihar, Manas Kunj Road, Uttam Nagar, D.K.Mohan Gardan, West Delhi, Delhi 110059, hereby debar and disowned his son namely SAHIL S/O SHRI PAWAN KUMAR, R/o Q-76, Vikas Vihar, Manas Kunj Road, Uttam Nagar, D.K.Mohan Gardan, West Delhi, Delhi-110059 from all their moveable, immoveable properties and from all connections and relations as they are not obeying and respecting my clients and my clients will not be responsible for any acts committed by them and if any one deals with them shall be doing at her/his/their own costs and risks

NEERAJ KANT ADVOCATE
CHAMBER NO.550, LAWYER'S CHAMBER BLOCK, DWARKA COURT, NEW DELHI-110075 MOB NO.8750443901, 8920384788

NAME CHANGE
It is for general information that I, REKHA SHAH W/o NANKU R/o B-46/J - 76A - T-Huts, Near Rly. Crossing, Lawrence Road, Indl. Area, Delhi - 110034 declare that name of mine and my Husband have been wrongly written as DUNNI and NANHAKU in my Aadhar Card No. 9445 4317 9742. The actual name of mine and my Husband are REKHA SHAH and NANKU, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Devender Kumar S/O Yashpal Singh, R/O 13 ,Gali no-11/2,, ?- Block, Koshik Enclave,, Burari, North Delhi, Delhi - 110084, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Devender kumar Diwan and Renu Diwan in my minor son Kartik Diwan aged 15 years in his school record, The actual name of mine and my wife are DEVENDER KUMAR and RENU which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I SUNIL KUMAR GOYAL S/O PREM CHAND GOYAL R/O AB-33, First Floor, Mianwali Nagar, Paschim Vihar, New Delhi -110087 Have changed my name to SUNIL KUMAR GOEL for All future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Deena Nath S/O Bulaki, R/O HOUSE N0-367, GOURI SHANKER ENCLAVE -2, PREM NAGAR -3, KIRARI SULEMAN NAGAR, North West Delhi, Delhi, 110086, have changed my name and shall hereafter be known as GENA LAL BAITHA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, DILEEP KUMAR S/O NARAYAN SINGH R/O E-57/B-186, SUNDER NAGRI, NAND NAGARI, PO NAND NAGRI, DIST NORTH EAST DELHI-110093 declare that name of mine has been wrongly written as DILIP in my driving License No. DL-0520080341513. The actual name of mine is DILEEP KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, LALITA DAHIYA W/o PRADEEP KUMAR R/o B-33, Sarai Pipal Thala Extn. Adarsh Nagar, Shanjar Pur, North West Delhi-110033 declare that name of mine has been wrongly written as LALITA DEVI in my minor son namely PRATEEK BARAK aged 14 year in his School Record. The actual name of mine is LALITA DAHIYA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MANJU BHAMBRA W/O MUKESH KUMAR R/N-25, SHAM NAGAR, KHYALA ROAD, VISHNU GARDEN, TILAK NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110018, declare that name of my husband has been wrongly written as MUKESH BHAMBRA in my minor son VARUN BHAMBRA aged 15 years in his School Records and Birth Certificate-MCDOLR09253734. The actual name of my husband is MUKESH KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I,Yashpal S/o-Sant Lal R/O Flat no.104,ugf, plot no.26 and 27,Gahlan Residency -II, Block -A, Kakrola Chandra Park, Dwarka Sector 15,po: Kakrola south west Delhi -110078 have change my name from Yashpal to Yashpal Gumber for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक मोहम्मद अय्यूब और श्रीमती मुस्तकीमा खातून, सकूर बस्ती, ग्राम रसूलपुर सिकरोदा, परगना डासना, तहसील और जिला गाजियाबाद, यूपी में स्थित खसरा नंबर 435 में से 150 वर्ग गज यानी 125.41 वर्ग मीटर भूमि के फ्रीहोल्ड आवासीय भूखंड के मालिक हैं। शुरुआत में मोहम्मद अय्यूब और मोहम्मद दीन पूर्ण मालिक थे, सेल डीड दिनांक 06.05.1998 को एसआर- II गाजियाबाद के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत, दस्तावेज़ संख्या 1092, खंड संख्या 467, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ संख्या 147-150, दिनांक 06.05.1998 . इसके बाद मो. दीन की मृत्यु हो गई और मृत्यु के बाद मोहम्मद दीन ने अपनी पत्नी श्रीमती मुस्तकीमा को श्री रहीमुद्दीन के पक्ष में विक्रय पत्र निष्पादित किया, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस द्वारा वित्तपोषित है। लिमिटेड शाखा बुराड़ी दिल्ली। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री दिनेश कुमार, संपत्ति नंबर 3/148 पर निर्मित तीसरी मंजिल, छत के अधिकारों के साथ, जिसका क्षेत्रफल 61.5 वर्ग गज (यानी 51.42 वर्ग मीटर), खसरा नंबर 642, गली गंगा राम तेलीवाड़ा, इलाका शाहदरा की आबादी में ग्राम चंद्रावली, शाहदरा दिल्ली-110032, में स्थित है को श्रीमती अंजलि जिंदल से खरीदने का इरादा है। पूरी संपत्ति मूल रूप से श्री महेंद्र पाल शर्मा, श्री राजेंद्र प्रसाद, श्री सुरेंद्र शर्मा, और अन्य मूल रूप से दिनांक 26.10.1983 के विभाजन विलेख के माध्यम से मालिक थे। महेंद्र पाल शर्मा, राजेंद्र प्रसाद और सुरेंद्र शर्मा ने ललिता शर्मा के पक्ष में दिनांक 17.03.2020 को गिफ्ट डीड निष्पादित की। इसके बाद, श्रीमती ललिता शर्मा ने 25.08.2021 को बिक्री डीड के माध्यम से श्रीमती अंजलि जिंदल को संपत्ति बेच दी। 26.10.1983 के विभाजन विलेख से पहले, श्री राजेंद्र प्रसाद ने अपने भाई, श्री सुरेंद्र कुमार शर्मा को 27.04.1993 को जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी के माध्यम से नियुक्त किया। हालाँकि, श्री राजेंद्र कुमार शर्मा ने दिनांक 17.03.2020 को उपहार डीड अपने स्वयं के अधिकार में तैयार की। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यदि श्री राजेंद्र कुमार शर्मा ने 27.04.1993 को पावर ऑफ अटॉर्नी निष्पादित की, तो इसे शून्य और शून्य माना जाएगा। इस संपत्ति का वित्तपोषण हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जो उनकी लक्ष्मी नगर शाखा, नई दिल्ली में स्थित है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

COURT NOTICE
IN THE HON' BLE HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD, SITTING AT LUCKNOW WRIT C NO. 116 OF 2024

1. M/s. V. Inspirer Facility Management Pvt. Ltd., tower A, Ansal corporate plaza, 309 to 314, 2nd floor, Palam Vihar, Gurugram, 122017, through its senior account executive, Sh. Yogender Pratap Singh
2. Yogender Pratap Singh, son of Shatrughan Singh, resident of 324 vidya Bhawan, Machhariya road, Naubasta, Amlipur, Kanpur Nagar, Uttar Pradesh 208021

Versus

Petitioners

1. Ayodhya Municipal Corporation, through its Municipal Commissioner, Ayodhya Nagar Nigam, Ayodhya Uttar Pradesh 224001.
2. Executive Engineer, Ayodhya Municipal Corporation, Ayodhya Uttar Pradesh.
3. Assistant Engineer, Ayodhya Municipal Corporation, Ayodhya Uttar Pradesh.
4. Monty (Contractor) having registered office at C-3/31, Block C3, Nand Nagri, Delhi 110093.
5. M.S Contractor, having its registered office 11/16, 3RD floor, East Patel Nagar, New Delhi 110018
6. Shobhit Sharma, (Contractor), having its registered office at C-506 Gali No. 25. C-Block Bhajhanpura Delhi.

Respondents

WRIT UNDER ARTICLE 226 OF THE CONSTITUTION OF INDIA before this High Court for quashing the impugned Tender/Request for Proposal dated 30.10.2023 and the Order dated 27.12.2023 by which Letter of Acceptance" bearing no. 1751/ NNAYO/2023-24 dated 27.12.2023 in Favour of M.S Contractor, having its registered office11/16, 3RD floor, East Patel Nagar, New Delhi 110018 the said writ Petition has been fixed for hearing on 17th October 2024. and this Hon ble Court having on 25th Day of September, 2024 Issued Notice to Respondent no. 4 & 6 by way of Publication in daily News Paper in Delhi having wide circulation in Delhi, it is ordered by this Court that the date fixed of the said Writ Petition on 17th Day of October, 2024 in this court and appearance is made on your behalf advocate or yourself, if no appearance they will be heard and determined in your absence Ex.Party.

अटेली में हुए दलचस्प कड़े मुकाबले में भाजपा ने दी बसपा को मात

एजेंसी

नारनौल। अटेली सीट पर आखिरकार भाजपा की जीत हो गई है। आरती राव ने बसपा के प्रत्याशी अतरवाल को 2500 वोटों से हरा दिया। अटेली सीट पर कई राउंड तक बीएसपी के अतरलाल यादव आगे चल रहे थे, लेकिन आखिरी 18वें राउंड तक बीजेपी की आरती सिंह राव ने सफलता हासिल कर ही ली। केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी शूटर आरती राव पहले चार राउंड में आगे रहने के बाद 14वें राउंड तक पीछे रहीं। उनसे बसपा के ठाकुर अतरलाल आगे चल रहे थे। अटेली में बीएसपी के प्रत्याशी अतरलाल 10वें राउंड तक तीन हजार वोटों से आगे चल रहे थे, लेकिन 14वें राउंड में आरती राव फिर से आगे हो गई। इसके बाद आरती राव आगे ही रही और आखिर में जीत दर्ज की। आरती राव ने बसपा के प्रत्याशी अतरवाल को करीब 2500 वोटों से हरा दिया। इस सीट पर भाजपा की आरती राव ने 56 हजार 774 वोटों के साथ जीत दर्ज की। उन्होंने बहुजन समाज पार्टी उम्मीदवार अतरलाल को 2500 वोटों के अंतर से हराया है। अतरलाल को 54 हजार 274 वोट मिले। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार अनीता यादव को 29 हजार 474 वोट मिले, जो तीसरे स्थान पर रहीं हैं। नोटा को 408 वोट मिले। इसके अलावा जननायक जनता पार्टी उम्मीदवार आयुषी अभिमन्यु राव को 1728 वोट, आम आदमी पार्टी के सुनील राव को 209 वोट, सोशलिस्ट युनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कॉम्युनिस्ट) के कामरेड ओम प्रकाश को 183 वोट, निर्दलीय जोगेंदर फौजी को 154 वोट व निर्दलीय साधना को 71 वोट मिले हैं।

सिरसा की 5 विधानसभा सीटों में से दो पर इनेलो व तीन पर कांग्रेस जीती

सिरसा। सिरसा जिले की 5 विधानसभा सीटों पर तस्वीर साफ हो गई है । जिले में कांग्रेस ने तीन व इनेलो ने दो सीटों पर जीत दर्ज की है। मतगणना का कार्य स्थानीय सीडीएलयू में बनाए गए विभिन्न मतगणना केंद्रों पर किया गया। कड़ी सुरक्षा के बीच जिला की पांचों विधानसभा क्षेत्रों के लिए वोटों की गिनती प्रातः 8 बजे शुरु हुई। सिरसा विधानसभा क्षेत्र से 13 उम्मीदवारों ने अपना भाग्य आजमाया। इंडियन नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार गोकुल सेतिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी हरियाणा लोकहित पार्टी के उम्मीदवार गोपाल कांडा को 7234 मतों से हराया। गोकुल सेतिया को कुल 79020 व गोपाल कांडा को कुल 71786 मत प्राप्त हुए। इसी प्रकार रानियां विधानसभा क्षेत्र में 14 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला था जिसमें इंडियन नेशनल लोकदल के उम्मीदवार अर्जुन सिंह चौटाला ने 4191 वोटों से जीत दर्ज की। अर्जुन चौटाला ने 43914 वोट जबकि इंडियन नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार सर्वमित्र ने 39 हजार 723 वोट हासिल किए।

जींद में लगातार तीसरी बार लहराया भाजपा का परचम, डा. कृष्ण मिड्ढा जीते

जींद। जींद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा लगातार तीसरी बार कमल खिलाने में कामयाब रही है। जींद से भाजपा प्रत्याशी डा. कृष्ण मिड्ढा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के उम्मीदवार महावीर गुप्ता को 15860 मतों से हराया। भाजपा प्रत्याशी डा. कृष्ण मिड्ढा को कुल 68,290 मत मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी महावीर गुप्ता को कुल 53060 मत मिले। अपनी जीत को डा. कृष्ण मिड्ढा ने जींद की जनता के प्यार की जीत बताया। मतगणना को लेकर सुबह से ही प्रत्याशियों के समर्थकों का जमावड़ा अर्जुन स्टेडियम के आसपास लगा रहा। जैसे ही जीत के परिणाम सामने आए तो भाजपा के समर्थक खुशी से झूम उठे और एक दूसरे को गुलाल लगा कर खुशी जताई। जींद जिले में विधानसभा चुनाव की खास बात यह थी कि भाजपा ने जहां उपचुनाव विजेता व आम विस चुनाव विजेता डा. कृष्ण मिड्ढा पर तीसरी बार विश्वास जताते हुए उन्हें चुनावी रण में उतारा था। भाजपा तथा कांग्रेस प्रत्याशियों के बीच रोचक मुकाबला रहा। राउंड दर राउंड भाजपा प्रत्याशी बढ़त बनाते हुए चले गए और कुल 14 राउंड की गिनती के बाद डा. कृष्ण मिड्ढा 15860 मतों से विजयी हुए। इससे पहले उनके पिता स्व. डा. हरिचंद मिड्ढा भी इनेलो से लगातार दो बार विधायक बने। तब से लेकर अब तक जींद विस पर मिड्ढा परिवार का कब्जा रहा है। जैसे ही अंतिम परिणाम की घोषणा हुई तो मिड्ढा समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और लड्डू बांटने के साथ साथ गुलाल व पटाखे छोड़ कर खुशी व्यक्त की।

हरियाणा में नतीजे निराशाजनकः सैलजा

नयी दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद सैलजा ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे निराशाजनक रहे हैं और इसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के रुझानों को देखते हुए राज्य में भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार सरकार का गठन करने जा रही है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सुश्री सैलजा ने संवाददाताओं से यहां कहा कि चुनाव नतीजे बहुत निराशाजनक हैं। इसके लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी।

उन्होंने कहा, परिणाम बहुत निराशाजनक हैं। सुबह तक हमें उम्मीद थी। हमारे सभी कार्यकर्ता बहुत निराश हैं। वे कांग्रेस पार्टी के लिए पिछले दस वर्ष से कड़ा परिश्रम कर रहे थे और जब परिणाम सामने आया तो वे बहुत निराश हैं। हमें नयी शुरुआत करनी होगी और कमियों के बारे सोचना होगा। हमें यह देखना होगा कि ऐसे परिणामों के लिए कौन जिम्मेदार है।

सुश्री सैलजा हरियाणा के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद की दावेदार थी और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ उनके मनमुटाव के समाचार भी सामने आये थे।

हरियाणा विधानसभा चुनाव

बीजेपी सरकार में विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष समेत कई पूर्व मंत्री भी हारे

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनावों में बीजेपी और कांग्रेस के कई दिग्गज नेता अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने में असफल रहे हैं, जिससे उनके राजनीतिक भविष्य पर गहरा संकट छा गया है। इस चुनावी नतीजे ने दिखा दिया है कि न केवल वर्तमान नेतृत्व, बल्कि पूर्व मंत्रियों की भी जड़ें हिल गई हैं। इस चुनाव में, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता को पंचकुला से 1997 वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। वे कुछ राउंड में आगे चल रहे थे, लेकिन अंतिम दौर में उनका फोकस कमजोर हो गया और चुनाव हार गए। वहीं, खट्टर सरकार के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु भी नारनौंद से 12578 वोटों से पराजित हुए, जो उनके लिए एक बड़ा झटका है। वहीं कांग्रेस के कुलदीप शर्मा, जो विधानसभा अध्यक्ष रहे थे, वह भी

गन्नौर से चुनाव हार गए है । साथ ही भूपेंद्र सिंह हुड्डा के रिश्तेदार करण दलाल भी चुनाव हार गए है । गोपाल कांडा, जो सिरसा से चुनावी मैदान में थे, उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा, जबकि उनकी जीत को पहले से सुनिश्चित माना जा रहा था, क्योंकि बीजेपी ने वहां अपना प्रत्याशी वापस ले लिया था और कांडा को समर्थन दिया था। उन्हें कांग्रेस के गोकुल सेतिया ने 7234 वोटों से हराया।

बीजेपी के पूर्व मंत्री असीम गायेल अंबाला सिटी से 1131 मतों से हार गए, जबकि पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल और मंत्री डॉ. कमल गुप्ता भी अपने-अपने क्षेत्रों में हार गई। इसके अतिरिक्त, पूर्व मंत्री ओम प्रकाश धनखड़, सुभाष सुंदा, कंवरलाल गुर्जर, कमलेश धांडा, और अभय सिंह यादव जैसे दिग्गज भी चुनावी मैदान में हारे।कांग्रेस की स्थिति भी बहुत बेहतर नहीं रही; प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान को होडल से 2600 मतों से हार का सामना करना पड़ा। लालूप्रसाद यादव के दामाद चिरंजीव राव भी रेवाड़ी से चुनाव हार गए। इन चुनावी नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि हरियाणा में राजनीतिक समीकरण बदल रहे हैं, और कई दिग्गज नेताओं के लिए यह समय विचार करने का है कि वे आगे किस दिशा में बढ़ेंगे।

पलवल से गौरव गौतम, होडल से हरिंद्र सिंह और हथीन से मोहम्मद इसराईल विजयी

एजेंसी

पलवल। जिला की तीनों विधानसभा क्षेत्र नामतः पलवल, होडल व हथीन के विधानसभा आम चुनाव के मतों की गणना निर्विघ्न व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। पलवल व हथीन विधानसभा क्षेत्र के मतदान की गणना के लिए डा. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय पलवल तथा होडल विधानसभा क्षेत्र के मतदान की गणना के लिए राजकीय महाविद्यालय होडल में काउंटिंग सेंटर बनाए गए।

डा. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय पलवल में विधानसभा पलवल के सामान्य ऑब्जर्वर शिवराज सिंह वर्मा तथा हथीन विधानसभा क्षेत्र के सामान्य ऑब्जर्वर एम.एल. चौहान और होडल के राजकीय महाविद्यालय में विधानसभा क्षेत्र होडल की सामान्य ऑब्जर्वर इंद्रा नवीन सिंह की देखरेख में मतगणना का कार्य शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न हुआ। जिला प्रशासन की ओर से मतगणना प्रक्रिया की प्रभावी रूप से मॉनिटरिंग की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी डा. हरीश कुमार वशिष्ठ व एसपी स्वयं मतगणना से संबंधित हर गतिविधि पर पैनी नजरें रखे हुए थे तथा पल-पल की अपडेट ले रहे थे। जिला प्रशासन की ओर से मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता व व्यापक प्रबंध किए गए थे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण मतगणना संपन्न होने पर सभी का आभार जताया। जिला निर्वाचन अधिकारी डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि पलवल विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार गौरव गौतम ने 109118 मत पाकर जीत हासिल की। वहीं कांग्रेस पार्टी उम्मीदवार करण सिंह दलाल को 75513 तथा आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार हरित कुमार को 2578 मत मिले। इसी प्रकार होडल विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार हरिंद्र सिंह ने 68865 वोट प्राप्त कर जीत हासिल की। वहीं कांग्रेस पार्टी उम्मीदवार उदयभान को 66270 और निर्दलीय उम्मीदवार नवीन रोहिला को 2077 मत मिले।

चौटाला परिवार का चुनावी संकट - हार का पहाड़

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के विधानसभा चुनावों ने चौटाला परिवार के लिए एक नई राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है। इनेलो प्रमुख अभय चौटाला को ऐलनाबाद से 15,000 वोटों की भारी हार का सामना करना पड़ा। अब इस हार का एक दिलचस्प पहलू ये है कि उनके अपने बेटे अर्जुन चौटाला भी रानिया से चुनाव जीत गए।

रानिया सीट से तो मामला और भी दिलचस्प हो गया, क्योंकि अर्जुन के सामने उनके ही दादा, रणजीत सिंह चौटाला, निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में थे। इस बार रणजीत सिंह चौटाला का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वे तीसरे स्थान पर रहे। पिछला लोकसभा चुनाव बीजेपी के साथ लड़ा, लेकिन टिकट न मिलने पर उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया। लेकिन चौटाला परिवार के लिए सबसे बड़ा झटका उचानाकलां से अभय चौटाला

के भतीजे, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला को लगा है। दुष्यंत न केवल हार गए, बल्कि पांचवें नंबर पर रहे। इस तरह से चौटाला परिवार का चुनावी गणित उलट-पुलट हो गया है। इस चुनावी हार ने साफ कर दिया है कि हरियाणा की राजनीति में कुछ नया हो रहा है, और चौटाला परिवार को अब अपनी जड़ों को फिर से मजबूत करने की जरूरत है।

रेवाड़ी की तीनों सीटों पर भाजपा का कब्जा

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा विधानसभा चुनाव-2024 के तहत जिला रेवाड़ी की तीन सीटों पर हुए चुनाव की मतगणना सुबह 8 बजे से आरंभ हुई। जिसमें जिले की तीनों सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। सुबह 8 बजे सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती हुई, इसके बाद इवीएम के वोटों की गिनती की गई।

रेवाड़ी विधानसभा सीट से भाजपा के लक्ष्मण सिंह यादव, बावल से भाजपा के डा. कृष्ण कुमार व कोसली से भाजपा के अनिल यादव ने जीत दर्ज की है। रेवाड़ी विधानसभा सीट से भाजपा के लक्ष्मण सिंह यादव जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस के चिरंजीव राव को 28 हजार 769 वोट से हराया है। उनको 83 हजार 747 वोट मिले। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के चिरंजीव राव को 54 हजार 978 वोट मिले। तीसरे नंबर पर आम आदमी पार्टी के सतीश यादव को 18 हजार 427 वोट मिले। बावल से भाजपा के डा. कृष्ण कुमार ने जीत दर्ज की। उन्होंने

कांग्रेस के डा. एम.एल. रंगा को 20011 वोट से हराया। उनको 86 हजार 858 वोट मिले।

दूसरे नंबर पर कांग्रेस के डा. एम.एल. रंगा को 66 हजार 847 वोट मिले। तीसरे नंबर पर इनेलो के संपत राम दहनवाल को 1440 वोट मिले। आम आदमी पार्टी के जवाहर लाल को 581 वोट मिले। कोसली सीट से भाजपा के अनिल यादव ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस के जगदीश यादव को 17160 वोट से हरा दिया।

उन्हें 91833 वोट मिले। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के जगदीश यादव को 74673 वोट मिले। तीसरे नंबर पर निर्दलीय को मनोज कोसलिया को 7288 वोट मिले।

कांग्रेस के सामने कार्यकर्ताओं को जोड़े रखना होगी चुनौती

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में लगातार तीसरी बार चुनाव हारने वाली कांग्रेस को अब ढेरों चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आपसी गुटबाजी के चलते कांग्रेस काफी समय से राज्य में अपना संगठन तक खड़ा नहीं कर पाई है। कांग्रेस के सामने अपने कार्यकर्ताओं को जोड़कर रखना बड़ी चुनौती होगी।

पिछले दस वर्षों में कांग्रेस हाईकमान ने हर अवसर पर हुड्डा की पसंद व नापसंद का पूरा ख्याल रखा है। प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति से लेकर प्रभारियों तक की नियुक्ति में हाईकमान ने हुड्डा की सिफारिशों का ख्याल रखा है। लोकसभा चुनाव में नौ से आठ टिकट भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सिफारिश पर दिए गए। विधानसभा चुनाव में 89 में से 73 टिकट हुड्डा की सिफारिश पर दिए गए थे। चुनाव प्रचार के दौरान भी हुड्डा ने ज्यादातर हलकों में खुद ही प्रचार की बागडोर संभाल कर रखी। चुनाव परिणाम से साफ हो गया है कि हाईकमान ने जरूरत से ज्यादा हुड्डा पर किए गए भरोसे का नकारात्मक असर पड़ा है।

वर्ष मतदात प्रतिशत किसकी सरकार बनी मुख्यमंत्री

1967 72.65 हरियाणा विशाल पार्टी राव बीरेंद्र सिंह
1968 57.26 कांग्रेस चौधरी बंसी लाल
1972 70.46 कांग्रेस चौधरी बंसी लाल
1977 64.46 जनता पार्टी चौधरी देवी लाल
1982 69.87 कांग्रेस चौधरी भजन लाल
1987 71.24 जनता दल चौधरी देवी लाल
1991 65.86 कांग्रेस चौधरी भजन लाल
1996 70.54 हरियाणा विकास पार्टी चौधरी बंसी लाल
2000 69.01 इनेलो ओमप्रकाश चौटाला
2005 71.96 कांग्रेस चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा
2009 72.29 कांग्रेस चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा
2014 76.13 भाजपा मनोहर लाल
2019 68.20 भाजपा मनोहर लाल
2024 67.90 भाजपा नायब सिंह सैनी

हावी होगा हुड्डा विरोधी खेमा

हरियाणा कांग्रेस में अब कुमारी सैलजा तथा रणदीप सुरजेवाला गुट पूरी तरह से हावी होगा। हुड्डा के चेहरे पर कांग्रेस तीन चुनाव लड़ चुकी है। इस चुनाव में हाईकमान के सामने महिला एवं दलित चेहरे के रूप में कुमारी सैलजा को उबारने का अवसर था, जिसे हाईकमान नहीं भुना सका। इस बड़ी हार के बाद अब कुमारी सैलजा हाईकमान के दरबार में सक्रिय होकर हरियाणा में आगे आएंगी।

गुरुग्राम जिले की चारों सीटों पर खिला कमल

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा विधानसभा-2024 के चुनाव के घोषित नतीजों में गुरुग्राम जिले की सभी चारों सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। गुड़गांव में मुकेश शर्मा, बादशाहपुर से राव नरबीर सिंह, सोहना से तेजपाल तंवर व पटौदी विधानसभा सीट से विमला चौधरी ने विजयश्री हासिल की। गुड़गांव विधानसभा सीट के लिए भाजपा के मुकेश शर्मा, कांग्रेस के मोहित ग्रोवर व निर्दलीय प्रत्याशी नवीन गोयल के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही थी। मंगलवार को मतगणना में भाजपा प्रत्याशी मुकेश शर्मा ने शुरू से ही अच्छी लीड बनाए रखी। मतगणना के आंकड़ों केअनुसार मुकेश शर्मा को 1,22,301 वोट मिले, जबकि नवीन गोयल को 54,512 वोट मिले। इस प्रकार मुकेश शर्मा ने नवीन गोयल को 67,789 वोटों से हराया। कांग्रेस के उम्मीदवार मोहित ग्रोवर को कुल 46784 वोट हासिल हुए। बादशाहपुर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी राव नरबीर सिंह ने कांग्रेस के कांग्रेस के वर्धन यादव को 60612 वोटों से हराया। चुनाव में राव नरबीर सिंह को कुल 1,45,248 वोट हासिल हुए, जबकि कांग्रेस के वर्धन यादव को 84,636 वोट मिले। कुमुदनी को 30,833 वोट मिले। पटौदी (सुरक्षित) विधानसभा सीट से इस बार भाजपा ने पूर्व विधायक बिमला चौधरी पर दांव खेला। बिमला चौधरी ने कांग्रेस के प्रत्याशी को 98,045 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधायक भूपेंद्र चौधरी की पुत्री पर्ल चौधरी को 51,748 वोट मिले।

हरियाण विधानसभा पहुंचीं 12 महिलाएं, गीता भुक्कल की पांचवीं जीत, शंकुलता खटक ने लगाई हैट्रिक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की 15वीं विधानसभा के चुनाव में 12 महिलाएं विधायक निर्वाचित होकर विधानसभा पहुंची गई हैं। इनमें सबसे वरिष्ठ गीता भुक्कल हैं, जोकि पांचवीं बार विधायक बनी हैं, जबकि चार महिलाएं पहली बार विधायक निर्वाचित हुई हैं। हरियाणा विधानसभा की 90 सीटों के लिए इस चुनाव में 1031 प्रत्याशी मैदान में थे, इनमें 101 महिलाएं थीं। चुनावी रण में केवल 12 महिलाओं के सिर जीत का सेहरा सजा है।

चुनाव जीत कर विधानसभा पहुंचीं पहलवान विनेश फौगाट अब बेबाकी के साथ अपनी बात रख सकेंगी। वहीं बंसीलाल परिवार से उनकी पोती श्रुति चौधरी पहली बार विधानसभा पहुंची हैं। इसके साथ ही केंद्रीय राव इंद्रजीत की बेटी आरती राव भी विधानसभा में नजर आएंगी। पंजाब से अलग होकर हरियाणा में 1967 में पहली बार चुनाव हुए तो चार महिलाएं विधायक निर्वाचित हुई। यही से महिलाओं के राजनीतिक सफर की शुरुआत हुई। हर विधानसभा चुनाव में महिलाओं का प्रतिनिधित्व लगातार बढ़ रहा है। 58 साल के इतिहास में हुए 13 चुनावों में 87 महिलाएं विधायक निर्वाचित हुई हैं। अब तक 2014 में सबसे ज्यादा 13 महिलाएं चुनकर विधानसभा पहुंची थीं, जबकि 2005 में 11, 2009 और 2019 में 9-9 महिलाएं विधायक निर्वाचित हुई थीं। चंद्रावती हरियाणा विधानसभा की पहली महिला सदस्य थीं और हरियाणा से पहली महिला संसद सदस्य भी थीं। वह 1964 और 1972 में हरियाणा मंत्री रहीं। उन्होंने अपना पहला विधानसभा चुनाव 1954 में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र से लड़ा और जीत हासिल की।

इस विधानसभा चुनाव में निर्वाचित महिला विधायक की सूची

- विधायक विधानसभा क्षेत्र
- गीता भुक्कल झज्जर
- शंकुलता खटक कलानौर
- शक्ति रानी शर्मा कालका
- शैली चौधरी नारायणगढ़
- रेणू बाला सढौरा
- पूजा चौधरी मुलाना
- कृष्ण गहलावत राई
- श्रुति चौधरी तोशाम
- आरती राव अटेली
- विनेश फौगाट जुलाना
- मंजू चौधरी नांगल चौधरी
- सावित्री जिंदल हिसार

पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल के परिवार से किरण चौधरी उपचुनाव समेत चार बार तोशाम से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची हैं। अब उनकी जगह उनकी बेटी श्रुति चौधरी विधानसभा पहुंची हैं। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता गीता भुक्कल लगातार पांचवीं बार विधायक निर्वाचित हुई हैं। सबसे पहले भुक्कल 2005 में कलायत विधानसभा से विधायक चुनीं गई। इसके बाद वे झज्जर से लगातार 2009, 2014, 2019 और अब 2024 में पांचवीं बार विधायक चुनीं गई हैं। कलानौर विधानसभा से शंकुलता खटक ने जीत की हैट्रिक लगाई है। शंकुलता खटक पहली बार 2014 में विधायक निर्वाचित हुई थी, इसके बाद दूसरी बार 2019 में विधायक बनीं और अब तीसरी बार 2024 में विधायक चुनीं गई हैं। कांग्रेस से शैली चौधरी और रेणू बाला लगातार दूसरी बार विधानसभा पहुंची हैं। नारायणगढ़ विधानसभा से शैली चौधरी 2019 में पहली बार विधायक बनी थी, इसके बाद अब 2024 में कांग्रेस से दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुई हैं। वहीं सढौरा विधानसभा से रेणू बाला 2019 और 2024 में लगातार विधायक चुनी गई हैं। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह अपनी बेटी आरती राव को विधायक बनाने की हसरत पाले हुए थे। आखिरकार उनकी यह हरसत पूरी हो ही गई। अटेली से भाजपा ने उन्हें चुनावी मैदान में उतारा था। भारत की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल सदन में निर्दलीय विधायक के रूप में अपनी बात रखती हुई नजर आएंगी।

नायाब सैनी ने हरियाणावासियों का विनम्रता से किया आभार व्यक्त

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भारतीय जनता पार्टी को तीसरी बार जिताने पर प्रदेशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। पार्टी को 90-सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत से तीन सीटें ज्यादा 48 सीटें मिली हैं। श्री सैनी ने देर शाम लंबा ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, हरियाणा की समस्त देवतुल्य जनता और कार्यकर्ताओं को सादर नमस्कार। हरियाणा के हमारे लोग बेहद परिपक्व हैं और हमारा लोकतंत्र भी उतना ही परिपक्व है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी की नीतियों और कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम पर विश्वास जताते हुए हमारे दो करोड़ 80 लाख परिवारजनों ने तीसरी बार पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनाई है। मैं अपने सभी परिवारजनों का विनम्रता से आभार व्यक्त करता हूं। राजनीति हमारे लिए केवल सेवा का एक माध्यम है। मैं समस्त हरियाणा वासियों को आश्वस्त करता हूँ कि हमेशा की तरह आपका सेवक बनकर आपकी सेवा में उपस्थित रहूँगा।

सोनीपत में कांग्रेस का तिलिस्म टूटा, चार सीट पर कमल खिला

एजेंसी

सोनीपत। विधानसभा आम चुनाव 2024 की मतगणना बीट्स कॉलेज मोहाना में प्रातः 08 बजे से प्रारंभ हुई। सोनीपत विधानसभा की छह सीटों में से 4 सीटों पर बीजेपी, 1 सीट पर कांग्रेस और 1 सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की। इस बार

सोनीपत की जनता ने वो करके दिखाया जो आज तक नहीं हुआ था। ऐसा तिलिस्म टूटा है जो लाजवाबहै, जिसने सारे समीकरण फेल कर दिए और सबको चकित कर दिया।गन्नौर से निर्दलीय उम्मीदवार देवेंद्र कादियान ने 77 हजार 248 वोट प्राप्त कर कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप शर्मा को 35 हजार 209 वोटों से पराजित किया। कुलदीप शर्मा को 42,039 वोट मिले, जबकि बीजेपी उम्मीदवार देवेंद्र कौशिक को 17,605 वोट प्राप्त हुए। राई से सबीजेपी उम्मीदवार कृष्णा गहलावत ने 64,614 वोट प्राप्त कर कांग्रेस उम्मीदवार जयभगवान आंतिल को 4,673 वोटों से हराया। जयभगवान को 59,941 वोट मिले। खरखौदा से बीजेपी उम्मीदवार पवन खरखौदा ने 58,084 वोट प्राप्त कर कांग्रेस के

जयवीर सिंह को 5,635 वोटों से हराया। जयवीर सिंह को 52,449 वोट मिले। सोनीपत से बीजेपी उम्मीदवार निखिल मदान ने 84,827 वोट प्राप्त कर कांग्रेस के सुरेंद्र पंवार को 29,627 वोटों से पराजित किया। सुरेंद्र पंवार को 55,200 वोट मिले। गोहाना बीजेपी के अरविंद कुमार शर्मा ने 57,055 वोट प्राप्त कर कांग्रेस के जगबीर सिंह मलिक को 10,429 वोटों से हराया। जगबीरको 46,626 वोट मिले। बड़ौदा से कांग्रेस प्रत्याशी इंदूराज नरवाल ने 54,462 वोट प्राप्त कर निर्दलीय कपूर सिंह नरवाल को 5,642 वोटों से हराया। कपूर सिंह को 48,820 वोट मिले।

भाजपा की जनहितकारी नीतियों की है जीत : घनश्याम दास अरोड़ा

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर जिला यमुनानगर की चारों विधानसभा की सीटों की मतगणना का कार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में बनाए गए मतगणना केंद्रों पर किया गया। जगाधरी, यमुनानगर, रादौर व सढौरा के मतगणना केंद्रो में कड़ी सुरक्षा की गई थी। भाजपा ने प्रदेश में बहुमत से अपनी जीत दर्ज कर ऐतिहासिक हैट्रिक लगाकर एक नया इतिहास रच दिया। वहीं जिला यमुनानगर की चार विधानसभाओं में से दो-दो सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की। हुई विधानसभा चुनाव की मतगणना के अनुसार यमुनानगर विधानसभा सीट पर भाजपा के घनश्याम दास अरोड़ा को 72 हजार 967 वोट मिले और कांग्रेस के रमन प्रकाश त्यागी को 50 हजार 455 वोट मिले और घनश्याम दास अरोड़ा 22 हजार 512 वोटों से जीते। रादौर विधानसभा की सीट पर भाजपा के श्याम सिंह राणा को 73 हजार 117 वोट मिले, डॉ बिशनलाल सैनी को 59 हजार 868 वोट मिले और श्यामसिंह राणा 13 हजार 249 वोट से जीते। इसी तरह से जगाधरी विधानसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी अकरम खान को 67094 वोट मिले और भाजपा के कंवरपाल को 60313 वोट मिले। वहां से कांग्रेस के अकरम खान 6781 वोट से जीते। इसी प्रकार से सढौरा की सीट से कांग्रेस की प्रत्याशी रेनू बाला को 57248 वोट मिले जबकि भाजपा प्रत्याशी बलवंत सिंह को 55 हजार 608 वोट मिले। यहां से कांग्रेस की रेनू बाला 1640 वोट जीती। जीत के बाद यमुनानगर के भाजपा कार्यालय पर जश्न में कार्यकर्ता डोल की थाप पर जमकर नाचे और शहर में जुलूस निकालकर यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने शहर वासियों का धन्यवाद किया। भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व और भाजपा की जनहित नीतियों की जीत है। जिसके चलते जनता ने भाजपा पर अपना विश्वास जताया है और तीसरी बार प्रदेश में मुझे यमुनानगर से विधायक बनाया है।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक के सफर पर निकली ई बस दिल्ली से रवाना

एजेंसी

नयी दिल्ली । इलेक्ट्रिक बस ब्रांड न्यूगो ने कश्मीर से कन्याकुमारी (ई-के2के) तक इलेक्ट्रिक बस यात्रा अभियान पर निकली ई बस राजधानी दिल्ली से रवाना हुयी जो चार हजार किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगी। कंपनी ने यहां कहा कि यह ऐतिहासिक सफर देश में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है,और इस यात्रा के साथ न्यूगो दुनिया का पहला इलेक्ट्रिक बस ब्रांड बनने जा रहा है जो 4,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगा। इस यात्रा के दौरान बस 3,500 फीट की ऊंचाई से लेकर समुद्र तट तक 200 से अधिक शहरों और कस्बों से गुजरेगी, जिससे यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरणीय स्थिरता का संदेश फैलाएगी। इस अभियान में जयपुर, हैदराबाद, भोपाल और बेंगलुरू जैसे शहरों में छात्रों के लिए वर्कशॉप, वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता पहलों और सुरक्षा पर आधारित नुक्कड़ नाटकों जैसी कई गतिविधियाँ भी शामिल होंगी। जम्मू में 4 अक्टूबर को इस यात्रा की शुरुआत जम्मू स्मार्ट सिटी के सीईओ और जेएमसी के कमिश्नर डॉ. देवांश यादव ने की। इसके बाद, दिल्ली-एनसीआर से इन बसों को हरी झंडी दिखाने के लिए गाजियाबाद में न्यूगो डिपो हब पर कई प्रतिष्ठित मेहमान एकत्रित हुए। इस ऐतिहासिक सफर के शुरुआती पलों का साक्षी बनने के लिए नीति आयोग के सलाहकार सुधेंदु जे. सिन्हा, वर्ल्ड बैंक के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. संजीव के. लोहिया, सीईएसएल की पूर्व-एमडी महुआ आचार्य, एनएचईवी प्रोजेक्ट के डायरेक्टर अभिजीत सिन्हा और आईसीसीटी इंडिया के एमडी अमित भट्ट भी मौजूद थे।

खाद्य तेलों में तेजी, दलहन- दाल में घट-बढ़, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में उठाव रहा। खाद्य तेलों में तेजी दर्ज की गई। तिलहन ऊंचे रहे। दलहनों तथा दालों में उठाव से मिश्रित रंगत रही। चावल में कामकाज सुधार लिए रहा।

किराना बाजार

सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी रही इससे भाव मजबूत बने रहे। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा बूरा दिसावर के साथ ऊंचा रहा। साबूदाना में कामकाज बढ़ा रहा। खोपरा गोला तथा हल्दी में उठाव साधारण रहा।

तेल-तिलहन

खाद्य तेलों में लिवाली से तेजी दर्ज की गई। आज सोयाबीन रिफाइंड ऊंचा होकर बिका। तिलहन में सोयाबीन में खरीदी बताई गई।

दाल-दलहन

संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में कामकाज , मिश्रित रंगत लिए रहा। दाल मिलों की बिकवाली से चना दाल सस्ती तो मसूर दाल महंगी बिकी। अन्य दालों में भाव बने रहे। चावल में उठाव रहा।

ग्रीन 5 जी के लिए एयरटेल और नोकिया की साझेदारी

नयी दिल्ली। दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने वाली भारती एयरटेल और नोकिया ने आज 'ग्रीन 5जी' पर सहयोग की घोषणा की जिसका उद्देश्य एयरटेल के मोबाइल नेटवर्क में ऊर्जा-कुशल समाधान पेश करना है। एयरटेल ने यहां जारी बयान में कहा कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना एआई/एमएल जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के साथ-साथ उन्नत सॉफ़्टवेयर सुविधाओं और अभिनव समाधानों के एक समूह का लाभ उठाकर उसके 4जी/5जी रेडियो एक्सेस नेटवर्क में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। समाधान से पीक और ऑफ-पीक घंटों के दौरान ऊर्जा दक्षता बढ़ाने की उम्मीद है और अनुमान है कि इससे एयरटेल के कार्बन उत्सर्जन में सालाना अनुमानित 143,413 टन की कमी आएगी। भारती एयरटेल के सीटीओ रणदीप सेखों ने कहा, डेटा की बढ़ती मांग के जवाब में, भारत भर में मोबाइल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है, खासकर 5जी तकनीक के रोलआउट के साथ। भारती एयरटेल में, स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ने हमें नोकिया के साथ सहयोग करने के लिए प्रेरित किया है। इस साझेदारी से हमें ऐसे अभिनव समाधानों का लाभ उठाने का मौका मिलेगा जो पर्याप्त ऊर्जा बचत प्रदान करते हैं, जिससे हम अपने कार्बन पदचिह्न को महत्वपूर्ण रूप से कम करने और अपनी व्यावसायिक रणनीति के साथ अपने पर्यावरणीय उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सक्षम होंगे।

ब्लू हेवन ने राधिका मदान को बनाया ब्रांड एम्बेसडर

नयी दिल्ली । भारतीय ब्यूटी ब्रांड ब्लू हेवन अपने नए अभियान 'हर लुक में सरप्राइज' के लिए बॉलीवुड कलाकार राधिका मदान को ब्रांड एम्बेसडर बनाने की घोषणा की है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि आज की आत्मविश्वासी और खुलकर बात करने वाली युवतियों को ध्यान में रखकर बनाया गया यह अभियान रोजमर्रा के पलों में सुंदरता को तलाशने, प्रयोग करने और उसे नया रूप देने पर आधारित है। उसने कहा कि राधिका मदान को अपना एम्बेसडर बनाकर ब्लू हेवन ब्यूटी के जरिए युवतियों को प्रेरित करने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर साबित करता है। भारतभर में एक लाख से ज्यादा रिटेल आउटलेट और सभी प्रमुख ई-कॉमर्स और क्यू-कॉमर्स प्लैटफॉर्म पर उपलब्ध ब्लू हेवन अपने अलग-अलग कैटेगरी के ग्राहकों के लिए ट्रेंडी, हाई-क्वालिटी प्रोडक्ट उपलब्ध कराता है। इस मौके पर राधिका मदान ने कहा, मैं एक भारतीय ब्यूटी ब्रांड से जुड़कर बहुत खुश हूँ। ब्लू हेवन पिछले कई सालों से अपने ग्राहकों को लगातार सरप्राइज करता रहा है। मैं भी इस ब्रांड के साथ ही बड़ी हुई हूं और इसके विकास को देखकर उतनी ही खुश हूं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार की तेजी और घरेलू मांग बढ़ने से आसमान पर चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट के तनाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव की आशंकाओं की वजह से दुनिया भर के निवेशकों ने बुलियन मार्केट में निवेश बढ़ा दिया है, जिसके कारण सोना ऑल टाइम हाई के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है। सोने के साथ ही चांदी की कीमत में भी जोरदार उछाल दर्ज की गई है। ये चमकीली धातु 97 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक भी पहुंच चुकी है। माना जा रहा है की दिवाली तक इसकी कीमत एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर सकती है।

घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में हाल के दिनों में आए उछाल की मुख्य वजह इंटरनेशनल मार्केट में आई तेजी और घरेलू मांग में हुई बढ़ोतरी को माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत में पिछले 9 महीने के दौरान 9 डॉलर प्रति ऑन्स से अधिक की तेजी आ चुकी है। इस साल 1 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 23.19 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर पर कारोबार कर रही थी। 9 महीने में ही चांदी की कीमत 32.20 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर पर पहुंच

गई। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर मिडिल ईस्ट के तनाव में और बढ़ोतरी हुई, तो चांदी की कीमत 38 से 40 डॉलर प्रति ऑन्स तक पहुंच सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी आने का सीधा असर भारत के सर्राफा बाजार पर भी पड़ेगा, क्योंकि सोने की तरह चांदी के लिए भी भारतीय बाजार काफी हद तक अंतरराष्ट्रीय बाजार से होने वाले आयात पर ही निर्भर करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में अगर चांदी की कीमत में उछाल आया, तो भारतीय सर्राफा बाजार में भी चांदी की कीमत तेज हो जाएगी।

भारतीय सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में तेजी आने की एक वजह घरेलू डिमांड में बढ़ोतरी होना भी है। 2023-24 में भारत में इंटरनेशनल मार्केट से 11 हजार करोड़ रुपये की चांदी का आयात हुआ, जबकि इसके पहले वाले साल 2022-23 सिर्फ 1,300 करोड़ रुपये की चांदी मंगाई गई थी। चांदी की मांग में आई तेजी की सबसे बड़ी वजह इंडस्ट्रियल सेक्टर में इसकी मांग में बढ़ोतरी होना है।

विशेष रूप कर सोलर एनर्जी सेक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में चांदी की मांग में काफी तेजी आई है। चांदी की मांग में बढ़ोतरी होने के कारण भी घरेलू बाजार में इस चमकीली धातु की कीमत लगातार तेज हो रही है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के अनुसार पिछले चार सालों के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की मांग में लगातार तेजी आई है, लेकिन मांग की तुलना में चांदी की सप्लाई में अधिक बढ़ोतरी नहीं हुई है। माना जा रहा है कि इस साल अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की मांग रिकॉर्ड 1.21 अरब ऑन्स तक पहुंच सकती है, जबकि इसकी सप्लाई 1.15 अरब ऑन्स तक हो सकती है। डिमांड और सप्लाई के इस गैप की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत में और तेजी आने की संभावना जताई जा रही है।

मयंक मोहन का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई तेजी और करेंसी मार्केट की अस्थिरता की वजह से घरेलू निवेशकों का रुझान भी चांदी की ओर बढ़ा है। ऐसी स्थिति में अगर स्थितियों में अधिक बदलाव नहीं हुआ, तो शॉर्ट टर्म में चांदी 1 लाख से 1,05,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक उछल सकती है। वहीं लॉन्ग टर्म में यानी 2025 की दिवाली तक इसकी कीमत 1.20 लाख रुपये के स्तर को पार कर सकती है।

रोजगार के मोर्चे पर अच्छी खबर, देश में बढ़ी हायरिंग एक्टिविटी

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीनों की सुस्ती के बाद टेक कंपनियों और स्टार्टअप्स में हायरिंग का दौर एक बार फिर तेज होता हुआ नजर आने लगा है। इन कंपनियों ने हायरिंग गतिविधियों को तेज करते हुए अच्छे टैलेंट की तलाश शुरू कर दी है। इसके पहले के कुछ महीने के दौरान बिजनेस में सुस्ती और फंडिंग की परेशानियों की वजह से टेक कंपनियों और स्टार्टअप्स ने हायरिंग एक्टिविटीज को धीमा कर दिया था। कुछ कंपनियों को इस दौरान अपने खर्चों में कटौती करने के लिए बड़े पैमाने पर छंटनी भी करनी पड़ी थी, लेकिन अब स्थिति में बदलाव होता हुआ नजर आने लगा है।

स्टाफिंग फर्म एक्सफेनो की एक रिपोर्ट के अनुसार सितंबर में खत्म हुई तिमाही के दौरान हायरिंग एक्टिविटीज में तेजी आई है। इस दौरान आईटी सेक्टर में क्रमिक बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। हालांकि इस रिपोर्ट में ये भी साफ किया गया है कि हायरिंग एक्टिविटीज में आई तेजी अस्थाई है या टिकाऊ, इस बारे में अभी स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर हायरिंग एक्टिविटीज की यही स्थिति अगली तिमाही में भी कायम रही, तो ये स्थिति में सुधार होने का स्पष्ट संकेत होगा।

हायरिंग से जुड़े आंकड़ों पर नजर डालें तो मार्च 2024 में एक्टिव जॉब ओपनिंग पिछले 20 महीने के सर्वोच्च स्तर 1,68,000 तक पहुंच गई थी, लेकिन इसके अगले ही महीने अप्रैल में इसकी संख्या घटकर 1,56,000 रह गई, जबकि मई के महीने में एक्टिव जॉब ओपनिंग की संख्या 1,07,000 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। जॉब ओपनिंग का ये आंकड़ा हायरिंग एक्टीविटीज के पीक से करीब 50 प्रतिशत कम है।

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सितंबर में खत्म हुई तिमाही के दौरान आईटी कंपनियां में हायरिंग एक्टिविटीज में तेजी आई है। इसके साथ ही कैंपस सेलेक्शन में भी तेजी आने की उम्मीद है। स्टार्टअप्स ने भी अपना काम बढ़ाने के लिए हायरिंग एक्टिविटीज को तेज कर दिया है, जिससे फ्रेशर्स के लिए नए मौके बनने लगे हैं।

आरबीआई ने लगातार 10वीं बार रेपो रेट 6.50 फीसदी पर रखा बरकरार

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बुधवार को नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में लगातार 10वीं बार बदलाव नहीं किया। आरबीआई ने रेपो रेट 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा । इस फैसले से आपके लोन महंगे नहीं होंगे और ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद इसकी घोषणा की। आरबीआई गवर्नर ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नवनियुक?त एमपीसी ने बहुमत से नीतिगत ब?याज दर रेपो रेट 6.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया है। शक्तिकांत दास ने कहा कि एमपीसी की बैठक में यह फैसला 5-1 की बहुमत से लिया गया। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार फरवरी 2023 में रेपो रेट 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.50 फीसदी किया था। शक्तिकांत दास ने बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने सामान्य मानसून के मद्देनजर चालू वित?त वर्ष 2024-25 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी रहने का अपना अनुमान बरकरार रखा है।

चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर भी 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है। रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर रखने का फैसला एमपीसी ने 5-1 से लिया है। केंद्र सरकार ने एक अक्टूबर को नई मौद्रिक नीति समिति में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार सहित तीन नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति की है। आरबीआई के एमपीसी में 6 सदस्य हैं, जिनमें केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास सहित तीन सदस्य हैं, जिनमें डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव रंज शामिल हैं।

क्या होता है नीतिगत दर यानी रेपो रेट

रेपो रेट वह दर है जिस पर रिजर्व बैंक किसी भी तरह की कमी की स्थिति में वाणिज्यिक बैंकों को पैसे उधार देता है। आरबीआई रेपो दर का उपयोग मौद्रिक प्राधिकरण मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए करते हैं। उल्लेखनीय है कि अगस्त में हुई एमपीसी की बैठक में आरबीआई ने लगातार 10वीं बार नीतिगत दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2023 से रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर यथावत रखा। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार रेपो रेट में 0.25 फीसदी का इजाफा किया था, जो अभी 6.50 फीसदी पर है। कोविड-19 से पहले 6 फरवरी, 2020 को रेपो रेट 5.15 फीसदी पर था।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। इजराइल-ईरान जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.20 डॉलर यानी 0.27 फीसदी की बढ़त के साथ 77.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.12 डॉलर यानी 0.18 फीसदी फिसलकर 73.68 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

फैबइंडिया ने आईटीसी सनफीस्ट बेक्ड क्रिएशंस के साथ की साझेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू लाइफस्टाइल ब्रांड फैबइंडिया और आईटीसी सनफीस्ट बेक्ड क्रिएशंस ने देश भर में चुनिंदा स्टोरों पर डाइन-इन कैफे स्थापित करने के लिए आज साझेदारी की घोषणा की। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि आईटीसी सनफीस्ट बेक्ड क्रिएशंस उपभोक्ताओं को भारतीय स्वाद के अनुकूल स्वाद और बनावट में नवाचार करते हुए गुणवत्ता वाले बेक्ड उत्पादों के प्रति अपने प्यार का आनंद लेने की अनुमति देता है। बेक्ड सामान केक और पेस्ट्री का पर्याय बन गए हैं और आईटीसी अपनी शीर्ष विशेषज्ञता को सुविधा के साथ जोड़ता है, खासकर खाद्य-वितरण क्षेत्र में, जिससे ग्राहक बेकिंग की दुनिया के अनुभवों से वंचित नहीं रह पाते। फैबइंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, हम आईटीसी सनफीस्ट बेक्ड क्रिएशंस के साथ साझेदारी करके बेहद उत्साहित हैं। जब आप फैबइंडिया एक्सपीरियंस सेंटर में कदम रखते हैं तो यह सिर्फ़ खुदरा बिक्री से कहीं ज़्यादा होता है, यह संपूर्ण अनुभव के बारे में होता है। गुणवत्ता और ताज़गी के लिए हमारी संयुक्त प्रतिबद्धता दोनों के समान मूल्यों के अनुरूप है। स्वास्थ्य, पोषण और गुणवत्ता समान रूप से महत्वपूर्ण हैं और फैबइंडिया हमेशा स्वाद, नैतिक रूप से प्राप्त सामग्री और हमारे ग्राहकों की पसंद के बीच संतुलन बनाए रखने के बारे में रहा है। आईटीसी के प्रवक्ता ने कहा, हम फैबइंडिया के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं, जो न केवल खुदरा क्षेत्र में बल्कि शिल्प क्षेत्र में भी अग्रणी है। बेहतरीन सामग्री से तैयार बेहतरीन भोजन उपलब्ध कराना हमेशा से हमारा सिद्धांत रहा है। आईटीसी सनफीस्ट बेक्ड क्रिएशंस को फैबइंडिया के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है।

भारत-यूएई के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि 31 अगस्त से लागू : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) 31 अगस्त से लागू हो गई है। इसके लागू होने से दोनों देशों के निवेशकों को निवेश संरक्षण की निरंतरता मिलेगी।

वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि भारत और यूएई के बीच में हस्ताक्षरित द्विपक्षीय निवेश संधि लागू हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि बीआईटी पर इस वर्ष 13 फरवरी को यूएई के अबूधाबी में हस्ताक्षर किए गए थे, जो 31 अगस्त, 2024 से प्रभावी हो गई है। यूएई के साथ इस

समझौते के लागू होने से दोनों देशों के निवेशकों को निरंतर निवेश संरक्षण मिलेगा। मंत्रालय के मुताबिक भारत और यूएई के बीच दिसंबर, 2013 में हस्ताक्षरित पहला द्विपक्षीय निवेश संरक्षण तथा संवर्धन समझौता (बीआईपीपीए) इस वर्ष 12 सितंबर को समाप्त हो गया था। मंत्रालय ने कहा कि भारत और यूएई के बीच बीआईटी से निवेशकों के बीच सहजता का स्तर बढ़ने तथा विश्वास में वृद्धि होने की उम्मीद है। इस संधि से द्विपक्षीय निवेश में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के व्यवसायों और अर्थव्यवस्थाओं को फायदा होगा।

उल्लेखनीय है कि भारत में आने वाले कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 3 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ यूएई 7वें स्थान पर है। इसमें अप्रैल 2000 से जून 2024 तक करीब 19 अरब अमरीकी डॉलर का संचयी निवेश शामिल है। भारत ने भी अप्रैल 2000 से अगस्त 2024 तक यूएई में अपने कुल एफडीआई का पांच फीसदी यानी 15.26 अरब डॉलर का निवेश किया है। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) एक मई 2021 को लागू हुआ था।

गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग का आईपीओ 1.91 गुना हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सब्सक्रिप्शन के लिए खुला और कुछ देर में बुक हो गया। कंपनी के इश्यू को 1.91 गुना सब्सक्राइब किया गया है।

स्टॉक एक्सचेंज के जारी आंकड़ों के मुताबिक गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग का इश्यू 1.91 गुना सब्सक्राइब किया गया है। ये इश्यू आज बोली के लिए खुला है, जो 10 अक्टूबर 2024 को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए 5 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर कि लिए प्राइस बैंड 92-95 रुपये प्रति शेयर तय किया है। एक निवेशक कम से कम 157 इक्विटी शेयरों और उसके गुणकों में बोली लगा सकता है। आंकड़ों के मुताबिक

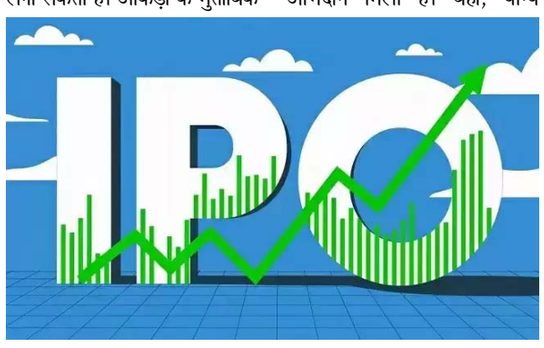

खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के लिए निर्धारित हिस्से को 3.43 गुना अभिदान मिला, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए 1.10 गुना अभिदान मिला है। वहीं, योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की श्रेणी में मात्र 2 फीसदी अभिदान प्राप्त हुआ है। कंपनी इस इश्यू के जरिए 264.10 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी के शेयर 15 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे। उल्लेखनीय है कि ग्रोइंग सिविल कंस्ट्रक्शन गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड की स्थापना वर्ष 2010 में हुई थी, जो एक कंस्ट्रक्शन कंपनी है।

यह कंपनी रेसिडेंशियल और कॉमर्शियल इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट के लिए कंस्ट्रक्शन सर्विस प्रोवाइड करती है। ये कंपनी ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग सहित कई सर्विस भी प्रोवाइड करती है। इनमें इंफ्रास्ट्रक्चर और हॉस्पिटैलिटी प्रोजेक्ट के लिए ऐडिशनल सर्विसेज शामिल है।

घरेलू शेयर बाजार में 2 कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग, पहले दिन ही आईपीओ निवेशकों को 10 प्रतिशत से ज्यादा की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए दस्तक दी। इन दोनों कंपनियों के आईपीओ निवेशकों को कमजोर लिस्टिंग की वजह से नुकसान का सामना करना पड़ा। दोनों कंपनियों के शेयर इश्यू प्राइस से कम यानी डिस्काउंट पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से दोनों कंपनियों के शेयर में और गिरावट आई, जिससे ये शेयर लुढ़क कर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। पेपर से जुड़े प्रोडक्ट तैयार करने वाली कंपनी शुभम पेपर्स के शेयर आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 6.58 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुए। कंपनी द्वारा आईपीओ के तहत 152 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए गए थे, लेकिन आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10 रुपये यानी 6.58 प्रतिशत के नुकसान के साथ 142 रुपये के स्तर पर हुई। डिस्काउंट लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर लुढ़क कर 134.90 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह इस कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 11.25 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है।

शुभम पेपर्स का 93.70 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुआ था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसकी वजह से ये आईपीओ ओवरऑल 92.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 57.18 गुना, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 243.16 गुना और रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 48.97 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 61,64,800 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के तहत जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी के कैपिटल एक्सपेंडिचर की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा। आज ही धागा बनाने वाली कंपनी पैरामाउंट डाई टेक के शेयरों की नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के जरिए एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी ने 117 रुपये के भाव पर शेयर जारी किया था, लेकिन आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 6.07 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ 109.90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये शेयर और नीचे गिर कर 104.40 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 10.77 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। पैरामाउंट डाई टेक का 28.43 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर को खुलकर 3 अक्टूबर को बंद हुआ था इस आईपीओ को भी निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। ये आईपीओ ओवरऑल 50.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 24.30 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, पुराने कर्ज को चुकाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा।

केंद्र ने दिल्ली-एनसीआर में 65 रुपये प्रति किलो के भाव पर टमाटर बेचना शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने खुदरा बाजार में टमाटर की बढ़ती कीमतों को कम करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। सरकार ने 65 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से टमाटर की बिक्री शुरू की है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सोमवार को संसद भवन के पास टमाटर बेचने वाली वैन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया है। उपभोक्ता खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने यहां 65 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से टमाटर बेचने वाली

राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) की वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। मंत्रालय के मुताबिक एनसीसीएफ ने मंडी से सीधे टमाटर खरीदकर और उन्हें 65 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बाजार में बेचना शुरू किया है। मंत्रालय के मुताबिक एनसीसीएफ देशभर के प्रमुख शहरों में खुदरा उपभोक्ताओं को सरकारी बफर स्टॉक से 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज की आपूर्ति भी लगातार कर रहा है। टमाटर की खुदरा बिक्री के शुभारंभ के अवसर पर उपभोक्ता मामलों के विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, जिनमें संयुक्त सचिव एवं एमडी एनसीसीएफ अनुपम मिश्रा, वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार आईएस नेगी और आर्थिक सलाहकार डॉ. कामखेंथांग गुइटे शामिल थे। उल्लेखनीय है कि देश के अधिकांश हिस्सों में खुदरा बाजार में टमाटर 90-100 रुपये प्रति किलोग्राम और प्याज 50-60 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव मिल रहा है।

विनिर्माण के पांच क्षेत्रों में ताइवान से 15 अरब डॉलर निवेश की संभावना : फिक्की

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के पांच विशिष्ट विनिर्माण क्षेत्र पीसीबी (प्रिंटेड सर्किट बोर्ड), इलेक्ट्रॉनिक घटक, इलेक्ट्रिक मोटर्स, सीसीटीवी, स्मार्ट हेल्थकेयर और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग में ताइवान से 15 अरब डॉलर निवेश को आकर्षित करने की पूरी संभावना है। वाणिज्य एवं उद्योग संगठन फिक्की की 'संभावनाओं को खोलना:ताइवानी उद्यमों के लिए एक भागीदार के रूप में भारत के लाभ' शीर्ष से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि पांच विशिष्ट विनिर्माण क्षेत्र ताइवान से 15 अरब डॉलर के निवेश को आकर्षित करने के लिए महान संभावित क्षेत्रों के रूप में सामने आए हैं। ये पांच क्षेत्र पीसीबी (प्रिंटेड सर्किट बोर्ड), इलेक्ट्रॉनिक घटक (जैसे निष्क्रिय उपकरण, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल घटक, अर्धचालक आदि), इलेक्ट्रिक मोटर्स, सीसीटीवी, स्मार्ट हेल्थकेयर (जैसे फिटनेस ट्रैकर, स्मार्टवॉच, हृदय गति मॉनिटर आदि) और ईवी चार्जिंग है। इन क्षेत्रों में ताइवान के लिए भारत में वर्तमान लक्षित बाजार 60 अरब डॉलर का है और ताइवान का उद्योग न केवल घरेलू बाजार बल्कि निर्यात के लिए भी इन क्षेत्रों में निवेश कर सकता है। रिपोर्ट में ताइवान और भारत के बीच मजबूत साझेदारी के पारस्परिक लाभों का उल्लेख करते हुए कहा गया है।

रोज दूध में मिलाकर पिएं यह सफेद पाउडर, सिर्फ 15 दिनों में शरीर हो जाएगा सॉलिड ! कई परेशानियां होंगी दूर

ड्राई फ्रूट्स को पीसकर पाउडर जैसा बना लिया जाए और उसे रोजाना दूध में मिलाकर पिया जाए, तो सेहत को गजब के फायदे मिल सकते हैं. ड्राई फ्रूट्स का पाउडर पोषक तत्वों का पावरहाउस माना जा सकता है.

ड्राई फ्रूट पाउडर को दूध में मिलाकर पीना बेहद फायदेमंद माना जाता है. पुराने जमाने से लोग दूध के साथ ड्राई फ्रूट्स खाते चले आ रहे हैं और इसे पहलवानों की ताकत का राज भी माना जाता है. दूध और ड्राई फ्रूट्स पाउडर का कॉम्बिनेशन पोषक तत्वों से भरपूर होता है. ड्राई फ्रूट्स जैसे बादाम, काजू और अखरोट विटामिन, मिनरल्स और हेल्दी फैट्स का अच्छा स्रोत होते हैं. जब इन्हें दूध के साथ मिलाया जाता है, तो यह प्रोटीन, कैल्शियम और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों के साथ एक परफेक्ट कॉम्बिनेशन बन जाता है. यह कॉम्बिनेशन एनर्जी बढ़ाने, इम्यूनिटी मजबूत करने और पाचन में सुधार करने में मदद करता है. यह बच्चों के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है.

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की सीनियर डाइटिशियन कामिनी सिन्हा ने हद्द2ह्य18 को बताया कि ड्राई फ्रूट्स में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन, मिनरल्स समेत तमाम पावरफुल कंपाउंड होते हैं, जो शरीर को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं. ड्राई फ्रूट्स में एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी मात्रा होती है, जिसकी वजह से इनका सेवन करने से फ्री रेडिकल्स बेअसर होते हैं और बीमारियों से बचाव करने में मदद मिलती है. ड्राई फ्रूट्स का सेवन कई तरीकों से किया जा सकता है. ड्राई फ्रूट्स को रातभर भिगोकर, खाने-पीने की चीजों में डालकर या शेक बनाकर उपयोग किया जा सकता हैडाइटिशियन की मानें तो सोक्ड ड्राई फ्रूट्स का पाउडर बनाकर दूध में मिलाकर पिया जाए, तो इससे शरीर को अटूट ताकत मिल सकती है. ड्राई फ्रूट्स को दूध के साथ लेने पर शरीर को सबसे ज्यादा फायदा मिल सकता है. रात को सोने से पहले एक गिलास दूध में 1 चम्मच ड्राई फ्रूट पाउडर मिलाकर पिया जाए, तो इससे शरीर में नई जान आ सकती है. कमजोरी से परेशान लोगों को यह पाउडर इस्तेमाल करना चाहिए. मसल्स से लेकर बोन्स में ताकत लाने के लिए इस पाउडर का इस्तेमाल किया जा सकता है. महिला और पुरुष दोनों के लिए इसका सेवन लाभकारी होता है, लेकिन यह पाउडर घर पर बनाना चाहिए.

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक ड्राई फ्रूट पाउडर और दूध को मिलाकर पीने से पोषण का यह शक्तिशाली मिश्रण बन जाता है. इससे लोगों को कब्ज से राहत मिलती है और बाउल मूवमेंट में सुधार हो जाता है. कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल बनाए रखने में भी यह पाउडर कमाल का साबित हो सकता है. हेल्दी डाइट के साथ ड्राई फ्रूट पाउडर का नियमित सेवन हार्ट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद हो सकता है. हालांकि लोगों को बाजार में मिलकने वाला ड्राई फ्रूट पाउडर इस्तेमाल करने के बजाय घर पर ड्राई फ्रूट लाकर पाउडर तैयार करना चाहिए. घर पर बनाया जाने वाला पाउडर प्योर होता है.

संकट में है, विश्व-शांति

दुनिया में दलीय व्यवस्थाएं, चाहे वे बहुदलीय हों, द्विदलीय हों या एकदलीय हों, सभी भ्रष्टाचार, व्यभिचार, झूठ और अंततः मनमानी को बढ़ावा देती हैं। दलीय व्यवस्था व्यक्तिगत शासन में बदल गई है। एक व्यक्ति अपनी इच्छानुसार कुछ चापलूसों, चाटुकारों को लेकर शासन का जाल फैलाता है और आम लोग उस जाल में फंसते जाते हैं। यह व्यवस्था आज भी पूरी दुनिया में लागू है।

दुनिया में तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हो चुका है। यह युद्ध क्या रूप लेगा, इसका अनुमान लगाना कठिन है। एक तरफ रूस और चीन जैसे देश हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोपीय संघ के देश। दुनिया के राष्ट्र दो गुटों में बंटे हुए हैं और अपने-अपने हितों की ओर बढ़ रहे हैं। उनकी महत्वाकांक्षा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से दुनिया को परेशान कर रही है। दुनिया में आम लोगों के दमन ने शोषण को बढ़ा दिया है। अन्याय ने अत्याचार को जन्म दिया है। अशांति, भय, आतंक और आशंका के माहौल के कारण विश्व-शांति दूर की कौड़ी लगती है।

दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बने %संयुक्त राष्ट्र संघ% (यूएनओ) ने ऐसा कुछ नहीं किया है और दुनिया की प्रमुख शक्तियों ने उससे ऐसा कुछ नहीं करवाया है। दुनिया में अशांति का कारण क्या है, हम बार-बार युद्ध क्यों झेल रहे हैं, राष्ट्रों के बीच संघर्ष क्यों हैं? निकी वॉकर की किताब %हम क्यों लड़ते हैं? संघर्ष, युद्ध और शांति% तथा स्टीव किलेलिया की पुस्तक %अराजकता के युग में शांति% ने हमें वर्तमान समस्याओं को हल करने के तरीके खोजने तथा विश्व में सतत विकास प्रक्रिया का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कई बातें उजागर की हैं।

जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया था, तब यह माना गया था कि यह हफ्तेभर में समाप्त हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रूसी आक्रमण से यूक्रेन की रक्षा के लिए अमेरिकी सहायता ने अप्रत्यक्ष रूप से हथियारों के बाजार को लाभ पहुंचाया है तथा पूरे यूरोप में युद्ध, पलायन, विस्थापन और शरणार्थी मुद्दों के माहौल ने बहुत उथल-पुथल मचा दी है। यह युद्ध अब रूस के साथ चीन और %उत्तर अटलांटिक संधि संगठन% (नाटो) के देशों के बीच युद्ध में बदल गया है, जो बहुत ही भयानक रूप लेने वाला है।

दुनिया के अमीर और परमाणु शक्ति-संपन्न देशों के पास 10,000 से अधिक परमाणु हथियार हैं। उनमें से कुछ के ही उपयोग से मानव जीवन और मानव सभ्यता पूरी तरह से गायब हो जाएगी। यह जानते हुए भी तानाशाह लड़ते रहते हैं और परमाणु हथियारों के उपयोग की धमकी देते रहते हैं। मध्य-पूर्व में ईरान, तुर्की, जॉर्डन और लेबनान जैसे इस्लामी देश गाजा पट्टी और पश्चिमी तट पर इजरायल के हमले के कारण इजरायल के खिलाफ हैं। हमास-हूती-हिजबुल्लाह जैसे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई और अमेरिका द्वारा उसके समर्थन ने अप्रत्यक्ष रूप से मध्य-पूर्व में विनाश को जन्म दिया है।जब एक आतंकवादी संगठन तालिबान अफगानिस्तान जैसे देश को नियंत्रित कर शासन चला रहा है, तो यह असंभव नहीं है कि दुनिया के सभी आतंकवादी संगठन एकजुट होकर इस दुनिया से लोकतंत्र की मौत का कारण बनें। तानाशाहों, हिंसक आतंकवादियों के कारण आज दुनिया में शांति से रहना असंभव हो गया है।एकतरफावाद और आतंकवाद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। तानाशाहों और आतंकवादियों के पास कोई सिद्धांत या आदर्श नहीं होता। वे किसी धर्म को भी नहीं मानते। इसके बजाय, वे अपनी राय दूसरों पर थोपते हैं। तानाशाहों और आतंकवादियों की ताकतों के पीछे कॉर्पोरेट हैं। वास्तव में कॉर्पोरेट ताकत ही दुनिया पर राज कर रही है और यही आज की अशांति का मुख्य कारण है।कॉरपोरेट सत्ता आतंकवादी संगठनों के लिए हथियार बना रही है, कॉरपोरेट सत्ता ने तानाशाहों को विश्व व्यापार के लिए लालची बना दिया है, डॉलर से बांध दिया है और दुनिया की प्रमुख संस्थाओं ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोषविश्व व्यापार संगठन,विश्व बैंक आदि के माध्यम से कर्ज देकर तीसरी दुनिया को पूरी तरह से बांध लिया है। कॉरपोरेट सत्ता ने दुनिया के संसाधनों को हड़प लिया है और पूरी दुनिया में आतंक, अशांति, संघर्ष पैदा किया है जिसकी परिणति युद्ध में होती है। इस संबंध में डेविड कॉर्टन की एक बहुचर्चित पुस्तक है, %व्हेन कॉरपोरेशन्स रूल द वर्ल्ड।% कॉरपोरेट शासन किस तरह वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है और विश्व शांति को नुकसान पहुंचा रहा है, यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मध्य-पूर्व में कई वर्षों से चल रहे और हाल के युद्ध के पीछे अमेरिका अप्रत्यक्ष रूप से इजरायल का समर्थन कर रहा है।मौजूदा सरकार की इस्लाम विरोधी नीतियों के प्रचार और इस्लाम विरोधी कदमों के कारण भारत अब सभी इस्लामी देशों के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। इसी तरह, दक्षिण-एशिया में चीन के प्रभाव के कारण भारत अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध खो चुका है और संघर्ष में पड़ गया है। यह असंभव नहीं है कि ये सभी संघर्ष आगे चलकर युद्ध में बदल जाएं, जिससे दक्षिण-एशिया में एक और युद्ध हो। यह असंभव नहीं है कि ताइवान पर चीन का लालच, तिब्बत पर चीन का अधिकार और कोरियाई प्रायद्वीप पर दो कोरिया के बीच युद्ध, उत्तर-कोरिया को दक्षिण-कोरिया पर हमला करने के लिए मजबूर कर देगा। दुनिया के 7-8 ऐसे मैदानी युद्ध, कुछ देशों के गृह-युद्ध विश्व शांति को व्यापक रूप से भंग कर देंगे, यह तय है।दुनिया में दलीय व्यवस्थाएं, चाहे वे बहुदलीय हों, द्विदलीय हों या एकदलीय हों, सभी भ्रष्टाचार, व्यभिचार, झूठ और अंततः मनमानी को बढ़ावा देती हैं। दलीय व्यवस्था व्यक्तिगत शासन में बदल गई है। एक व्यक्ति अपनी इच्छानुसार कुछ चापलूसों, चाटुकारों को लेकर शासन का जाल फैलाता है और आम लोग उस जाल में फंसते जाते हैं। यह व्यवस्था आज भी पूरी दुनिया में लागू है। जहां भी ऐसा हो रहा है, लोग उस व्यक्तित्व को हटा रहे हैं, उसे सत्ता से बेदखल कर रहे हैं, लेकिन दलीय व्यवस्था के भीतर कोई दूसरा व्यक्ति शासक बनकर उभरता है और शोषण तथा अत्याचार करना शुरू कर देता है। दलीय लोकतंत्र और व्यक्तिवाद लोकतंत्र के नाम पर काम कर रहे हैं। इससे दुनिया में कारपोरेट साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला है।

यह शासन व्यवस्था लोकतंत्र के चारों स्तंभों - विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया को समाप्त करके तानाशाही चलाना चाहती है, जो वास्तव में %निगम के लिए, निगम द्वारा और निगम की% है। इस शासन व्यवस्था ने करोड़ों लोगों के लिए अशांति पैदा की है, जीवन और मृत्यु की समस्याएं पैदा की हैं। अब विकल्प लोक-लुभावनवाद है, जो विश्व शांति और लोकस्वराज स्थापित करने में मदद कर सकता है।

यह दुनिया से भय, भ्रम और आतंक को खत्म करने, नफरत, हिंसा, असहिष्णुता को मिटाने और युद्धों और संघर्षों को खत्म करने में मदद कर सकता है। कॉर्पोरेट सत्ता को खत्म करने, गुटबाजी को मिटाने, सत्तावाद और अधिनायकवाद को हराने के लिए जनता की राजनीति, जनता का शासन जरूरी है। विश्व में स्थायी शांति, देश में शाश्वत प्रगति, राज्य में अपार समृद्धि और लोगों के जीवन में आशाजनक विकास के लिए जनता का शासन आवश्यक है।

संपादकीय

इज़रायल-हमास युद्ध का एक साल

7 अक्टूबर, 2023 को ठीक एक साल पहले हमास ने इज़रायल पर और जवाब में इज़रायल ने फिलीस्तीन के गज़ा पर बमबारी कर उस युद्ध की शुरुआत की थी जो अब तक न केवल जारी है बल्कि और भयावह शक्ल ले चुका है। इज़रायली सेना द्वारा गज़ा के उन अस्पतालों को निशाना बनाया गया था जिनमें बच्चे आए तो थे इलाज कराने पर जान गंवा बैठे थे। उस आक्रमण को एक तरह से नरसंहार ही बतलाया गया था लेकिन उस वक्त भी पूरा पश्चिम जगत इज़रायल के साथ था। जो मुल्क फिलीस्तीन के साथ थे, उनकी आवाज़ इतनी कमजोर थी कि वह ताकतवार पश्चिमी देशों द्वारा दबा दी गयी थी।एक ओर तो इज़रायल साल भर में उसके द्वारा मारे गये हमास के लड़ाकों की संख्या जारी कर रहा है तो वहीं दूसरी ओर इस लड़ाई में फिलहाल ईरान का तथा कुछ अरसा पूर्व लेबनान का शामिल होना बतलाता है कि स्थिति एक तरह से बेहद विस्फोटक है।

कई सामरिक विशेषज्ञ तो इसे तीसरे महायुद्ध की बाकायदा शुरुआत के रूप में ही देख रहे हैं। अरब-इज़रायल लड़ाई जिस मोड़ पर खड़ी है वहां विश्व बिरादरी द्वारा शांति प्रयासों के गम्भीर प्रयासों की ज़रूरत है, न कि इसे हथियार बेचने का अवसर समझने की।

बहरहाल, इज़रायल ने बताया है कि उसने इस एक साल के दौरान गज़ा में हमास के 17 हजार लड़ाकों को मार गिराया है। एक हजार को तो इज़रायल के भीतर ही मौत के घाट उतारा गया। आईडीएफ कही जाने वाली इज़रायली सेना ने गज़ा पट्टी, वेस्ट बैंक तथा लेबनान पर दागे गये रॉकेटों की संख्या भी सूचित की है। इज़रायली सेना का दावा है कि उसने गज़ा में 40300 ठिकानों पर हमले किये। 4700 बंकरों को उसके द्वारा नष्ट किया गया। हमास के 8 बटालियन कमांडरों को मौत के घाट उतारा गया। 165 कंपनी कमांडर या उसके समकक्ष मारे गये सो अलग। 800 से ज्यादा उन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा आईडीएफ ने किया है जो ज्यादातर ईरान समर्थक संगठनों से सम्बद्ध थे। रिपोर्ट में इज़रायल के 728 सैनिकों के मारे जाने तथा 4576 सैनिकों के ज़ख्मी होने को स्वीकारा गया है।इस युद्ध का विस्तार भी होता चला गया है। हमास के अलावा हिजबुल्लाह और हूती जैसे संगठन भी शामिल हो गये हैं। हिजबुल्लाह के खिलाफ चलाये गये अभियानों में इज़रायल ने लेबनान पर भी आक्रमण किये हैं। उसके अनुसार हिजबुल्लाह के लड़ाके ईरान में छिपे हुए हैं इसलिये उनके ठिकानों पर भी बमबारी की गयी है। विशेषकर उसके बेरूत स्थित खुफिया मुख्यालय पर हमले किये गये। दूसरी तरफ हिजबुल्लाह का भी दावा है कि उसने इज़रायल के हाइफ़ा शहर के दक्षिण में स्थित सैन्य ठिकाने पर बमबारी की जिसमें 10 इज़रायली मारे गये। लड़ाई के एक साल पूरा होने पर इज़रायल ने गज़ा पट्टी में विस्थापितों को आश्रय देने वाली एक मस्जिद तथा स्कूल पर हवाई हमला किया जिसमें 25 से ज्यादा लोग मारे गये हैं। इस दिन को किसी जश्न की तरह मनाने के अंदाज़ में इज़रायल द्वारा सैन्य प्रदर्शनी की गयी जिसमें वे हथियार, उपकरण, वाहन आदि प्रदर्शित किये गये जो लड़ाई में इस्तेमाल किये जा रहे हैं।

इज़रायल ने साफ किया है कि उसने जवाबी कार्रवाइयों कर 41 हजार से ज्यादा लोगों को एक साल में मारा जिनमें ज्यादातर आम नागरिक थे।उपरोक्त आंकड़े जारी करना तथा सैन्य प्रदर्शनी करने के अलावा इस मौके पर लोगों में जोश भरने के उद्देश्य से इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेत्यनाहू ने हमास को पूरी तरह से खत्म करने की कसम तो खाई ही, यह साफ किया कि कोई उसका साथ दे या न दे- यह संकल्प उनका देश पूर्ण करेगा। इज़रायल ने पहले ही कह दिया था कि वह जल्दी ही ईरान पर भी बड़ा हमला करेगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में ईरान ने इज़रायल पर लगभग 200 मिसाइलें दागी थीं। इसका बदला लेने की बात नेत्यनाहू ने दोहराई। इस लड़ाई की पहली सालगिरह पर जिस तरह से नये आक्रमणों तथा बदला लेने की बातें हो रही हैं उससे साफ है कि इसका हल फिलहाल किसी के पास नहीं है।

है भी तो उसकी मंशा किसी की नहीं है।इस लड़ाई ने जहां पूरे गज़ा को मलबे में बदलकर रख दिया है, वहीं युद्ध का विस्तार पूरे मध्य पूर्व में होता भी दिख रहा है। इसके कारण वाणिज्यिक महत्व के लाल सागर और हिंद महासागर के समुद्री रास्ते भी खतरे से भर गये हैं। यह वो समुद्री मार्ग हैं जिनसे होकर कई महाद्वीपों का परस्पर कारोबार होता है। लाल सागर एवं अदन की खाड़ी में एक भारतीय व्यापारिक पोत पर हूती विद्रोहियों द्वारा गुजरात के पोरबंदर से 217 समुद्री मील की दूरी पर ड्रोन से हमला किया गया था।

इसमें आग लग गई थी और इसे किसी तरह से भारतीय तट रक्षक बचाकर लाये थे। विश्व के कुल अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय का 10 फीसदी इसी मार्ग से होता है- खासकर कच्चे तेल की आपूर्ति।

राहुल गांधी की अमेरिका में टिप्पणियां: सच या दुर्भावना

सिक्ख धर्म के हिंदू धर्म का हिस्सा होने के दावों का खंडन केहन सिंह की पुस्तक %हम हिंदू नहीं% में किया गया है। यदि हम सिक्खों की परंपराओं पर ध्यान दें, तो उनमें सांप्रदायिक मेलजोल नजर आता है। स्वर्ण मंदिर की नींव मियां मीर ने रखी थी। सिक्ख धर्म बाबा फरीद और अन्य सूफी संतों का सम्मान करता है और साथ ही भक्ति संतों जैसे कबीर और रैदास का भी।

अमेरिका की अपनी हालिया यात्रा के दौरान राहुल गांधी (आरजी) ने लोगों के साथ कई बार बातचीत की। ऐसी ही एक बैठक के दौरान उन्होंने दर्शकों के बीच बैठे एक सिक्ख से उसका नाम पूछा। वे भारतीय राजनीति के दो ध्रुवों की चर्चा कर रहे थे और भारत में संकीर्ण कट्टरपंथी राजनीति के ज्यादा प्रबल और आक्रामक होने की ओर बात कह रहे थे। उन्होंने उन सज्जन की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि भारत में %संघर्ष इस मुद्दे पर है कि उन्हें सिक्ख होने के नाते, पगड़ी पहनने दी जाएगी या नहीं, या कड़ा पहनने की इजाजत होगी या नहीं या वे एक सिक्ख के रूप में गुरूद्वारे जा पाएंगे या नहीं। लड़ाई इसी बात की है और यह मुद्दा सिर्फ उन तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी धर्मों के लिए प्रासंगिक है।%

यह स्पष्ट है कि सिक्खों का उदाहरण दिया जाना केवल एक संयोग था और उनका इशारा भारत में अल्पसंख्यकों को आतंकित करने की व्यापक प्रवृत्ति की ओर था। भाजपा के कुछ सिक्ख और अन्य नेताओं ने आरजी पर हमला किया और हमेशा की तरह उन पर राष्ट्रविरोधी, विभाजक होने सहित कई अन्य आरोप लगाए। इन आलोचनाओं में सांस्कृतिक अधिकारों और समाज के भिन्न-भिन्न तबकों के भिन्न आचार-व्यवहार के मुद्दे की जानबूझकर उपेक्षा की गई। इस अवसर का उपयोग भाजपा ने एक बार फिर आरजी पर हमला करने के लिए किया. वे पहले भी भाजपा के निशाने पर रह चुके हैं।आरजी ने एक ट्वीट कर अपने सपनों के भारत की अवधारणा को स्पष्ट किया %हमेशा की तरह भाजपा झूठ का सहारा ले रही है। वे मुझे चुप कराना चाहते हैं क्योंकि वे सच्चाई का सामना नहीं कर सकते। मैं हमेशा भारत को परिभाषित करने वाले मूल्यों के पक्ष में बोलता रहूंगा - अनेकता में एकता, समानता और आपसी प्रेम।%आरजी की भावनाओं से बेखबर केबिनेट मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक लेख में लिखा कि सिक्खों को सिर्फ 1980 के दशक के दौरान समस्याओं का सामना करना पड़ा। उनका इशारा देश के कई हिस्सों, विशेषकर दिल्ली में हुए सिक्खों के नरसंहार की ओर था। उन्होंने आरजी के नजरिए को मोहम्मद अली जिन्ना जैसा बताया, जो देश का विभाजन करवाने पर तुले हुए थे। उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों, जिनमें से बहुत से सिक्ख थे, की मांगों की कई महीनों तक पूरी तरह उपेक्षा की और उसके बाद ही किसान विरोधी कानूनों का वापिस लिया। उस दौरान हुए व्यापक विरोध में भाग लेने वाले सिक्खों को खालिस्तानी बताया गया था।

जहां तक 1984 के नरसंहार का सवाल है, उसके दोषियों को कभी माफ नहीं किया जा सकता। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मनमोहन सिंह, जो एक दशक तक प्रधानमंत्री रहे, ने इसके लिए क्षमाचायना की थी और हमारी अपेक्षा है कि हिंसा के दोषियों के विरूद्ध शीघ्रातिशीघ्र उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 1984 के अपराधियों को कई दशकों तक दंडित न किया जाना अत्यंत निंदनीय है।इस तथ्य की ओर ध्यान नहीं दिया जाता कि आरएसएस-भाजपा इस नरसंहार के दौरान सिक्खों के बचाव के लिए आगे नहीं आए बल्कि, इसके विपरीत, शमसुल इस्लाम, जो भारत में कट्टरपंथ के जोर पकड़ने के विषय के प्रमुख अध्येताओं में से एक हैं। दावा करते हैं कि आरएसएस ने भी इस भयावह नरसंहार में भागीदारी की। % इस आपराधिक मिलीभगत का महत्वपूर्ण प्रमाण आरएसएस के एक प्रमुख विचारक स्वर्गीय नानाजी देशमुख द्वारा 8 नवंबर 1984 को जारी किया गया %अंतरात्मा की खोज का समय% शीर्षक वाला एक दस्तावेज है (जिसे जार्ज फर्नांडीज द्वारा संपादित हिंदी पत्रिका प्रतिपक्ष में प्रकाशित किया गया था). इससे उन कई अपराधियों के चेहरों पर से नकाब हटाने में मदद मिल सकती है जिन्होंने बेकसूर सिक्खों के कत्ल किए और उनके साथ दुष्कर्म किया, जिनका इंदिरा गांधी की हत्या से कोई लेना-देना नहीं था। इस दस्तावेज से इस बारे में भी जानकारी मिल सकती है कि वे स्वयंसेवक कहां से आए थे, जिन्होंने योजनाबद्ध ढंग से सिक्खों की हत्याएं कीं। नानाजी देशमुख इस दस्तावेज में 1984 में सिक्खों के नरसंहार तो सही ठहराते नज़र आते हैं।%आरजी की आलोचना से जुड़ा एक मुद्दा और है। कई सिक्ख समूह इसे सिक्ख पहचान को मान्यता देने के स्वागतयोग्य कदम की तरह देख रहे हैं। पूर्व आरएसएस प्रमुख के. सुदर्शन ने एक वक्तव्य में कहा था कि सिक्ख धर्म वास्तव में हिंदू धर्म का एक पंथ (सम्प्रदाय) है और खालसा की स्थापना हिंदुओं की इस्लाम से रक्षा करने के लिए की गई थी। 2019 में मोहन भागवत ने कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है। इन दोनों वक्तव्यों के विरूद्ध कड़ी प्रतिक्रिया हुई थी। इन वक्तव्यों से आरएसएस की मानसिकता भी पता चलती है। हम जानते हैं कि सिक्ख मात्र एक पंथ नहीं है बल्कि एक धर्म है; जिसकी स्थापना गुरू नानक देवजी ने की थी। उन्होंने कहा था न हम हिंदू न हम मुसलमान।पंजाब ट्रिब्यून और नवा जमाना जैसे प्रमुख पंजाबी समाचारपत्रों ने अपने संपादकीय में भागवत के वक्तव्य की कड़ी आलोचना की। वहीं शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबधंक कमेटी (एसजीपीसी) और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी), जो एनडीए का हिस्सा है, और भाजपा का सहयोगी दल रह चुका है, ने भी भागवत के वक्तव्य पर कड़ी प्रतिक्रिया की।अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि उनका मानना है कि आरएसएस की इन हरकतों से देश में फूट पड़ेगी। %आरएसएस नेताओं के वक्तव्य देश के हित में नहीं हैं,% उन्होंने लिखा।सिक्ख धर्म के हिंदू धर्म का हिस्सा होने के दावों का खंडन केहन सिंह की पुस्तक %हम हिंदू नहीं% में किया गया है। यदि हम सिक्खों की परंपराओं पर ध्यान दें, तो उनमें सांप्रदायिक मेलजोल नजर आता है। स्वर्ण मंदिर की नींव मियां मीर ने रखी थी। सिक्ख धर्म बाबा फरीद और अन्य सूफी संतों का सम्मान करता है और साथ ही भक्ति संतों जैसे कबीर और रैदास का भी। सिक्खों में गुरू का दर्जा रखने वाले गुरूग्रन्थ साहिब में सिक्ख गुरूओं की वाणी के साथ-साथ सूफी और भक्ति संतों को भी स्थान दिया गया है। उसका मुख्य विचार और लक्ष्य है मौलानाओं और ब्राह्मणवादी शिक्षाओं द्वारा लादी लिंग और जाति संबंधी गैरबराबरी को दूर करना।भारतीय उपमहाद्वीप में जन्मे धर्मों बौद्ध, जैन और सिक्ख सभी मानव जाति में बराबरी की वकालत करते हैं और एक तरह से जाति व लिंग संबंधी पदक्रम से दूरी बनाते हैं। कई सिक्ख नेता मात्र सत्ता की खातिर भाजपा में शामिल होने का प्रयास करते हैं, और उनका ध्यान सिक्खवाद के मानवीय मूल्यों और ब्राह्मणवादी रूढ़िवाद के बीच के विरोधाभास की ओर नहीं जाता। जैसा अम्बेडकर ने कहा कि ब्राह्मणवाद हिंदुत्व का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी के चलते उन्होंने हिंदू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया।सिक्ख धर्म भारतीय इतिहास के तथाकथित मुस्लिम काल में फला-फूला। कई सिक्ख संगठनों की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद अब आरएसएस सिक्ख धर्म को एक स्वतंत्र धर्म के रूप में स्वीकार करने लगा है।

गुलाबी डॉल्फिन

डॉल्फिन को इंसान की दोस्त माना जाता है। इसे बच्चों के साथ खेलना बेहद पसंद है। पृथ्वी पर इंसान के बाद डॉल्फिन ही सबसे ज्यादा बुद्धिमान प्राणी मानी जाती है। दुनियाभर में इसकी 40 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसका आकार चार फुट से 30 फुट और वजन 40 किलोग्राम से 10 टन तक हो सकता है। डॉल्फिन एक ही समय पर तैर भी सकती हैं और सो भी सकती हैं। डॉल्फिन को पानी में जंप करना बहुत पसंद है। दक्षिण एशिया में डॉल्फिन की एक ऐसी प्रजाति पाई जाती है, जो जन्म के समय कुदरती तौर पर अंधी होती है।

इन डॉल्फिन का सोनर सिस्टम बहुत संवेदनशील होता है और ये अपने शरीर के एक ओर ही तैरती हैं। अमेजन नदी में रहने वाली डॉल्फिन का रंग गुलाबी है। इसका गुलाबी रंग नदी के पानी और इसके भोजन के कारण है। ये रोज़ाना काफ़ी ज्यादा भोजन खाती हैं। इन्हें अकेले खाना पसंद नहीं है। जब भी इन्हें मछलियों का झुंड दिखाई देता है, ये ऊंची आवाज़ में अपनी साथी डॉल्फिंस को बुला लेती हैं।

गुलाबी डॉल्फिन लगभग ग्रे डॉल्फिन की ही तरह होती है, पर इन ´कुछ भिन्नता भी है। इसकी लंबाई 2.5 से 3 मीटर और वजन 90 किलोग्राम तक होता है। इसकी पीठ और माथे पर कूबड़ होता है और इसकी पूंछ और गर्दन भी ग्रे डॉल्फिन के मुक़ाबले थोड़ी-सी लंबी होती है। छोटी आंखों वाली गुलाबी डॉल्फिन अपना सिर 180 डिग्री पर घुमा सकती है। इनका शरीर लैसीबल होता है, इसलिए ये 20 मील प्रति घंटे की दर से पानी में तैर सकती हैं। यह 15 मिनट तक पानी के नीचे रह सकती है, फिर इसे सांस लेने के लिए इन्हें पानी के ऊपर आना पड़ता है।

गेटवे ऑफ जापान

जापान में पांच ऐसे एयरपोर्ट हैं, जो पूरी तरह समुद्र में बने हुए हैं। ये हैं- नागासाकी एयरपोर्ट, कंसाई इंटरनैशनल एयरपोर्ट, चुबु सेंट्रेयर इंटरनैशनल एयरपोर्ट, कोबे एयरपोर्ट और कितायूशू एयरपोर्ट। चुबु सेंट्रेयर इंटरनैशनल एयरपोर्ट जापान का तीसरा ऐसा एयरपोर्ट है, जो पूरी तरह से आर्टिफिशियल आईलैंड पर बना हुआ है। यह नागोया शहर से 35 किलोमीटर दक्षिण में आइस बे ऑफ चिता पेनिन्सुला में स्थित है।

17 फरवरी 2005 से यहां से हवाई सेवाएं शुरू की गईं। 24 घंटे सेवाएं देने वाला यह एयरपोर्ट देश के बीच स्थित होने के कारण जापान का गेटवे भी कहलाता है। इसे प्यार से 'टोयोटा एयरपोर्ट' भी कहते हैं। अगस्त 2000 में इसका निर्माण कार्य शुरू किया गया।

अनुमान लगाया गया था कि इसके निर्माण की लागत 768 बिलियन जापानी येन आएगी, लेकिन सफल प्रबंधन के चलते इसमें लगभग 100 बिलियन जापानी येन कम खर्च हुए। इसका निर्माण पर्यावरण की सुरक्षा का ध्यान रखकर किया गया। इस एयरपोर्ट के लिए आर्टिफिशियल आईलैंड अंग्रेज़ी के अक्षर 'डी' के आकार में बनाया गया, ताकि खाड़ी के भीतर समुद्र की लहरें आज़ादी से बह सकें।

टेकऑफ एंड लैंडिंग- 580 हैक्टेयर में फैले सेंट्रेयर एयरपोर्ट में चार मंज़िलें हैं। रनवे 3,500 मीटर लंबा है, जबकि रनवे स्ट्रिप 300 मीटर चौड़ी है। यात्री विमान अपनी सुविधानुसार दिन या रात में किसी भी समय उड़ान भर सकते हैं या उतर सकते हैं, जबकि मालवाहक जहाज़ रात में टेकऑफ और लैंड करते हैं।

ढेर सारी सुविधाएं- एयरपोर्ट की इमारत इस तरह से बनाई गई है कि उस पर व्हीलचेयर आसानी से जा-आ सके। दूसरे तल पर लिनिक और तीसरी मंज़िल पर कॉन्फ्रैंस-हॉल है। यहां पोस्ट- ऑफिस, बैंक, करेंसी एक्सचेंज और कोबैन के अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए भी बहुत-सी सुविधाएं हैं।

जहां होती है 6 महीने रात

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी का चुबकीय क्षेत्र उलट रहा है और किसी दिन कम्पास दक्षिण की बजाय उत्तरी की ओर संकेत कर सकती है।

उत्तरी ध्रुव

उत्तरी ध्रुव पृथ्वी का सबसे सुदूर उत्तरी बिंदु है। यह वह बिंदु है, जहां पृथ्वी की धूरी घूमती है। यह आर्कटिक महासागर में पड़ता है। यहां अत्याधिक ठंड पड़ती है, क्योंकि लगभग छः महीने यहां सूरज नहीं चमकता है। ध्रुव के आसपास का महासागर बहुत ठंडा है और सदैव बर्फ़ की मोटी चादर से ढंका रहता है। इस भौगोलिक उत्तरी ध्रुव के निकट ही चुबकीय उत्तरी ध्रुव है।

कम्पास की सूई इसी चुबकीय उत्तरी ध्रुव की ओर संकेत करती है। उत्तरी तारा या ध्रुव तारा उत्तरी ध्रुव के आकाश पर सदैव निकलता है। सदियों से नाविक इसी तारे को देखकर यह अनुमान लगाते रहे हैं कि वे उत्तरी में कितनी दूर हैं। उत्तरी ध्रुव, दक्षिणी ध्रुव की तुलना में कम ठंडा है, क्योंकि यह महासागर के मध्य में समुद्र स्तर पर स्थित है। सर्दियों में (जनवरी) यहां का तापमान -43 डिग्री सैल्सियस से -26 डिग्री सैल्सिय के बीच रहता है। गर्मियों में (जून, जुलाई, और अगस्त) में औसत तापमान जमाव बिंदु के आसपास रहता है। उत्तरी ध्रुव में समुद्र पर जमी बर्फ़ की परत 2 से 3 मीटर तक मोटी होती है, हालांकि ग्लोबल वार्मिंग के चलते पछले कुछ सालों में यहां बर्फ़ की परतों की औसत मोटाई में कुछ कमी आई है। कई बार तैरते हुए हिमखंडों के नीचे आप साफ़ पानी देख सकते हैं। यहां ध्रुवीय भालू, आर्कटिक लोमड़ियां और सील काफ़ी संख्या में पाई जाती हैं। सर्दियों में भालू हाइबरनेट करते हैं यानी ये सर्दियों के दौरान निष्क्रिय रहते हैं। वे सारा वत गुफा में छिपे बैठे रहते हैं और शिकार नहीं करते। लेकिन जैसे ही यहां गर्मियों का मौसम शुरू होता है, वे शिकार के लिए निकल पड़ते हैं। उत्तरी ध्रुव पर हिम बंटिंग, उत्तरी फुल्मर और काली-टांगों वाली किटिवेक समेत कई पक्षी भी पाए जाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार वर्तमान में उत्तरी ध्रुव और आर्कटिक महासागरीय क्षेत्रों पर किसी भी देश का अधिकार नहीं है। इसके आसपास के पांच देश रूस, कनाडा, नॉर्वे, डैनमार्क (ग्रीनलैंड) और अमरीका (अलास्का) अपनी सीमाओं के 200 नॉटिकल-मील (370 किमी.) तक के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र तक सीमित हैं। इसके आगे के क्षेत्र का प्रशासन अंतरराष्ट्रीय सीबेड प्राधिकरण के पास है।

दक्षिणी ध्रुव

दक्षिणी ध्रुव पृथ्वी का सबसे दक्षिणी छोर है। यह अमरीका से लगभग दोगुने आकार का एक बहुत विशाल पर्वतीय महाद्वीप है। इसे अंटार्कटिका के नाम से भी जाना जाता है। यह बहुत ही ठंडा स्थान है। अंटार्कटिका के अधिकतर द्वीप पर बर्फ़ की एक मोटी चादर फैली रहती है। अपने केंद्र पर तो यह डेढ़ किमी से भी मोटी बर्फ़ से ढंका हुआ है। दक्षिण ध्रुव की जलवायु उत्तरी ध्रुव के मुक़ाबले कहीं अधिक प्रचंड है।

पैंग्विंस के सिवाय भूमि पर रहने वाला कोई अन्य जानवर यहां पाया नहीं जाता है। यहां पौधे भी बहुत दुर्लभ मिलते हैं। यहां उगने वाली बहुत कम चीज़ों में शैवाल, काई, घास और फूलों के कुछ पौधे शामिल हैं। दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना बहुत कठिन है, जबकि उत्तरी ध्रुव पर आप आसानी से पहुंच सकते हैं, क्योंकि यह समुद्र और समतल समुद्री बर्फ़ से ढंका हुआ है। यहां आने वाले जहाज़ों को भी आमतौर पर बर्फ़ीले समुद्री रास्ते से होकर जाना पड़ता है।

यहां की कोई स्थानीय जनसंख्या नहीं है, केवल यहां पर रिसर्च करने के लिए आने वाले वैज्ञानिकों की लोनियां हैं। तट पहुंचने के बाद भूमार्ग से यात्रा करने वाले खोजियों को भी ध्रुव तक पहुंचने के लिए 1,600 किलोमीटर से अधिक की यात्रा बहुत मुश्किल मौसम में करनी पड़ती है। इस इलाके में बहुत अधिक तूफ़ान आते हैं।

उन्हें तैरते हिमखंडों को पार करके बर्फ़ से ढंकी भूमि और सीधे खड़े पर्वतीय हिमनदों को तेज़ और जमा देने वाली बर्फ़ीली हवाओं के बीच पार करना होता है। गर्मियों के दौरान दिसंबर के अंत से मार्च के अंत तक कभी भी सूर्यास्त नहीं होता। इसके बावजूद गर्मियों में भी यहां का तापमान जमाव बिंदु के नीचे रहता है। सर्दियों के दौरान यहां कई सप्ताह तक सूर्योदय नहीं होता और यहां तापमान शून्य से 25-35 डिग्री सैंटीग्रेट तक नीचे रहता है।

ध्रुवीय बिंदुओं पर छः महीने की सर्दियां होती हैं और कभी भी सूर्यास्त नहीं होता। जब सूर्योदय होता है, तो छः महीनों की लंबी गर्मियां आरंभ होती हैं...

भावुक मन

बचपन में दादा-दादी, नाना-नानी और माता-पिता द्वारा सुनाई गई कहानियां आने वाली ज़िंदगी पर भी प्रभाव डालती हैं। ये कहानियां ही हमें नैतिकता, जीवन के मूल्य, संस्कार और संस्कृति से वाकिफ कराती हैं। कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जो बच्चे के भावुक मन में गहरे तक पैठ कर जाती हैं और उनके जीवन का हिस्सा बन जाती हैं।मुझे आज भी याद है कि बचपन में मेरी मम्मी मेरा मन बहलाने के लिए मुझे कहानियां सुनाया करती थीं।

उनमें से कई कहानियां ऐसी थीं, जो उन्होंने अपनी नानी-दादी से सुनी थीं, यानी पीढ़ि दर पीढ़ि वे कहानियां सुनी/सुनाई जा रही हैं। उनकी सुनाई बहुत सी कहानियां मुझे आज भी याद हैं। मम्मी द्वारा सुनाई गई एक कहानी ऐसी भी थी जो मेरे दिल को छू गई। मुझे ऐसा लगता जैसे मैं ख़ुद उस कहानी में शामिल हूं। यह कहानी गणेश जी के जन्म की है। माता पार्वती ने भगवान शिवजी की अनुपस्थिति में अपने शरीर की मैल से गणेश जी की प्रतिमा बनाई और उसमें प्राण डाल दिए। माता पार्वती ने उन्हें अपना पुत्र मान लिया।

माता पार्वती ने गणेश जी को द्वार पर खड़े होने का आदेश दिया और कहा, 'पुत्र मैं अंदर स्नान करने जा रही हूं। किसी को अंदर प्रवेश मत करने देना।' गणेश जी माता की आज्ञा सुनकर द्वार के पास खड़े हो गए। गणेश जी अभी द्वार पर खड़े हुए ही थे कि भगवान शिव बाहर से लौट आए। वह जब अंदर जाने लगे, तो गणेश जी ने कहा, 'अंदर मत जाओ, मेरी माता जी स्नान कर रही हैं।' भगवान शिव ने पूछा, 'तुम्हारी माता जी कौन है?' गणेश जी ने कहा, 'पार्वती जी ही मेरी माता हैं।'गणेश जी का जवाब सुनकर भगवान शिव को बहुत क्रोध आया और वह बलपूर्वक अंदर जाने लगे, लेकिन तभी बालक गणेश उन्हें रोकते हुए उनसे युद्ध करने के लिए तैयार हो गए। क्रोधित शिवजी ने त्रिशूल से उनका सिर धड़ से अलग कर दिया। जब मम्मी यह कहानी सुनाती थीं, तो मेरा दिल अंदर तक पसीज जाता था और मेरी आखों से आंसू टप-टप करके बहने लगते थे। मैं अक्सर सोचा करता था कि मेरे साथ ऐसा क्यों होता है, पर अब समझ में आता है कि मैं शायद ख़ुद का गणेश जी के साथ संबंध स्थापित कर लेता था, जिसकी वजह से मैं रो पड़ता था। मेरे आंसू पोंछते हुए मेरी मम्मी समझातीं कि गणेश जी को हाथी के बच्चे का सिर लगा कर शिवजी ने दोबारा जीवित कर दिया और सभी देवताओं में शीर्ष स्थान दिया। कोई भी शुभ काम शुरू करने से पहले गणेश जी की पूजा होती है। मम्मी की यह बात सुनकर मुझे संतोष होता।

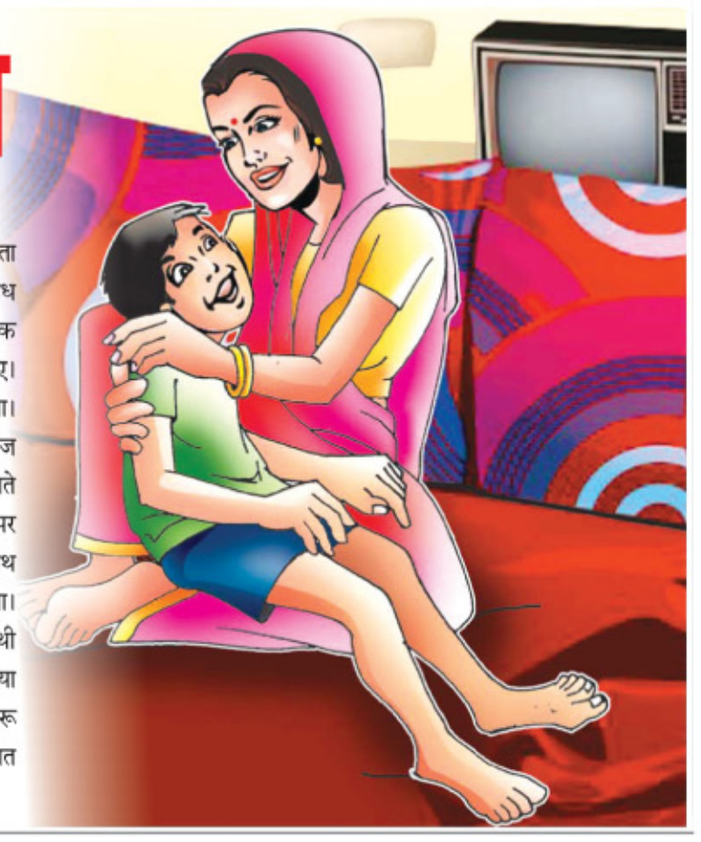

हेल्थ प्लस

चर्बी घटाने के लिये रोजाना पीयें तीन प्याला हरी चाय

निस्संदेह कसरत करना चर्बी घटाने का बेहतर तरीका है लेकिन एक नया शोध कहता है कि वजन कम करने में रोजाना तीन प्याला हरी चाय भी मददगार हो सकती है।

डेली मेल के अनुसार एक अंतरराष्ट्रीय समूह ने यह शोध किया और पाया कि रोजाना तीन प्याला हरी चाय पीने से जंक फूड लेने के बावजूद अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद मिल सकती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक हरी चाय ज्वलनशील रसायन उत्पन्न करती है जो चर्बीयुक्त कोशिकाएं बनने से रोकते हैं। ये रसायन उच्च रक्त चाप को भी नियंत्रित करते हैं।

क्विसलैंड यूनिवर्सिटी के प्रमुख शोधकर्ता डा. लिंडसे ब्राउन और उनके साथी हरी चाय, स्पीयरमिंट, अंगूर की जड़ों और जैतून की पत्तियों के मिश्रण से बनी चाय स्पीरोल टी के प्रभाव का अध्ययन करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे।

चूहों के एक समूह को चीनी युक्त आहार दिया गया। इससे उनके पेट के आसपास की चर्बी आठ सप्ताह में बढ़कर दोगुनी हो गयी। उनका रक्तचाप भी बढ़ गया। जब से उन्हें स्पीरोल टी देना शुरू की गयी, उनके पेट का आकार और रक्तचाप सामान्य हो गया।

उबासी में हैं बड़े गुण

उबासी पर आए नए शोध न केवल मानव शरीर के आंतरिक क्रियाओं के रहस्यों को जानने में मददगार साबित हो रहे हैं, बल्कि कुछ और रहस्यों से पर्दा भी उठा रहे हैं।

मानव और उसके सच्चे साथी कहे जाने वाले कुत्ते के बीच संबंधों का तानाबाना तलाशते-तलाशते बात उबासी तक पहुंच गई है। लंदन के वर्कबैक कॉलेज द्वारा कराए गए हालिया शोध में कुछ ऐसा ही दावा किया गया है। उबासी पर प्रयोगों में साबित हुआ है कि मानव शरीर की तमाम क्रियाओं के प्रति कुत्ते की संवेदनशीलता का नजदीकी संबंध है।

शोध में 29 कुत्तों को लिया गया और पाया गया कि उसके नजदीक मनुष्य को यदि उबासी आती है तो 72 प्रतिशत मामलों में उसके नजदीक बैठे कुत्तों को भी उबासी आती है। इसको इस तरह से भी देखा जा रहा है कि मनुष्य की आंतरिक क्रियाओं के के प्रति कुत्तों की संवेदनशीलता के तार उससे भी ज्यादा जुड़े हो सकते हैं जहां तक मनुष्य ने समझा है।

उबासियों को मानव शरीर की क्रियाओं की शुरूआत के तौर पर भी देखा जाता है, मसलन उबासी के बाद ही यूस्टेचियन ट्यूब खुलती है, फेफड़े फूलते हैं और एक झटके से मनुष्य की सुस्ती दूर हो जाती है। उबासियों का मनुष्य की तंत्रिका तंत्र से कितना गहरा लगाव है इसको इस तरह से भी समझा जा सकता है कि स्ट्रोक के शिकार व्यक्ति को भी उबासी के दौरान उसके लकवाग्रस्त अंगों में हरकत आ जाती है। स्ट्रोक से प्रभावित व्यक्ति पर यह प्रयोग ब्रिटेन की एक प्रयोगशाला में सर फ्रांसिस वाल्श के नेतृत्व में हो रहे हैं। इन्हीं प्रयोगों के रहस्यों से पर्दा उठाकर वैज्ञानिक लकवाग्रस्त अंगों को फिर से ठीक करने की जुगत लगा रहे हैं।

अब तक के शोध के कुछ बिंदु

अमूमन एक उबासी का चक्र 6 सेकेंड में पूरा हो जाता है। यह कभी आधी-अधूरी नहीं होती।

उबासी रीढ़धारी जीवों में आदि काल से मानी जाती है। वैज्ञानिक मानते हैं कि एक-दूसरे की देखादेखी उबासी लेने की प्रक्रिया बाद में शुरू हुई होगी।

मनुष्य की एक प्रक्रिया से दूसरे में जाते समय भी उबासी के लक्षण तंत्रिका तंत्र की खास प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। मसलन नींद से जागने, जागने से सोते जाते समय या फिर ऐसी ही क्रियाओं के समय भी उबासी के लक्षण इस बात का प्रमाण हैं।

त्रिविमीय स्केनरों के आने के बाद यह सिद्ध हो गया है कि गर्भ में दो महीने का बच्चा भी उबासियां लेने लगता है।

बढ़ते बच्चों की फिटनेस

फिट रहने की चाह आजकल सब में बढ़ती जा रही है। इस मॉडर्न दौर में लोग अपने आप को फिट रखने के लिए अधिक से अधिक प्रयास कर रहे हैं और जो होना भी चाहिए।

अगर पैरेन्ट्स यह आदत बच्चों में शुरू से ही डाल दें कि शरीर को फिट रखना अच्छी सेहत के लिए कितना जरूरी है तो वे शुरू से ही फिट रहेंगे।

बच्चों की फिटनेस के लिए कुछ खास बातों पर ध्यान दें-

बच्चों को डेली रूटीन में एक्सरसाइज करनी चाहिए, जो सुबह या शाम के समय में कर सकते हैं। जो बच्चे जिम में जाते हैं वे इस बात का ध्यान रखें कि हैवी वेट एक्सरसाइज उन्हें नहीं करनी चाहिए। लाइट वेट एक्सरसाइज, कार्डियो, एरोबिक्स, स्ट्रैचिंग और योगा ही करनी चाहिए और इसके अलावा पार्क में फुटबाल, वॉलीवाल और जोगिंग भी कर सकते हैं। गर्मियों में स्वीमिंग करना भी अच्छी एक्सरसाइज है।

बच्चों की अच्छी डाइट भी फिटनेस के लिए बहुत जरूरी है। बच्चों को प्रोटीन, विटामिन्स, कार्बोहाइड्रेट्स सही मात्रा में मिलना चाहिए क्योंकि बच्चों के मसल्स डवलप होते समय उनको यह मिलने से उनकी ग्रोथ भी अच्छी होगी। इन सब बातों का ध्यान देने से बच्चे फिट और सही हाइट का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

जल आधारित भोजन से कुछ घटता ही है वजन

पानी जीवन का आधार, बिन पानी सब सून। पहले प्यास बुझाने के लिए पानी पिया जाता था, बाद में शोधों से पता चला कि पानी में ढेरों औषधीय गुण विघमान हैं, चुनांचे ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जाने लगी। अब विज्ञानी नई खबर लेकर आए हैं और वह यह कि अगर स्लिम-ट्रिम होने के लिए आप गिलास पर गिलास पानी पेट में उतार रहे हैं तो समझ लें समय बरबाद कर रहे हैं। यानी ज्यादा पानी पीने से किसी भी सूरत में वजन कम नहीं होता है।

डायटीशियन लोगों को रोजाना कम से कम आठ गिलास पानी पीने की सलाह देते हैं। पानी का वजन पर पड़ने वाले प्रभाव के आकलन के लिए वैज्ञानिकों ने हाल में कई शोध किए। इनमें से एक रिसर्च में उन्होंने 1000 महिलाओं के बेट और वेस्ट यानी वजन और कमर के आकार का अध्ययन इस आधार पर किया कि वे प्रतिदिन कितना पानी पी रही हैं और उसे किस रूप में ले रही हैं। शोधकर्ता यह जानकर हैरान रह गए कि वजन कम करने के लिए ये महिलाएं ज्यादा पानी पी रही थीं, लेकिन अधिक पानी तथा वेट लूज में किसी तरह का कोई संबंध नही बन पा रहा था। अलबत्ता एक अच्छी सूचना यह हाथ लगी कि इन 1000 महिलाओं में से जो जल आधारित भोजन ले रही थीं, उनके वेस्ट के आकार में मामली-सा बदलाव आया था। विज्ञानियों का कहना है कि इस फाइंडिग के बाद सही तो यह होगा कि वे सभी लोग जो वजन कम करने के अभियान से जुटे हैं, ज्यादा पानी के बजाए फल, सब्जियां, जूस तथा सूप आदि लें। इससे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलेंगे और फाइबर अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद करेगा। इसके अलावा चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक्स तो हैं ही। पानी को वेट लूजर के रूप में इस्तेमाल करने के बारे में वैज्ञानिकों ने चेताया है कि ज्यादा पानी पी लेने से भूख कम लगती है। इसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है और व्यक्ति लो ब्लडप्रेशर का शिकार हो जाता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कतई यह मतलब नहीं है कि कम पानी पिया जाए। स्थान विशेष की जलवायु के हिसाब से शरीर खुद पानी की मांग करता है और उस मांग की आपूर्ति बेहद जरूरी है। पानी के बहाने शोधकर्ताओं ने एक अहम चेतावनी भी दी है। उनका कहना है कि पॉली या प्लाटिस्क की बोतलों में पैक पानी सेहत के लिए हानिकारक होता है। पानी को बॉटल में प्रोसेस करते समय कुछ कैमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो दिल के दौरों के खतरे को दोगुना कर देते हैं।

आयु बढ़ाता है विटामिन 'डी'

लंबी आयु चाहते हैं तो नियमित तौर पर कुछ समय सूर्य के प्रकाश में गुजारा करें। एक नए अध्ययन के अनुसार सूर्य के प्रकाश से शरीर में विकसित होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर को कम करता है। पहले हुए अध्ययनों ने भी इस आर संकेत दिया था कि सूर्य के प्रकाश से संभवत: कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ होते हैं जिनमें कैंसर, धमनियों की बीमारी और दमे से बचाव शामिल हैं। आस्ट्रिया के ग्राज विश्वविघालय ने पाया है कि सूर्य के प्रकाश से प्राप्त होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर में कमी लाता है। यही विटामिन कैल्शियम के अवशोषण में शरीर को मदद करता है। 'दी डेली टेलीग्राफ' के अनुसार मुख्य अनुसंधानकर्ता हेराल्ड डोबनिग का कहना है कि यह पहला संयुक्त अध्ययन है जिसमें यह पता चला है कि विटामिन डी मृत्यु दर को प्रभावित करता है और इसका मृत्यु के प्राथमिक कारण से कोई लेना देना नहीं है। दूध और सालमोन मछली में विटामिन डी पाया जाता है। इसकी कमी से बच्चों को रिकेट्स बीमारी और बड़ों को गठिया हो सकता है। अध्ययन में औसतन 62 वर्ष आयुवर्ग के 3200 से अधिक लोगों का अनुसंधानकर्ताओं ने परीक्षण किया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्यवहारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-6-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला टा टी रु रे रो ता ती तू ते

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य वी यू

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर ने ना नी खी खू खे खो गा गी

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोवेाग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2612

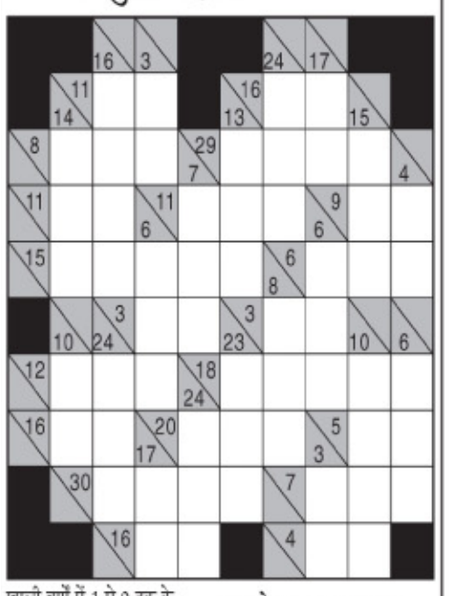

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

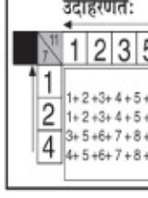

1+2+3+4+5=6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2611 का हल

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2612

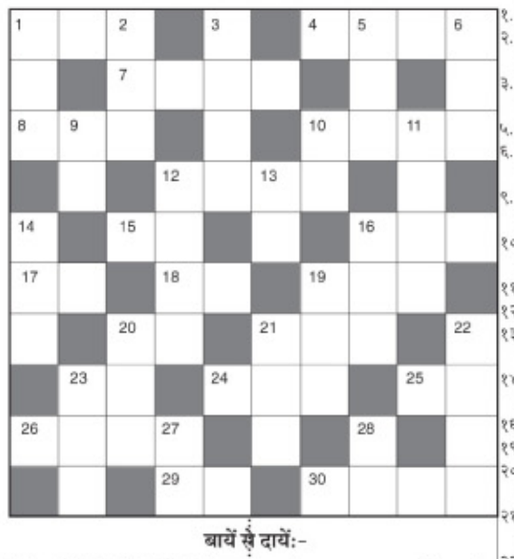

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बाग महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत में दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2611

सूडोकु -2612

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2611 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 2612

बाएँ से दाएँ

1. सफल,उत्तीर्ण-4
5. ओस,रजनीजल-4
7. फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना,मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु,चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट,अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण,सम्राट-4
32. गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2. मां,आई,मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता,रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार,जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन,प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19. विलेन,नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम,मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट,अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 2611 का हल

मोदी पर भरोसा जताया जनता ने : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा जताया है। श्री चौहान ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति श्रद्धा का प्रकटीकरण इस परिणाम से हुआ है।श्री मोदी के नेतृत्व में जो ठोस काम हुआ है, उस पर जनता ने विश्वास जताया है। उन्होंने श्रीमद भगवद्गीता का एक श्लोक उद्धत करते हुए कहा, ÷ कुरूक्षेत्र की पवित्र भूमि पर धर्म की विजय हुई है और अधर्म का नाश हुआ है। - यदा यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानम सृज्याहम।। उन्होंने कहा कि देश की जनता भाजपा पर भरोसा करती है।

हरियाणा में जीत से पूरे देश के भाजपा कार्यकर्ताओं में जश्न, मुख्यमंत्रियों ने भेजे बधाई संदेश

नई दिल्ली। हरियाणा में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम केवल एक राज्य के लिए नहीं बल्कि लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम न आने की निराशा भी दूर करने वाले साबित हो रहे हैं। जिस तरह से देश भर के भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री प्रसन्नता व्यक्त कर रहे हैं और हरियाणावासियों के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं, उसका यही संदेश है कि हरियाणा चुनाव परिणामों ने भाजपा को नई ऊर्जा से भर दिया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी इस ऐतिहासिक विजय के लिए कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया तो बहुत दूर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मौजूदगी में राज्य के नेताओं हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का जश्न मनाया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अभी हरियाणा विधानसभा चुनाव-2024 में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक विजय की सभी समर्पित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं सम्मानित मतदाताओं को हार्दिक बधाई!

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाना हमारी प्राथमिकता : जयराम

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावी नतीजों के बाद कांग्रेस ने कहा है कि प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाना उसकी प्राथमिकता होगी। जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें जीती हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश और प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पार्टी मुख्यालय में संयुक्त पत्रकार वार्ता में कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता ने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन को स्पष्ट बहुमत दिया है। यहां सरकार बनने के बाद केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाना हमारी पूरी प्राथमिकता होगी। जयराम ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव पर राहुल गांधी की यात्रा का असर रहा है। जम्मू-कश्मीर में उम्मीद से कम सीटें जीतने पर पवन खेड़ा ने कहा कि अभी सीटों पर हार और जीत का आकलन करना जल्दबाजी होगी।

दशहरा पर तय होगी बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की तिथि

गोपेश्वर। श्रीबदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की तिथि आगामी 12 अक्टूबर (शनिवार) को विजया दशमी के दिन बदरीनाथ धाम परिसर में पंचांग गणना के पश्चात तय की जाएगी। दोपहर 11:30 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा। इस अवसर पर श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजय अजेंद्र भी मौजूद रहेंगे। बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि परंपरागत रूप से श्रीकेदारनाथ धाम के कपाट दीपावली के पश्चात भैया दूज को बंद हो जाते हैं। इसी दिन यमुनोत्री धाम के कपाट भी बंद होते हैं, जबकि भैया दूज से एक दिन पहले अन्नकूट गोवर्धन पूजा के दिन गंगोत्री धाम के कपाट अभिजीत मुहूर्त में बंद होते हैं। इस वर्ष भैयादूज तीन नवंबर को है तथा अन्नकूट गोवर्धन पूजा दो नवंबर को है। गंगोत्री तथा यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होने की तिथि व समय की घोषणा गंगोत्री मंदिर समिति तथा यमुनोत्री मंदिर समिति की ओर से की जाती है। वहीं गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब एवं लोकपाल तीर्थ के भी कपाट 10 अक्टूबर को बंद हो रहे हैं।

डॉ. गौड़ ने बताया कि द्वितीय केदार मद्महेश्वर के कपाट बंद होने की तिथि श्रीओमकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ तथा तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट बंद होने की तिथि शीतकालीन गद्दीस्थल श्री मर्कटेश्वर मंदिर मक्कूमठ में 12 अक्टूबर विजय दशमी के दिन घोषित होगी। इसी दिन मद्महेश्वर मेला तथा देव डोलियों के शीतकालीन गद्दीस्थल पहुंचने का कार्यक्रम भी घोषित हो जाएगा। साथ ही श्रीकेदारनाथ धाम के कपाट बंद होने की तिथि तथा समय एवं पंचमुखी डोली के श्रीकेदारनाथ धाम से शीतकालीन गद्दीस्थल श्रीओमकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ प्रस्थान का भी कार्यक्रम औपचारिक रूप से घोषित हो जाएगा।

भारतीय वायुसेना की 92वीं वर्षगांठ पर शानदार प्रदर्शन

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने अपनी 92वीं वर्षगांठ पर तमिलनाडु के चेन्नई में तांबरम एयर फोर्स स्टेशन पर एक शानदार समारोह आयोजित किया।

इस अवसर पर एक अनोखी सेरेमोनियल परेड, हवाई शक्ति का अद्भुत प्रदर्शन और अत्याधुनिक उपकरणों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। मुख्य रक्षा स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने समारोह में शिरकत की, जबकि वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने समारोहिक परेड की समीक्षा की। वायु सेना प्रमुख ने राष्ट्रीय हितों को चुनौती देने वाली किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए भारतीय वायुसेना को तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक सुरक्षा स्थिति में निरंतर उतार-चढ़ाव

बना हुआ है और चल रहे संघर्षों ने एक मजबूत एवं सक्षम वायु सेना की अपरिहार्य आवश्यकता को उजागर किया है। अभिनव और लीक से हटकर सोच के साथ नवीनतम तकनीक को अपनाना आज के बहुमुखी वातावरण में निर्णायक भूमिका निभाएगा।वायु सेना प्रमुख ने इस बात पर बल दिया कि वायु सेना दिवस 2024 का विषय, 'भारतीय वायु सेनाः सक्षम, सशक्त, आत्मनिर्भर' भारतीय वायुसेना की आकांक्षाओं का वर्णन पूरी तरह से करता है।

वायुसेना प्रमुख ने कहा, 'वर्षों से, हम बेहतर तकनीक के साथ और ज्यादा सशक्त हुए हैं और सिस्टम और हथियारों के उपयोग के नए स्तर प्राप्त किए हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत हमारी प्राथमिकता है।उन्होंने कहा, 'एमएसएमई, स्टार्ट-अप, व्यक्तिगत अन्वेषकों, पेशेवरों, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों और शिक्षाविदों को शामिल करके मेक इन इंडिया पहल का समर्थन करने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं।'

मालदीव के राष्ट्रपति ने पत्नी संग निहारा ताजमहल

एजेंसी

रांची। आगरा पहुंचे मालदीव के राष्ट्रपति डॉ मोहम्मद मुइज्जु ने अपनी पत्नी साजिदा मोहम्मद के साथ ताजमहल का दीदार किया। उन्होंने

ताजमहल को अदभुत और बेमिसाल बताया।

दिल्ली से सुबह 8 बजे विशेष विमान से वायु सेना के तकनीकी एयरपोर्ट पहुंचे। वहां प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने उनकी आगवानी की। उसके बाद उनकी फ्लीट शिल्पग्राम पहुंचीं। वहां से गोल्फ कार्ट में बैठकर ताज पहुंचे। ताज में उन्होंने पत्नी के साथ फोटोग्राफी कराई। लगभग एक घण्टे रुकने के बाद मुम्बई के लिए रवाना हो गये।

मोदी, शाह और नड्डा के विकास के 'विजन' की जीत : मांझी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बधाई देते हुए इस ऐतिहासिक जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी अध्?यक्ष जेपी नड्डा के विकास के 'विजन' की जीत बताया है।श्री मांझी ने आज यहां हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम पर कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व के आज देश हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा आज भारत की न केवल वैश्विक छवि मजबूत हुई है, बल्कि आर्थिक रूप से भी देश लगातार मजबूत हो रहा है, जो देश को विकसित भारत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की हरियाणा में लगातार तीसरी जीत

ने यह दिखाया है कि केवल वादे करने से काम नहीं चलता, बल्कि उन्हें धरातल पर भी उतारना जरूरी होता है। श्री मांझी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की प्रेरणा से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह करके दिखाया है, जिसकी वजह से भाजपा यहां ऐतिहासिक जीत दर्ज करने में सफल हुई है। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में हरियाणा की भाजपा सरकार ने लोगों के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए लगातार काम किया है। समाज के सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है।किसान हों, युवा हों, महिला हों या फिर गांवों और शहरों का विकास हो, प्रधानमंत्री के विकास के विजन के अंतर्गत कोई भी कसर नहीं छोड़ी गई और जनता ने भी भाजपा को बहुमत देकर नेतृत्व के विकास के विजन को साकार किया है, जो अत्यंत ही महत्वपूर्ण है।''

हरियाणा के नतीजे उम्मीदों के मुताबिक नहीं, हार की वजह की होनी चाहिए समीक्षा : सुभाषिनी यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा प्रचंड जीत के साथ सरकार बनाती हुई नजर आ रही है। वहीं कांग्रेस पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है।

चुनाव के नतीजों को लेकर कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय सचिव सुभाषिनी यादव ने कहा, बहुत ही आश्चर्यचकित करने वाले नतीजे हैं। ऐसे नतीजों की उम्मीद हम नहीं कर रहे थे। इन नतीजों की निश्चित तौर समीक्षा की जानी चाहिए। जनता का हम लोगों को पूरा समर्थन मिल रहा था। जनता ने मन बना लिया था कि इस बार प्रदेश में परिवर्तन की सरकार चाहिए। लेकिन नतीजे हम लोगों के अपेक्षा के मुताबिक नहीं है। पार्टी हाईकमान हार के वजहों की जरूर समीक्षा करेगी कि कहां कमी रह गई। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जनता इस बार बदलाव चाह रही थी।

बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दों को लेकर जनता आवाज उठा रही थी। आजकल जनता बहुत समझदार हो गई है। वह मुद्दे देखती है। लेकिन अगर इस तरीके के नतीजे आ रहे हैं, तो जरूर हम इसकी समीक्षा करेंगे और हार की वजहों को तलाशने का काम करेंगे। मैं तो अभी तक इन आंकड़ों पर भरोसा नहीं कर पा रही हूं। वहीं शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि हरियाणा के अंदर कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। ऐसा क्यों हुआ और कैसे हुआ, ये समीक्षा का विषय है। जनता का विश्वास जीतने में कहां कमी रह गई। इसका आकलन कांग्रेस पार्टी जरूर करे। जनता ने सत्ता विरोध लहर और आक्रोश के बावजूद भाजपा पर भरोसा जताया है। ऐसे में ये कांग्रेस के लिए आत्मचिंतन का विषय है। हरियाणा के नतीजे चौंकाने वाले हैं। किसान हताश थे, वहां की महिलाएं तकलीफ में थीं, लेकिन सत्ता विरोधी लहर के बावजूद लोगों ने भाजपा को चुना।

समर्थ युवा ही सशक्त भारत का कर सकते हैं निर्माण : अर्जुन राम मेघवाल

एजेंसी

रांची। केन्द्रीय कानून एवं न्याय मन्त्री (स्वतन्त्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि समर्थ युवा ही सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। युवाओं की ऊर्जा, सृजनशीलता और नवाचार की क्षमता ही भारत को एक विकसित राष्ट्र बना सकती है। मेघवाल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में आयोजित कार्यक्रम 'विकसित भारत एम्बेसडर-युवा कनेक्ट' कार्यक्रम के अवसर पर विद्यार्थियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि युवा हमारे देश का भविष्य हैं और उन्हीं की शक्ति और संकल्प से भारत 21वीं सदी में वैश्विक मंच पर एक महाशक्ति के रूप में उभरेगा।मेघवाल ने इस अवसर पर देश को 21वीं सदी में विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भारत शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी और युवा शक्ति के बल पर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित

भारत का सपना अब मात्र एक विचार नहीं रह गया है, बल्कि यह अब एक ठोस रूप ले रहा है। सरकार की नीतियों, योजनाओं और युवा शक्ति के सामूहिक प्रयासों के कारण भारत तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हम एक ऐसे भारत का निर्माण करने के लिए प्रयासरत हैं, जहां हर व्यक्ति को समान अवसर मिलें और विकास की धारा समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अपने संबोधन में मेघवाल ने स्वामी विवेकानंद और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदानों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत को एक वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान किया और युवाओं को उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का संदेश दिया। उनका जीवन आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का उल्लेख करते हुए मेघवाल ने कहा कि उन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। उनके विचार और उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी हमें देश की एकता, सामाजिक समानता और आर्थिक विकास की दिशा में प्रेरित करते हैं। केन्द्रीय मन्त्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के अन्तर्गत पौधरोपण भी किया। युवा एवं खेल मन्त्रालय के निदेशक (कार्यक्रम) रुचित्र नारायण त्यागी ने माई भारत पहल पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं को देश की विकास यात्रा में भागीदारी का सुअवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि माई भारत के अंतर्गत कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनसे युवा न केवल अपने कौशल का विकास कर रहे हैं, बल्कि समाज सेवा के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। त्यागी ने युवाओं को देश के विकास में अपना योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा, आपके पास देश को आगे ले जाने का अद्वितीय अवसर है। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत अगले कुछ दशकों में एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरे।

भारत व हिन्दू समाज की संस्कृति के सुगंध से पोषित है संघः होसबाले

एजेंसी

आजमगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने फूलपुर में एक कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी दिवंगत रामचन्द्र जायसवाल, डॉ. रामप्रसाद जायसवाल और शिवप्रसाद जायसवाल की प्रतिमाओं का अनावरण किया। इस अवसर पर होसबाले ने कहा कि संघ भारत एवं हिन्दू समाज की संस्कृति के सुगंध से पो?षित है। संघ केवल एक वैचारिक एवं सांगठनिक व्यवस्था नहीं है। संघ एक जीवनशैली है। संघ एवं हिन्दुत्व की जीवनशैली में कोई अंतर नहीं है।

उन्होंने कहा कि संघनिष्ठ भाइयों- रामचन्द्र जायसवाल, रामप्रसाद जायसवाल और शिवप्रसाद जायसवाल की कीर्ति विशेष है। इन तीनों भाइयों ने समाज का ऋण चुकाने का काम किया। समाज एवं धर्म जागरण के कार्यों में उन्होंने नेतृत्व किया। नगर संघचालक के नाते सैकड़ों सवयंसेवकों को स्नेह एवं प्रेम देकर जीवन के अनेक क्षेत्रों में प्रोत्साहित किया। अनेक बार निःशुल्क नेत्र शिविर लगवाये। आपातकाल के संघर्ष एवं जेपी के आंदोलन में सहभाग किया और सार्वजनिक जीवन में उन्होंने आदर्श प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विलासपुर के गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल ने की। इस अवसर पर गंगा समग्र के अखिल भारतीय संगठन मंत्री रामाशीष, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक अनिल, क्षेत्र कार्यवाह वीरेन्द्र जायसवाल, गोरक्ष प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश, भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनुपम, भारतीय शिक्षा संस्थान के प्रबंधक अंशुमान जायसवाल सहित कई गण्यमान्य उपस्थित रहे।

जीएसटी घोटाले में भाजपा विधायक के बेटे से पूछताछ, पत्रकार महेश लंगा गिरफ्तार

अहमदाबाद। जीएसटी घोटाले में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने गुजरात के एक पत्रकार महेश लंगा को गिरफ्तार किया है। पत्रकार पर फर्जी दस्तावेजों के जरिये पत्नी और पिता के नाम पर बोगस फर्म बनाने और संदिग्ध लेन-देन का आरोप है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के अनुसार केंद्रीय जीएसटी से शिकायत मिलने के बाद फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाकर सरकार को धोखा देने के इरादे से चल रही फर्जी फर्मों और कई व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उसी के आधार पर अहमदाबाद, जूनागढ़, सूरत, खेड़ा और भावनगर में 14 जगहों पर छापेमारी की गई। कुल 12 फर्जी फर्म बनाने वाले 33 से ज्यादा संचालकों को हिरासत में लिया गया है। इनमें सौराष्ट्र के भाजपा विधायक भगवान बारड के बेटे अजय बारड और पत्रकार महेश लंगा से भी पूछताछ की गई। शुरुआती जांच में पता चला है।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 की बहाली के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस लड़ेगी : तारिक भट

एजेंसी

रियासी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को मिली जीत पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता तारिक भट ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि हम अनुच्छेद-370 के लिए लड़ेंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता तारिक भट ने कहा, जम्मू-कश्मीर में भाजपा के नेता जो ख्वाब दिखा रहे थे, आज वह चकनाचूर हो चुका है। यहां के लोगों ने सूझबूझ के साथ एक ऐसा फैसला लिया, जो आज पूरा देश देख रहा है। इसी वजह से यहां नेशनल कॉन्फ्रेंस के पक्ष में जनता ने मतदान किया और अब हम सरकार बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी ने 1947 में कश्मीरियों का दिल जीत लिया था। लेकिन भाजपा तो दिल चुराने वाली कौम है। इन्होंने लोगों को दिल जलाए हैं। अगर यह दिल जीतना चाहते तो कश्मीर में इनका खाता खुलता, मगर वहां तो

इनका नाम-ओ-निशान ही नहीं है। तारिक भट ने अनुच्छेद -370 का जिक्र करते हुए कहा कि हम राज्य को दर्जा दिलाने के लिए लड़ेंगे और नेशनल कॉन्फ्रेंस इसके लिए अपनी आवाज को बुलंद करेगी। पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए हम कुछ भी करने को तैयार है। अनुच्छेद-370 के लिए भी हम लड़ेंगे और भाजपा जो भी कानून लाई है, उसे खत्म करने का काम किया जाएगा। बता दें कि जम्मू कश्मीर की 90 सीटों में से 42 सीटों पर नेशनल कांफ्रेंस, 29 सीटों पर भाजपा, 6 सीटों पर कांग्रेस, 3 सीटों पर पीडीपी और तीन सीटों पर अन्य ने जीत दर्ज की है।

'अहिंसा परमो धर्मः' तो 'धर्म हिंसा तथैव चः' की भी बात करता है हिंदू धर्म :सीएम योगी

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में सोमवार को कहा कि हिंदू धर्म किसी का अंत नहीं चाहता। वह 'अहिंसा परमो धर्मः' की बात कहता है, लेकिन वह 'धर्म हिंसा तथैव च...' की भी बात करता है यानी अहिंसा परम धर्म है, लेकिन राष्ट्र-धर्म की रक्षा और निर्दोषों को बचाने के लिए हिंसा करनी पड़े तो यह धर्मसम्मत है। यह अपील भारत का शास्त्र करता है।

सीएम योगी ने कहा कि 'अहिंसा परमो धर्मः' का पक्ष कहता है कि हम सेवा के कार्य से जुड़ें। दीन-दुखियों की सेवा के लिए जीवन समर्पित करें, लेकिन एकता-अखंडता को कोई चुनौती देगा और सीमाओं का अतिक्रमण करेगा तो राष्ट्र की सुरक्षा-संप्रभुता, देश की रक्षा के लिए धर्म सम्मत हिंसा के पक्षधर भी हैं, जो

जनता को सुरक्षा प्रदान कर सके और भारत को एक भारत-श्रेष्ठ भारत रख सके। सीएम योगी ने कहा कि लोककल्याण के लिए जाति, मत, मजहब से जुड़े महापुरुषों का सम्मान होना चाहिए। कोई व्यक्ति किसी महापुरुष, योगी-संन्यासी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करता है तो वह दंड का भागी बनता है, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन विरोध का मतलब तोड़फोड़ या लूटपाट नहीं है। यह कतई स्वीकार नहीं हो सकता। एक तबका हिंदू धर्म के देवताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी, महापुरुषों को अपमानित और मूर्तियों को खंडित करना जन्मसिद्ध अधिकार समझ लेता है। यदि किसी के द्वारा विद्वेष में कोई शब्द कहे जाते हैं तो उसे लेकर जमीन-आसमान एक करने का कुत्सित प्रयास होता है।

उन्होंने आगाह किया कि कानून को हाथ में लेने का दुस्साहस नहीं करें। ऐसा करने वालों को कानून की गिरफ्त में आना ही होगा। अराजकता को बढ़ावा देने वाले से कानून सख्ती से पेश आएगा। हर मत, पंथ व संप्रदाय की आस्था का सम्मान है, लेकिन कानून को हाथ में लेने की स्वतंत्रता नहीं होगी। बाधा डालने वाले को कीमत चुकानी पड़ेगी। सीएम योगी ने कहा कि शारदीय नवरात्रि मां दुर्गा के पूजन का अनुष्ठान है। पूरे देश में यह आयोजन हर्षोल्लास से हो रहा है। जिस बंगाल में जगतजननी मां भगवती के अनुष्ठान का शुभारंभ होता है, उस बंगाल में आज सनातन धर्म असहाय और असुरक्षित दिखता है। बंगाल राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत देने वाली भूमि है। भारत के बौद्धिक आधार देने वाली भूमि है। आजादी में तमाम महापुरुषों को देने वाली भूमि है।

आंदोलन के समर्थन में आरजी कर अस्पताल के 50 सीनियर डॉक्टरों का सामूहिक इस्तीफा

एजेंसी

कोलकाता। धर्मतला में अपनी दस सूत्री मांगों के लिए अनशन पर बैठे सात जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के 50 सीनियर डॉक्टरों ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया। इस घटनाक्रम ने आंदोलन को नाटकीय मोड़ पर ला खड़ा कर दिया है। जूनियर डॉक्टरों ने सीनियर डॉक्टरों को 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर उनके इस फैसले का स्वागत किया।सीनियर डॉक्टरों ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर इस्तीफा सौंपा और मांग की है कि आंदोलनरत डॉक्टरों की मांगों पर सरकार तत्काल कदम उठाए। आरजी कर के एक सीनियर डॉक्टर ने कहा, आमरण अनशन आखिरी विकल्प है। मजबूरी में जूनियर डॉक्टरों ने यह कदम उठाया है। ढाई दिन से ज्यादा समय बीत चुका है और अब तक सरकार की तरफ से कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इसलिए हमने सामूहिक इस्तीफा दिया है और इसके बाद हम व्यक्तिगत रूप से भी इस्तीफा देने का रास्ता अपना सकते हैं। उल्लेखनीय है कि शनिवार से धर्मतला में एक अस्थायी मंच पर जूनियर डॉक्टर आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। उनकी मांगों को लेकर 50 सीनियर डॉक्टरों ने सामूहिक इस्तीफा देकर अपना समर्थन जताया है। शनिवार को जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल समाप्त कर अनशन शुरू करने का फैसला किया था, लेकिन अब सीनियर डॉक्टरों के इस्तीफे से पूजा के दौरान आरजी कर अस्पताल की चिकित्सा सेवाएं बाधित होने की आशंका जताई जा रही है। सोमवार

को राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जूनियर डॉक्टरों से अनशन खत्म करने की अपील की थी। उन्होंने आश्वासन दिया था कि राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों के 90 प्रतिशत विकास कार्य अगले 10 तारीख तक पूरे हो जाएंगे। हालांकि, उन्होंने किसी विशेष महीने का जिक्र नहीं किया था। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि अस्पतालों में रेफरल सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट 15 तारीख से शुरू होगा और एक नवंबर से पूरे राज्य में इसे लागू किया जाएगा। पंत ने कहा, हम सभी से काम पर लौटने की अपील कर रहे हैं। बहुत से लोग लौट चुके हैं और बाकी भी लौटें ताकि हम मिलकर अस्पताल के माहौल को सुधार सकें। मुख्य सचिव के आश्वासनों के बाद भी सीनियर डॉक्टरों का यह सामूहिक इस्तीफा सरकार पर दबाव बनाने के लिए उठाया गया एक बड़ा कदम माना जा रहा है। हालांकि, सरकार ने मेडिकल कॉलेजों में विकास कार्यों का आश्वासन दिया है, लेकिन जूनियर डॉक्टरों की बाकी मांगों पर कुछ नहीं कहा गया है। इसी कारण सीनियर डॉक्टरों ने इस्तीफा देकर दबाव बढ़ाने का फैसला किया है। सुबह आरजी कर के जूनियर डॉक्टरों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने पश्चिम बंगाल राज्य मेडिकल कार्उंसिल में भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए और उच्च स्तरीय जांच की मांग की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सीनियर डॉक्टरों ने सामूहिक इस्तीफे का निर्णय लिया। इसके साथ ही, जूनियर डॉक्टरों ने बताया कि मंगलवार शाम साढ़े चार बजे कॉलेज स्क्वायर से धर्मतला तक एक रैली निकाली जाएगी।

स्मार्ट बच्चों का स्कूल बैग

ऐसे सजाओ प्यारे बैग को

तुम अपने दोस्तों से शर्त तो खूब लगाते होगे? बात-बात पर शर्त.. टिफिन में मम्मी ने क्या दिया होगा, बैग की किस पॉकेट में क्या रखा होगा..? लेकिन कभी ये शर्त लगाई है कि किसका बैग ज्यादा साफ है..? अच्छा .. सोचो मैम क्लास में आईं और तुम्हारी पेंसिल बैग में मिल ही नहीं रही है.. काम छूट रहा है। .. ऐसे में तो बड़ी मुश्किल होगी। इसीलिए आज हम तुम्हें बता रहे हैं कि तुम कैसे अपने बैग को सजा सकते हो।

बैग में जगह के हिसाब से अलग-अलग चीजों के लिए अलग-अलग हिस्सा तय कर लो। जैसे बुक्स हमेशा एक जगह पर रखो, लंच के लिए एक जगह तय कर लो, ताकि हर दिन तुम्हारा समय इस बात को सोचने में बर्बाद ना हो कि कौन-सा सामान कहां रखना चाहिए।

अपना बैग इस तरह से व्यवस्थित करो कि भारी चीजें बैग के पिछले हिस्से में हों और हल्की चीजें बैग के आगे वाले हिस्से में। ऐसा करने से पीठ पर कम जोर पड़ता है और तुम्हारा पॉश्चर भी सही रहता है।

अपने बैग में जरूरी सामान ही रखो, बाकी अपने लॉकर या डेस्क पर छोड़ दो। कोशिश करो कि अपना बैग हर दिन ठीक कर सको। देखो अगर तुम सारा सामान एक ही जेब में रखोगे तो ढूंढ़ते समय परेशानी होगी और हो सकता है कि नुकीली या ब्लेड जैसी चीज तुम्हारे हाथ में लग जाए। इसलिए अलग-अलग तरह की चीजें अलग जेबों में रखो, जैसे पेंसिल-रबर एक जेब में और कटर, कम्पास जैसी चीजें दूसरी जेब में।

सफाई है जरूरी

अपने बैग की सफाई बेहद जरूरी है। गंदगी की वजह से कीटाणु पैदा हो सकते हैं। स्कूल से आने के बाद हर रोज अपने बैग को साफ करो। अगर बैग पर किसी तरह का दाग लगा हो तो उसे पेपर से साफ कर लो। हर शनिवार बैग को धोना चाहिए, जिससे संडे को तुम्हारा बैग आराम से सूख जाए। इसके अलावा बैग का एक साइड पॉकेट सिर्फ कूड़े के लिए रखो, जैसे स्कूल में पेंसिल शार्प करो या किसी पेपर, टिश्यू को फेंकना हो तो तुम उस पॉकेट में रखो, ताकि घर आकर तुम उसे डस्टबिन में फेंक सको।

तुम्हारी जानकारी के लिए

- बैग का पूरा वजन तुम्हारे वजन के 10 फीसदी होना चाहिए। अगर तुम्हारा वजन 30 किलोग्राम है तो पूरे बैग का वजन 3 किलोग्राम होना चाहिए, नहीं तो इससे तुम्हारी पीठ में दर्द हो सकता है।
- बैग काफी भारी होने की वजह से रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंचता है।
- आजकल बैग पर बार्बी, छोटा भीम, डोरेमॉन जैसे कैरेक्टर्स के बने फोटो बच्चों को खूब भा रहे हैं।
- बैक पैक खरीदो, जिससे बैग का भार तुम्हारे दोनों कधों पर हो, ताकि एक कंधे पर पूरा जोर न पड़े। बैग का वजन कम से कम रहे तो अच्छा है। इससे चीजें रखने के बाद भी तुम्हारे बैग का भार कम रहेगा।
- सामान पैक करने के लिए उसमें अलग-अलग कंपार्टमेंट बने हों।
- कई बच्चे अपनी पीठ की साइज से बड़े बैग टांगते हैं। इससे उन्हें चलने में दिक्कत होती है। इसलिए ऐसा बैग खरीदो, जो तुम्हारी पीठ की साइज के हिसाब से हो।
- वॉटरप्रूफ बैग खरीदो, ताकि उस पर तुम्हारी वॉटर बॉटल से पानी गिर जाए तो भी बैग में रखी चीजें न भीगें।
- डार्क कलर का बैग हो तो सबसे अच्छा है, क्योंकि अगर तुम्हारे बैग पर खाने-पीने की कोई चीज गिर जाए तो भी उसका दाग दूसरों को नजर नहीं आएगा।

ये रखो याद...

- कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं, जिनका काम रोज स्कूल में नहीं पड़ता। ऐसे सामान को घर में रखो। इससे तुम्हारा बैग भारी भी नहीं होगा।
- किताबों और कॉपियों को आकार के हिसाब से लगा लो। जैसे बड़ी किताबों को नीचे और छोटी को ऊपर रखो।
- अगर स्कूल के बाद डांस या खेलकूद की क्लास है तो उसका सामान अलग रखो।

गुम हो रहा है साइकेड ट्री

इस दुनिया में ऐसे कई पेड़ हैं, जो अनेक जानवरों की तरह विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुके हैं। ऐसा ही एक पेड़ है साइकेड। तुम्हें जानकर हैरानी होगी कि साइकेड पेड़ की तस्करी भी होती है। इसे चोरी-छिपे लाखों रुपए में बेचा जाता है। इसकी कीमत 2,000 डॉलर से 2,50,000 तक आंकी जाती है। पिछले लाखों सालों से इसका स्वरूप नहीं बदला है और यही इसकी विशेषता है। अन्य देशों की अपेक्षा दक्षिण अफ्रीका में साइकेड वृक्ष की ज्यादा प्रजातियां मिलती हैं। हालांकि इनमें से दो प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं और बाकी 29 प्रजातियों में से 18 खत्म होने के कगार पर हैं। इन्हीं में से एक है- एनस्फलेरटोस वुडी। आज यह प्रजाति लगभग समाप्त हो चुकी है। इस जाति के सिर्फ 7 वृक्षों के बारे में हमें जानकारी है। विडंबना यह है कि वे सातों वृक्ष भी नर हैं, इनमें से मादा कोई नहीं है। कुछ साल पहले इसकी तस्करी को लेकर कई देशों ने चिंता जताई थी।

आओ जानें रोजमर्रा की रफ्तार थामने वाले कोहरे के बारे में

बढ़ती सर्दी के साथ हर तरफ पांव पसार रहा है धरती पर। बादलों का अहसास दिलाता कोहरा। दोस्तों, हवाई, रेल, सड़क परिवहन को पटरी से उतारने वाले कोहरे के कई रूप हैं। आओ जानें रोजमर्रा की रफ्तार को थामने वाले कोहरे और उसके विभिन्न रूपों के बारे में...

क्या है कोहरा?

सर्दी में पृथ्वी की सतह के पास की गर्म हवा में मौजूद नमी ऊपर मौजूद ठंडी हवा की परतों से मिल कर जम जाती है। इस प्रक्रिया को संघनन (कंडेंशन) कहा जाता है। जब संघनन बहुत अधिक हो जाता है तो यह भारी होकर पानी की नन्ही-नन्ही बूंदों में बदलने लगती है। ये सूक्ष्म बूंदें ही आसपास की अधिक ठंडी हवा के सपर्क में आने पर धुएं के बादल जैसी नजर आने लगती हैं। मौसम वैज्ञानिक इसे ही कोहरा कहते हैं। कोहरा में 1000 मीटर की विजिबिलिटी सामान्य मानी जाती है। जब विजिबिलिटी 50 मीटर या इससे कम हो जाती है, तो यह जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर देता है।

सिल्वर आयोडाइड या कैल्शियम क्लोराइड का छिड़काव करके कोहरे को कम किया जा सकता है। इससे कोहरे में मौजूद पानी की बूंदें जमीन पर गिर जाती हैं और कोहरा छंट जाता है।

जीपीएस और सीडीएम टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर कोहरे से बचा जा सकता है। ट्रेनों में जीपीएस टेक्नोलॉजी और हवाई यातायात के लिए सीडीएम यानी कोलैबरेटिव डिसीजन मेकिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है। सीडीएम के तहत जरूरी सूचनाओं को एक विशेष सॉफ्टवेयर के जरिए पहुंचाया जाता है, ताकि अधिक कोहरा होने पर उड़ानों पर नियंत्रण रखने में मदद मिल सके।

शहरों में कोहरे की परत गांव व कस्बों में दिखने वाले कोहरे की परतों की अपेक्षा अधिक मोटी होती है। यहां की हवा में धूल और धुएं के कण अधिक होते हैं, जो कोहरे में उपस्थित पानी के कणों से मिलकर इसे ज्यादा गहरा बना देते हैं।

कोहरे के कई नाम

कुहासा

कोहरा और कुहासा दोनों एक ही प्रक्रिया से बनते हैं। कुहासे में कोहरे की तुलना में जल की सूक्ष्म बूंदें कम होती हैं। इसलिए कुहासे में नमी अपेक्षाकृत कम होती है। कह सकते हैं कोहरे और कुहासे में जल की सूक्ष्म बूंदों के घनत्व के कारण अंतर होता है।

स्मॉग

जब कोहरे का धुएं के साथ मिश्रण होता है तो उसे स्मॉग कहते हैं। यह काफी घना होता है और देर तक बना रहता है। धुएं में विभिन्न तरह के रसायनों का वाष्प मिला होता है। इस वजह से कोहरे की प्रकृति अम्लीय हो जाती है, जो सेहत के लिए नुकसानदेह होती है।

धुंध

जब कोहरे की दृश्यता की सीमा एक किमी या इससे कम हो तो उसे धुंध कहते हैं। कोहरे के अंग्रेजी नाम फॉग का अर्थ कोहरा, कुहासा, धुंध तीनों हैं। इसी में एक नया नाम जुड़ गया स्मॉग भी। वैज्ञानिक इन तीनों में अंतर बताते हैं।

न्यूजीलैंड महिला टीम अक्टूबर के आखिरी में भारत का दौरा करेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम अक्टूबर के आखिरी में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलने के लिए भारत का दौरा करेगी। इस दौरे पर न्यूजीलैंड की महिला टीम भारत के साथ 24, 27 और 29 अक्तूबर को अहमदाबाद में एकदिवसीय मैच खेलेगी। इस सीरीज के कारण भारत की प्रमुख खिलाड़ी स्मृति मंधाना, जेमिमाह रॉड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया और दयालन हेमलता 2024-25 डब्ल्यूबीबीएल के पहले कुछ मैचों से हट सकती हैं। महिला चैंपियनशिप तालिका में न्यूजीलैंड की टीम 18 में से आठ मैच जीतकर भारत से नीचे छठे स्थान पर है। न्यूजीलैंड ने भारत में अपना पिछला एकदिवसीय मैच जून 2015 में खेला था। न्यूजीलैंड ने यह सीरीज को 1-0 से जीती थी।

आर्यन जुयाल होंगे यूपी रणजी टीम के कप्तान

कानपुर। रणजी ट्राफी के आगामी सत्र के लिये उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) ने आर्यन जुयाल के नेतृत्व में 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। टीम में मेरठ के अलावा लखनऊ और गाजियाबाद के खिलाड़ियों को तरजीह दी गयी है। लखनऊ के अनुभवी अक्शदीप नाथ के अलावा कृतज्ञ कुमार सिंह और विपराज निगम का रणजी टीम में पदार्पण हुआ है वहीं कानपुर के अंकित राजपूत को टीम में स्थान मिला है।टीम के अन्य सदस्यों में स्वास्तिक चिकारा,प्रियम गर्ग,नीतिश राणा,सौरभ कुमार,आकिब खान,यश दयाल,शिवम शर्मा,सिद्धार्थ यादव,माधव कौशिक,विजय कुमार और आदित्य शर्मा शामिल है। इसके अलावा अटल राय,प्रिंस यादव,अभिषेक गोस्वामी,विनीत पंवर,वैभव चौधरी और कार्तिकेय जायसवाल स्टैंडबाई के तौर पर उपलब्ध रहेंगे। यूपी अपने घरेलू मैदान अटल बिहारी इकाना स्टेडियम पर 11 अक्टूबर को अपने रणजी अभियान का आगाज करेगी।

रणजी ट्रॉफी 2024-25 के पहले दो राउंड के लिए मुंबई की 16 सदस्यीय टीम में शामिल हुए तनुश कोटियन

मुंबई। ईरानी कप में अच्छे प्रदर्शन के बाद तनुश कोटियन को 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी 2024-25 के पहले दो राउंड के लिए 16 सदस्यीय मुंबई टीम में शामिल किया गया है। रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए में, मुंबई वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में बड़ौदा से भिड़ेगी। रणजी ट्रॉफी में एलीट ग्रुप ए की अन्य टीमें जम्मू और कश्मीर, सर्विसेज, मेघालय, त्रिपुरा और ओडिशा हैं। मुंबई 18 अक्टूबर से शरद पवार क्रिकेट अकादमी में महाराष्ट्र की मेजबानी करेगी। राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेटर कोटियन अच्छी फॉर्म में हैं और वह मौजूदा रणजी ट्रॉफी अभियान में आगे बढ़ रहे हैं। कोटियन पिछले महीने अनंतपुर में दलीप ट्रॉफी 2024 जीतने वाली इंडिया ए टीम का हिस्सा थे। 25 वर्षीय तनुश ने तीन मैचों में 22.00 की औसत और 45.60 की शानदार स्ट्राइक रेट से 10 विकेट लिए। उन्होंने 121 रन भी बनाए। दलीप ट्रॉफी जीतने के बाद, इस ऑलराउंडर ने मुंबई को 27 साल बाद ईरानी कप जीतने में मदद की। उन्होंने पहली पारी में अर्धशतक बनाया और दूसरी पारी में नाबाद शतक जड़कर अपनी टीम को खतरनाक स्थिति से उबारा। उन्होंने उसी मैच में तीन विकेट भी लिए।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के शुरुआती मैच से बाहर हुए विलियमसन

वेलिंगटन। केन विलियमसन के भारत रवाना होने में देरी होगी और हाल ही में कमर में खिंचाव के कारण वह बेंगलुरु में होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। विलियमसन को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान असहजता महसूस हुई थी और भारत में टीम में शामिल होने से पहले उन्हें रिहैबिलिटेशन से गुजरना होगा, न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बुधवार (9 अक्टूबर) को एक मीडिया विज्ञप्ति में उक्त जानकारी दी। न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने उम्मीद जताई कि विलियमसन रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद सीरीज में बाद में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। वेल्स ने कहा, हमें जो सलाह मिली है, वह यह है कि केन के लिए सबसे अच्छा उपाय यह है कि वह चोट को और बढ़ाने के जोखिम के बजाय आराम करें और पुनर्वास करें। हमें उम्मीद है कि अगर पुनर्वास योजना के अनुसार होता है तो केन दौरे के उत्तरार्ध के लिए उपलब्ध होंगे। हालांकि दौरे की शुरुआत से केन का उपलब्ध न होना स्पष्ट रूप से निराशाजनक है, लेकिन यह किसी और को एक महत्वपूर्ण श्रृंखला में भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करता है।

यशस्वी किसी भी परिस्थिति में खेल सकते है - लारा

एजेंसी

मुंबई । वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा कहा है कि भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी यशस्वी जयसवाल किसी भी परिस्थिति में खेल सकते है और यही विशेषता उन्हें ऑस्ट्रेलिया में सफल बना सकती है। लारा ने कहा कि यशस्वी के पास वह सबकुछ है जो उनको ऑस्ट्रेलिया में सफल बना सकता है। 22 वर्षीय खिलाड़ी को अब वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा से शानदार समर्थन मिला है। लारा ने कहा है कि जयसवाल 'किसी भी परिस्थिति में खेल सकते हैं' और उनको इस साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सफल होने के लिए कुछ मानसिक समायोजन करने होंगे। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ने मुंबई में एक कार्यक्रम के इतर कहा, बिल्कुल, ऑस्ट्रेलिया की पिचें थोड़ी अलग हैं। लेकिन आप अपनी मानसिकता को सही रखते हैं और उस ताकत से खेलते हैं जो आपके पास है तो आप किसी भी परिस्थिति में खेल सकते हैं। मुझे लगता है कि वह वहां पर अच्छा करेंगे। जयसवाल का अब तक भारतीय ओपनर के तौर पर टेस्ट करियर शानदार रहा है। उन्होंने जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज में पर्दापण करने के बाद से 11 टेस्ट मैचों में 64.05 की औसत से 1217 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया

उनके लिए पहला चुनौतीपूर्ण दौरा होगा और पहले कई खिलाड़ियों के लिए यह मुश्किल बना है लेकिन लारा को लगता है कि मजबूत मानसिकता के साथ जयसवाल वहां पर छा सकते हैं। लारा ने 1992-93 में अपने पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी में 277 रनों की पारी खेली थी। लारा ने उस पारी को याद करते हुए कहा, मुझे लगता है कि समायोजन आवश्यक है। समायोजन वह कबिलियत है जहां आप किसी भी परिस्थिति में अपने कौशल को अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी आते हैं और आप अपने खिलाड़ियों को एक अलग स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार करते हैं जो अच्छी बात है तो मुझे नहीं लगता कि तकनीकी रूप से जायसवाल को कुछ अधिक करने की ज़रूरत है।

मुझे बस लगता है कि उन्हें मानसिक तौर पर समायोजन करना होगा क्योंकि वह अपने घर से दूर होंगे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में खेल रहे होंगे जहां वे (ऑस्ट्रेलिया) अधिक खूंखार हैं। बैक कर सकते हैं। उन्होंने कहा, भारत में परिस्थितियां भी बदल गई हैं। आईपीएल के साथ में आपके यहां जयसवाल ने इस साल घरेलू टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सात मैचों में 901 रन बनाए हैं और इनमें से हर टेस्ट में उन्होंने कम से कम 50 रन का स्कोर बनाया है। लारा ने जयसवाल और इसी साल टी-20 पर्दापण करने वाले अभिषेक शर्मा को बेहतरीन खिलाड़ी बताया है। लारा ने कहा, पहली बात तो दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं।

वे युवा हैं और उनके खेलने का अंदाज बहुत आक्रामक है, बहुत स्टायलिश है। 24 साल के अभिषेक ने आईपीएल 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 11 मैच खेले तब लारा टीम के प्रमुख कोच थे। 2024 का सीज़न उनका और शानदार रहा और वह टी-20 विश्?वकप के बाद टी-20 भारतीय टीम का हिस्?सा बने। वह अभी बंगलादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज का हिस्सा हैं। जयसवाल को बंगलादेश के खिलाफ आराम दिया गया है और वह 16 अक्तूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ हो रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारियों में लगे हैं। इसके बाद भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जहां पर पहला टेस्ट पर्थ में 22 नवंबर से खेला जाएगा।

सुरक्षा कारणों से मोहन बागान ने एएफसी चैंपियंस लीग दो से नाम वापस लिया

एजेंसी

तबरीज (ईरान)। ईरान में सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए भारत के फुटबॉल क्लब मोहन बागान सुपर जायंट ने 2024-25 सत्र के लिए एएफसी चैंपियंस लीग दो (एसीएल 2) से आधिकारिक तौर पर अपना नाम वापस ले लिया है। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने इसकी पुष्टि की है। मोहन बागान ने ईरान में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति हवाला देते हुए यह फैसला किया है।

अब इस मामले को आगे के निर्णयों के लिए संबंधित एएफसी समितियों को भेजा जाएगा। एएफसी ने एसीएल 2 प्रतियोगिता विनियमों के अनुच्छेद 5.2 का हवाला देते हुए नाम वापस लेने की पुष्टि करते हुए एक बयान जारी किया। शासी निकाय ने आगे कहा कि मोहन बागान एसजी द्वारा खेले गए सभी मैच अब रद्द कर दिए गए हैं और विनियमों के अनुच्छेद 5.6 के अनुसार शून्य और अमान्य माने जाते हैं। एएफसी ने कहा, संदेह से बचने के लिए अनुच्छेद 8.3 के अनुसार ग्रुप ए में अंतिम रैंकिंग निर्धारित करते समय क्लब के मैचों में कोई अंक और गोल ध्यान में नहीं लिया जाएगा।

बंगलादेश टीम के पूर्व कप्तान महमूदउल्लाह ने लिया संन्यास

एजेंसी

नयी दिल्ली। बंगलादेश टीम के पूर्व कप्तान महमूदउल्लाह रियाद ने टी-20 क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। महमूदउल्लाह ने कहा कि भारत के साथ हैदराबाद में होने वाला तीसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच उनका आखिरी मैच होगा। हालांकि वह एकदिवसीय मैच खेलते रहेंगे। महमूदउल्लाह ने टेस्ट क्रिकेट से 2021 में ही संन्यास ले लिया था।

उन्होंने भारत के साथ दिल्ली में होने वाले दूसरे टी-20 से पहले अपने संन्यास की घोषणा कहा, यह मेरी आखिरी श्रृंखला होगी और इसके बाद मैं एकदिवसीय क्रिकेट पर ध्यान दूंगा। भारत आने से पहले ही मैंने इसके बारे में निर्णय ले लिया था। मैंने इसके बारे में अपने परिवार, कप्तान, कोच, मुख्य चयनकर्ता और बोर्ड अध्यक्ष से भी बात की थी। मुझे लगता है कि यह आगे बढ़ने का सही समय है। मैं अब एकदिवसीय मैचों पर फोकस करूंगा जबकि टीम को अगले दो साल में फिर से टी-20 विश्वकप खेलना है तो टीम उस पर ध्यान देगी। पूर्व कप्तान ने 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पर्दापण किया था। उन्होंने 139 टी20 में आठ अर्धशतकों की मदद से 2395 रन बनाए जबकि 27.35 की औसत से

40 विकेट लिए है। टेस्ट क्रिकेट में 50 टेस्ट में पांच शतकों की मदद से 2914 रन और 43 विकेट उनके नाम है जबकि एकदिवसीय क्रिकेट में उन्होंने चार शतकों की मदद से 5386 रन बनाए और 82 विकेट लिए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन, 100 विकेट और 100 कैचों का रिकॉर्ड बनाने वाले वह कुछ दुर्लभ ऑलराउंडर्स में से एक हैं। महमूदउल्लाह 2019 में बंगलादेश की टी-20 टीम के कप्तान भी बने और 2021 तक यह जिम्मेदारी संभाली। उन्हें 2021 टी-20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बाद कप्तानी से हटना पड़ा था। इसके बाद 2022 के टी-20 विश्वकप में जगह उन्हें नहीं मिली। महमूदउल्लाह के नाम 2015 के विश्व कप में लगातार दो शतक लगाने का रिकॉर्ड है। कुल मिलाकर उनके नाम 22 पारियों में 52.44 की औसत और तीन शतकों की मदद से 944 एकदिवसीय विश्वकप रन हैं।

महिला टी-20 विश्वकप: ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 60 रन से हराया

एजेंसी

शारजाह। बेथ मूनी (40), एलिस पेरी (30) और कप्तान अलिसा हीली (26) की शानदार पारियों के बाद ऐनाबेल सदरलैंड तथा मेगन शूट की घातक गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी-20 विश्वकप के 10वें मुकाबले में न्यूजीलैंड को 60 रन से हरा दिया है।

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को जीत के लिए 149 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में जॉर्जिया प्लिमर (चार) का विकेट गवां दिया। उन्हें मेगन शूट ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी एमेलिया केर ने सूजी बेट्स के साथ कुछ देर तक पारी को संभाला। लेकिन कुछ देर बाद ही सोफी मोलिन्यू ने सूजी बेट्स (20) को बोल्ड कर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। तीसरा विकेट एमेलिया केर (29) का गिरा। उन्हें मेगन शूट ने आउट किया। इसके बाद न्यूजीलैंड के बल्लेबाज तू चल मैं आया की तर्ज पर एक-एक करके पवेलियन लौटते गये। कप्तान सोफी डिवाइन (सात), ब्रूक हैलिडे (दो), मैडी ग्रीन (एक), इसाबेला गेज (शून्य), लिया तहूहू (11), रोजमेरी मेयर (दो) और ईडन कार्सन (5) रन बनाकर आउट हुई। न्यूजीलैंड की पूरी टीम 19.2 ओवर में 88 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मेगन शूट और ऐनाबेल सदरलैंड ने तीन-तीन विकेट लिये। सोफी मोलिन्यू को दो विकेट मिले। जॉर्जिया वेयरहम और तालिया मैक्ग्रा एक-एक बल्लेबाज को आउट किया शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और एलिसा हीली की जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 41 रन जोड़े। छठें ओवर में रोजमेरी मेयर ने कप्तान एलिसा हीली को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। हीली ने 20 गेंदों में चार चौके लगाते हुए (26) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी एलिस पेरी ने बेथ मूनी के साथ दूसरे विकेट लिये 45 रनों की साझेदारी की। 12वें ओवर में एमेलिया केर ने बेथ मूनी को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरा झटका दिया। बेथ मूनी ने 32 गेंदों में दो चौकों की मदद से 40 रन बनाये। 14वें ओवर में केर ने एलिस पेरी (30) को बोल्ड कर दिया। 17वें ओवर में फोएबे लिचफील्ड (18) रन बनाकर हॉलिडे का शिकार बनी। इसके बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर दबाव बनाये रखा और उनको खुलकर नहीं खेलने दिया। ग्रेस हैरिस (शून्य), एश्ली गार्डनर (6), जॉर्जिया वेयरहम (4), ऐनाबेल सदरलैंड (2) रन बनाकर आउट हुई। तालिया मैक्ग्रा (9) और सोफी मोलिन्यू (7) रन बनाकर नाबाद रही। ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 148 का स्कोर खड़ा किया।

न्यूजीलैंड की ओर से एमेलिया केर ने चार विकेट लिये। रोजमेरी मेयर और ब्रूक हैलिडे ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

खिलाड़ियों के मजबूत प्रदर्शन से आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में बड़ा फेरबदल

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप के शुरुआती चरण में खिलाड़ियों के मजबूत प्रदर्शन के कारण महिला टी-20 की रैंकिंग में बड़ा फेरबदल हुआ है। दक्षिण अफ्रीका महिला टीम की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट विश्व कप में शुरुआती दो मैचों में 101 रन बनाने के साथ अब तक टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। अपने इस प्रदर्शन के दम पर वह बल्लेबाजों की ताजा टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दो स्थान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की जारी ताजा रैंकिंग में लॉरा वोल्वार्ड्ट के 746 रेटिंग अंक हो गए हैं। उन्हें दो स्थान का फायदा हुआ है। इसे वह महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी बेथ मूनी और ताहलिया मैकग्राथ टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं। दोनों के क्रमशः 761 और 748 रेटिंग अंक हैं। बल्लेबाजों की ताजा टी-20 रैंकिंग में भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को एक पायदान की नुकसान हुआ है। वह 5वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 4 पायदान की लंबी छलांग लगाते हुए 12वें स्थान पर पहुंच गई हैं। हरमनप्रीत ने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 29 रनों की पारी खेली थी।

आईएलटी20 सीजन 3: शारजाह वारियर्स के गेंदबाजी कोच नियुक्त हुए क्रिस सिल्वरवुड

शारजाह। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर क्रिस सिल्वरवुड को आईएलटी20 के आगामी सत्र के लिए शारजाह वॉरियर्स का बॉलिंग कोच नियुक्त किया गया है, जो हेड कोच जेपी डुमिनी के कोचिंग सेटअप में शामिल होंगे। सिल्वरवुड इससे पहले 2018 में पूर्णकालिक बॉलिंग कोच के रूप में इंग्लैंड की पुरुष राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़े थे और अक्टूबर 2019 में ट्रेवर बेलिस के जाने के बाद हेड कोच का पद संभाला था। पूर्व तेज गेंदबाज फरवरी, 2022 तक उस भूमिका में बने रहे, उसके बाद अप्रैल 2022 में श्रीलंका के हेड कोच के रूप में शामिल हुए, उनके निर्देशन में श्रीलंका ने 2022 में टी20 एशिया कप जीता और 2023 वनडे एशिया कप के फाइनल में जगह बनाई।

आगा सलमान का शतक, पाकिस्तान ने बनाये पहली पारी में 556 रन

एजेंसी

मुल्तान। पाकिस्तान ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन आगा सलामन (नाबाद 104)की शानदार शतक की बदौलत पहली पारी में इंग्लैंड के खिलाफ 556 रन स्कोर खड़ा किया है। पाकिस्तान ने कल के चार विकेट पर 328 रन से आगे खेले हुए सुबह के 60 रन जोड़े थे कि बाइडन कार्स ने नसीम शाह (33) को आउट कर इंग्लैंड को पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद मोहम्मद रिजवान (शून्य) को जैक लीच ने पवेलियन भेज दिया। शतक की ओर बढ़ रहे साउद शकील (82) को शोएब बशीर ने रूट के हाथों कैच आउट करा दिया। इसके बाद आमेर जमाल (सात) रन बनाकर आउट हुये। भोजनकाल के बाद 515 में 41 रन और जोड़ कर पाकिस्तान ने अपने दोनों विकेट गवां दिये और उसकी पहली पारी 556 रन पर समाप्त हुई। जैक लीच ने शाहीन शाह अफरीदी (26) को बोल्ड कर इंग्लैंड को नौवीं सफलता दिलाई। इस दौरान आगा सलमान ने

अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। इसी के साथ उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने एक हजार रन भी पूरे कर लिये। सलमान ने अपनी (नाबाद 104) रनों की शतकीय पारी में 10 चौके और तीन छक्के लगाये। इसके बाद जो रूट ने अबरार अहमद को आउट कर पाकिस्तान की पारी का अंत कर दिया। पाकिस्तान ने 149 ओवर में 556 रन बनाये।

इससे पहले कल पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पांचवें ओवर में गस ऐटकिंसन ने सैम अयूब (चार) को विकेटकीपर स्मिथ के हाथों कैच आउट कराकर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद शान मसूद के शानदार (151) और अब्दुल्ला शफीक (102) ने शतक जड़ते हुए पहले दिन चार विकेट पर 328 रन बनाये थे। 60वें ओवर में गस ऐटकिंसन ने अब्दुल्लाह शफीक (102) को आउट कर दूसरे विकेट के लिये हुई 253 रनों साझेदारी को तोड़ा। 64वें ओवर में जैक लीच ने शान मसूद (151) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। बतौर कप्तान शान मसूद ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक था। खिलाड़ी के रूप में यह उनका 5वां टेस्ट शतक है। दूसरी तरफ अब्दुल्ला शफीक ने 184 गेंदों में (102) बनाये। इसके बाद बाबर आजम (30) को वोक्स ने पगबाधा आउट कर दिया। इंग्लैंड की ओर जैक लीच को तीन विकेट मिले। गस ऐटकिंसन और बाइडन कार्स दो-दो विकेट लिये। क्रिस वोक्स और शोएब बशीर को एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बीएसएफ की इंटर सेक्टर निशानेबाजी प्रतियोगिता सम्पन्न

एजेंसी

जैसलमेर। राजस्थान में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की जैसलमेर में आयोजित अंतर्क्षेत्रीय प्लाटून वेपन निशानेबाजी प्रतियोगिता सम्पन्न हो गयी। बल में उत्कृष्ट निशानेबाजों का चयन करने के लिये आयोजित इस प्रतियोगिता में राजस्थान फ्रंटियर के बीएसएफ के चारों सेक्टर–गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर सेक्टर (दक्षिण) और जैसलमेर सेक्टर (उत्तर) के निशानेबाजों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया।

बल के महानिरीक्षक एम एल गर्ग के मार्गदर्शन में विक्रम कुंवर उप महानिरीक्षक सेक्टर (साउथ) के मुख्य आतिथ्य में आज सम्पन्न हुई प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरुस्कृत किया गया।बल के उच्चाधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार समय समय पर जवानों की प्रशिक्षण प्रक्रिया को और बेहतर बनाने एवं जवानों की मारक क्षमता को अचूक बनाने के उद्देश्य से 35वीं वाहिनी, सीमा सुरक्षा बल द्वारा इंटर सेक्टर (फ्रंटियर लेवल) प्लाटून वेपन निशानेबाजी प्रतियोगिता का आयोजन

सफलतापूर्वक किया गया। सूत्रों ने बताया कि समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जैसलमेर सेक्टर साउथ के डीआईजी विक्रम कुंवर उपस्थित रहे। उन्होंने विजयी निशानेबाजों को पुरस्कृत करने के बाद कहा,÷इस प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल बेहतरीन निशानेबाजों का चयन करना है, बल्कि इससे अनुशासन, समर्पण और पेशेवर कुशलता को भी प्रोत्साहन मिलता है। श्री कुंवर ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और उन्हें भविष्य में और अधिक समर्पण के साथ प्रशिक्षण करने के लिए प्रेरित किया

मनु भाकर ने दीपा करमाकर को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली। डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने दीपा करमाकर को सभी अविस्मरणीय यादों के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले दीपा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जिमनास्टिक से संन्यास की घोषणा की। मनु भाकर ने मंगलवार को एक्स पर दीपा को उनके अविश्वसनीय करियर के बाद भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। मनु ने एक्स पर लिखा, दिग्गज दीपा करमाकर को उनके अविश्वसनीय जिमनास्टिक करियर के बाद उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। अविस्मरणीय यादों और एक पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। एशियाई चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर दीपा ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया था। महिलाओं के वॉल्ट फाइनल में 13.566 के प्रभावशाली कुल स्कोर के साथ, दीपा ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की किम सोन हयांग ने रजत और उनकी हमवतन ज्यो क्योंग ब्याल ने कांस्य पदक जीता।

फुटबॉल केन्या फेडरेशन के मुख्य कार्यकारी बैरी ओटिएनो ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

नैरोबी। फुटबॉल केन्या फेडरेशन (एफकेएफ) के मुख्य कार्यकारी बैरी ओटिएनो ने औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा शासी निकाय के चुनावों से बमुश्किल दो महीने पहले आया है। संचार अधिकारी से मुख्य कार्यकारी तक का पद संभालने वाले ओटिएनो ने पांच साल तक इस पद पर काम किया था, जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह अगले एफकेएफ अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने का इरादा रखते हैं। केन्या की राजधानी नैरोबी में जारी एक बयान में ओटिएनो ने कहा, इस प्रतिष्ठित पद पर पांच साल तक काम करने के बाद, मैंने पद छोड़ने और अन्य अवसरों का लाभ उठाने का फैसला किया है। एफकेएफ के साथ मेरा सफर फायदेमंद और परिवर्तनकारी दोनों रहा है। नवंबर 2021 में, ओटिएनो और निक म्वेंडवा, जो एफकेएफ अध्यक्ष के रूप में फिर से चुनाव की मांग कर रहे हैं, को 2017 और 2021 के बीच महासंघ को सरकारी धन के दुरुपयोग और गबन से संबंधित आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। उस महीने के अंत में, तत्कालीन खेल कैबिनेट सचिव अमीना मोहम्मद ने महासंघ को भंग करने के बाद एफकेएफ को चलाने के लिए एक कार्यवाहक समिति नियुक्त की। विश्व फुटबॉल शासी निकाय फीफा ने तब सरकार द्वारा हस्तक्षेप जारी रखने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। केन्या को मार्च 2022 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से निलंबित कर दिया गया था। फीफा द्वारा नौ महीने बाद अंतरराष्ट्रीय निलंबन समाप्त करने से पहले दोनों के खिलाफ मामला वापस ले लिया गया था और वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद उन्हें फिर से पद पर बहाल कर दिया गया था। दो बार अध्यक्ष रह चुके म्वेंडवा के अलावा, चार अन्य उम्मीदवार - सेवानिवृत्त अंतरराष्ट्रीय सैमी ओविनो, केन्या प्रीमियर लीग लिमिटेड के सीईओ जैक ओगुडा, टॉम अलीला और हुसैन मोहम्मद - भी शीर्ष एफकेएफ सीट पर नजर गड़ाए हुए हैं। केन्या खेल अधिनियम 2013 के अनुसार, शासी निकायों में अधिकारियों को अधिकतम दो कार्यकाल तक सेवा करनी चाहिए, जिससे तकनीकी रूप से म्वेंडवा इस दौड़ से बाहर हो गए, लेकिन महासंघ प्रमुख के अनुसार, एफकेएफ ने 2016 से 2020 तक चलने वाले अपने पहले कार्यकाल के दौरान कानून के साथ खुद को संरेखित नहीं किया था। ओटिएनो को मौजूदा अध्यक्ष की पसंद का उम्मीदवार बताया जा रहा है, अगर म्वेंडवा को चुनाव लड़ने से रोक दिया जाता है।

आलिया भट्ट

और शरवरी वाघ की 'अल्फा' में Shah Rukh Khan का कैमियो होगा? क्या है मेकर्स की प्लानिंग

Alia Bhatt के लिए बीते कुछ साल जबरदस्त रहे हैं. वो इस वक्त डायरेक्टर्स की पहली पसंद बनी हुई हैं. जल्द उनकी 'जिगरा' आने वाली है, जिसके प्रमोशंस में वो फिलहाल बिजी हैं. इसके बाद जिन दो फिल्मों पर वो काम करने वाली हैं, वो है- अल्फा और लव एंड वॉर. एक फिल्म पर काम वो काफी वक्त पहले ही शुरू कर चुकी हैं. वहीं, इसे कंप्लीट करने के बाद जल्द ही 'लव एंड वॉर' की शूटिंग शुरू कर देंगी. यह ह्रुक्रन स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल स्पाई फिल्म है. इस पिक्चर में आलिया भट्ट स्पाई का रोल करेंगी. बीते दिनों कश्मीर में फिल्म की शूटिंग चल रही थी, जहां शरवरी वाघ भी उनके साथ मौजूद थीं. अब कहा जा रहा है कि शाहरुख खान उर्फ पठान का इस फिल्म में कैमियो हो सकता है.'अल्फा' ह्रुक्रन स्पाई यूनिवर्स की अगली बहुत बड़ी फिल्म है. फिल्म 25 दिसंबर, 2025 में रिलीज होने वाली है. इसी बीच फिल्म में इसी यूनिवर्स के कई हीरो के कैमियो होने की चर्चा है. हालांकि, मेकर्स ने अबतक स्पेशल कैमियो की जानकारी को छिपाकर रखा है, वो फैन्स को सरप्राइज देना चाहते हैं. एक था 'टाइगर', 'पठान', 'वॉर' की कहानी कहीं न कहीं एक दूसरे से जुड़ी हुई है.

'अल्फा' में शाहरुख खान का कैमियो होगा ?

जब शुरुआत में 'अल्फा' पर काम शुरू हुआ था, तब ऐसी खबरें थी कि शाहरुख खान फिल्म में आलिया भट्ट के मेंटॉर का किरदार निभाएंगे. हालांकि, फिल्म के ऑफिशियल अनाउंसमेंट के बाद आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की फिल्म में ऋतिक रोशन यानी कबीर के कैमियो की खबरें आ गई. ऐसा कहा गया कि साल 2025 में 'वॉर 2' रिलीज होने वाली है. ऐसे में कबीर ही आलिया भट्ट की फिल्म में कैमियो करेगा. पर क्योंकि वो इस वक्त कियारा आडवाणी के साथ 'वॉर 2' की शूटिंग कर रहे हैं, तो ऐसे में चांसेस कम है कि वो ही आलिया भट्ट की फिल्म में कैमियो कर पाए.

हाल ही में बॉक्स ऑफिस वर्ल्ड वाइड डॉट कॉम पर छपी रिपोर्ट से पता लगा कि, फिल्म में शाहरुख खान का सरप्राइज कैमियो हो सकता है. अगर शाहरुख खान 'पठान' बनकर फिल्म में एंट्री करते हैं, तो यह फैन्स के लिए एक बड़ा पल होगा. दरअसल बीता साल उनके लिए काफी बढ़िया रहा था. तीन फिल्में आईं, जिसमें से 'पठान' और 'जवान' ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी. इससे पहले उन्होंने 'टाइगर 3' में कैमियो किया था, जिसमें वो टाइगर की मदद करते दिखाई दिए थे. हालांकि, अबतक मेकर्स की तरफ से भी कंफर्म नहीं किया गया है कि वो शाहरुख खान का फिल्म में कैमियो रखने वाले हैं या नहीं.

15 साल के लीप के बाद अनुपमा में होगी इन स्टार्स की एंट्री, अनुज छोड़ेंगे शो?

टीवी सीरियल अनुपमा में जल्द ही 15 साल का लीप आने वाला है. शो में लीप के बाद कई नए कलाकार की एंट्री होगी और कई पुराने कलाकार शो को अलविदा कह सकते हैं. सीरियल में इससे पहले भी कई लीप आ चुके हैं. अब रूपाली गांगुली के शो अनुपमा का नया प्रोमो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. शो के प्रोमो में नए कलाकार भी नजर आए, जिससे साफ है कि मेकर्स लीप के बाद शो की स्टारकास्ट पूरी तरह बदलना चाहते हैं.

अनुपमा में लीप के बाद का ये प्रोमो मेकर्स ने सोशल मीडिया पर शेयर नहीं किया है, बल्कि इसे टीवी पर टेलीकास्ट किया गया है. टीवी पर टेलीकास्ट हुए इस प्रोमो को शो के फैन्स सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं. सामने आई प्रोमो की इस क्लिप में नए स्टार्स नजर आ रहे हैं. सीरियल की कास्टिंग में एक बहुत बड़ा बदलाव आ सकता है.

लीप के बाद अनुपमा में होंगे ये बदलाव

प्रोमो में लीप के बाद की कहानी दिखाई जा रही है, जिसमें आध्या का किरदार अब अलीशा परवीन निभाती हुई नजर आएंगी. अलीशा परवीन से पहले औरा भटनागर आध्या का किरदार निभाती थीं. 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' का हिस्सा रहे शिवम खजूरिया अब अनुपमा में नए हीरो बनने वाले हैं. शिवम खजूरिया अब आशा भवन का हिस्सा होंगे और अनु की मदद करेंगे.

वहीं, अब अनुपमा शेफ हैं और 'अनु की रसोई' चलाती हुई दिखेंगी. हालांकि, लीप के बाद भी अनु पैसों की तंगी से जूझ रही हैं. प्रोमो में कहीं भी अनुज कपाड़िया नजर नहीं आ रहे हैं. इससे फैन्स अंदाजा लगा रहे हैं कि अनुज ने लीप के बाद शो को छोड़ दिया है.

नई किंजल का रोल निभाएंगी कृतिका देसाई!

इंडिया फोरम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'साथ निभाना साथिया 2', 'बालवीर रिटर्न्स' जैसे टीवी शो का हिस्सा कृतिका देसाई अब अनुपमा में लीप के बाद एक अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी. शो में उनकी एंट्री कई तरह के बदलाव ला सकती हैं.

मनीष नागदेव बनेंगे नए तोषू

इसके अलावा, ऐसा खबरें हैं कि गौरव शर्मा भी शो को गुडबाय बोलने वाले हैं. लीप के बाद गौरव तोषू के रोल में नजर नहीं आएंगे. ऐसे में मेकर्स ने तोषू के किरदार के लिए मनीष नागदेव को अप्रोच किया है.

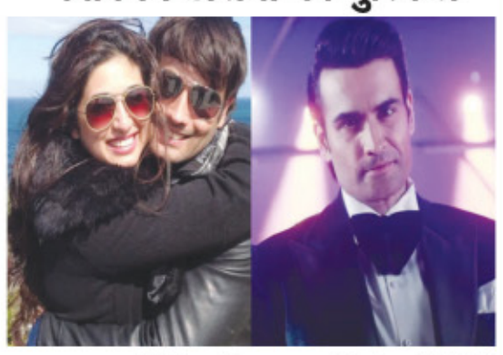

शो शुरू होते ही आई वाइल्ड कार्ड एंट्री की खबर, बढ़ जाएंगी विवियन डीसेना की मुश्किलें

सलमान खान के बिग बॉस 18 शुरू होने से पहले ही दो कंटेस्टेंट को टॉप 2 फाइनलिस्ट घोषित कर दिया गया. विवियन डीसेना और ऐलिस कौशल बिग बॉस 18 के फाइनलिस्ट तो बन गए, लेकिन कहानी अभी बाकी है. इन फाइनलिस्ट के लिए भी बिग बॉस का ये सफर आसान नहीं होगा और इस सफर को मुश्किल बनाने के लिए बिग बॉस अपने घर में एक ऐसी कंटेस्टेंट को शामिल करने जा रहे हैं, जिन्हें देख विवियन डीसेना की परेशानी बढ़ सकती है.दरअसल बिग बॉस 18 के घर की इस साल थीम है 'समय' और ये समय भूत-वर्तमान और भविष्य के इर्द-गिर्द घूमता रहेगा.

सूत्रों से मिली जानकरी के मुताबिक इस थीम को मेकर्स कुछ ज्यादा ही सीरियसली ले रहे हैं और इसलिए वो विवियन डीसेना की पहली पत्नी वाहबिज दोराबजी को बिग बॉस में बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री दे रहे हैं. हालांकि इस बारे में अब तक चैनल और वाहबिज की तरफ से कोई कन्फर्मेशन नहीं दिया गया है. लेकिन अगर वाहबिज इस शो में एंट्री करती हैं तो ऑडियंस को विवियन का इस शो में पूरी तरह से अलग चेहरा देखने को मिल सकता है.

सीरियल के सेट पर शुरू हुआ था प्यार

11 साल पहले यानी साल 2013 में विवियन डीसेना ने अपनी को-स्टार वाहबिज दोराबजी से शादी की थी. इन दोनों ने एकता कपूर के सीरियल 'प्यार की एक कहानी' से अपने करियर की शुरुआत की थी. इस सीरियल में विवियन वैम्पायर 'अभय रायचंद' बने थे, तो वाहबिज शो की लीड एक्ट्रेस सुकीर्ति कांडपाल की बड़ी बहन का किरदार निभा रही थीं.स्टार वन के इस सीरियल के सेट पर वाहबिज और विवियन की लव स्टोरी शुरू हुई. वाहबिज विवियन से तीन साल बड़ी हैं.

दोनों की शादी बड़ी ही धूमधाम से हुई थी, लेकिन ये शादी ज्यादा समय तक टिक नहीं पाई और शादी के 8 साल बाद दोनों ने एक-दूसरे से अलग होने का फैसला लिया. वाहबिज से तलाक लेने के बाद विवियन ने अपने फैन और विदेशी जर्नलिस्ट नौरान अली से शादी की है और अब इन दोनों की एक बेटी भी है. शादी करने से पहले विवियन ने अपना धर्म बदलते हुए इस्लाम कबूल किया था.

रूपाली गांगुली

की वजह से को-स्टार्स ने छोड़ा शो? बिग बॉस 18 की मुस्कान बामने ने बताया सच

मुस्कान बामने टीवी के फेमस शो 'अनुपमा' में पाखी के किरदार से जानी जाती हैं. अब 'अनुपमा' फेम मुस्कान बामने सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' का हिस्सा बन गई हैं. कुछ समय पहले ही मुस्कान बामने ने 'अनुपमा' छोड़ दिया था. बिग बॉस के घर में एंट्री लेने से पहले मुस्कान ने एक इंटरव्यू दिया. इसी इंटरव्यू के दौरान मुस्कान ने बिग बॉस से जुड़ने की वजह से लेकर रूपाली गांगुली तक के बारे में बात की.मुस्कान बामने ने इसी बातचीत के दौरान 'अनुपमा', सुधांशु पांडे, मदालसा शर्मा और रूपाली गांगुली से जुड़े कई सवालों के जवाब भी दिए. इसके अलावा उन्होंने 'अनुपमा' के सेट पर रूपाली गांगुली के साथ अपनी बॉन्डिंग और उनके बर्ताव के बारे में बताया.

अनुपमा छोड़ने के बाद क्यों चुना बिग बॉस ?

'अनुपमा' जैसे पॉपुलर शो को छोड़ने के तुरंत बाद बिग बॉस में जाने को लेकर मुस्कान ने कहा, एक रियलिटी शो कुछ ऐसी जगह होती है जहां लोग आपके असली रूप को जान पाते हैं. मैंने कई टीवी शोज किए हैं जहां लोग मुझे मेरे किरदार के जरिए जानते हैं, लेकिन बिग बॉस से लोग मेरे असली रूप को जान पाएंगे. मैं अनुपमा में अपने किरदार पाखी के बिल्कुल अपोजिट हूं. लोगों ने मुझे स्क्रीन पर बहुत लड़ते हुए देखा है, लेकिन मेरे बारे में और भी बहुत कुछ है जो लोग बिग बॉस में देखेंगे.

रूपाली की वजह से शो छोड़ते हैं को-स्टार्स ?

कुछ हफ्ते पहले जब सुधांशु और मदालसा ने टीवी शो अनुपमा को अलविदा कहा तो उनके और रूपाली गांगुली के बीच अनबन की खबरें सामने आई थीं. इसी बातचीत में मुस्कान से पूछा गया कि जब कोई एक्टर इस शो को छोड़ता है तो हमेशा रूपाली को ही दोषी क्यों ठहराया जाता है? मुस्कान ने इस बात को नकारा है. उन्होंने कहा, ऐसा कुछ नहीं है कि को-स्टार्स रूपाली गांगुली की वजह से शो को छोड़ते हैं. मैं सेट पर सबसे छोटी थी इसलिए वो मेरे लिए हमेशा बहुत मददगार रहीं. जब भी मुझे कुछ समझ नहीं आता था तो वो मुझे गाइड करती थीं, वो बहुत प्यारी हैं.